24 सितंबर 2025
बुधवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

स्वच्छता अभियान में बाधक बन रहे है फल व सब्जी विक्रेता 2

आपकी आवाज

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

एच-1बी वीजा एकमुश्त शुल्क है जो केवल आवेदन पर लागू होगा

एजेंसी। नई दिल्ली

अमेरिका में ट्रंप प्रशासन ने एच-1बी वीजा की फीस बढ़ा दी है। जिसके बाद दुनियाभर में बवाल मचा हुआ है। ट्रंप की ओर से किए एच-1बी वीजा वीजा नियमों में बदलाव का असर भारत पर काफी ज्यादा पड़ेगा। इस बीच ट्रंप प्रशासन ने एक बार फिर एच-1बी वीजा नियमों में बदलाव कर दिया है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव ने वीजा पर सफाई देते हुए कहा था कि 100,000 डॉलर का यह आदेश श्कोई वार्षिक फीस नहीं है। उन्होंने आगे कहा, श्यह एकमुश्त शुल्क है जो केवल आवेदन पर लागू होती है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप प्रशासन ने मंगलवार (23 सितंबर, 2025) को वीजा के नियमों को लेकर एक प्रस्ताव जारी किया है। जिसके तहत अमेरिकी कंपनियों में हाई सैलरीड और स्किल्ड लेवर के पक्ष में नियम बनाए गए हैं। अमेरिकी प्रशासन का यह कदम शुक्रवार को व्हाइट हाउस की ओर से जारी 100,000 डॉलर शुल्क लगाने की घोषणा के बाद उठाया गया है।

नए वीजा के आवेदन पर ही लगेगी फीस

डोनाल्ड ट्रंप ने एच-1बी वीजा फीस बढ़ाने का फैसला मेक अमेरिका ग्रेट अगेन और अमेरिका फी तेज के एजेंडे के तहत लिया है. ट्रंप ने जब एच-1बी वीजा की फीस को लेकर ऐलान किया तो इसमें कई भ्रम और अफवाहें सामने आईं, जिसके बाद व्हाइट हाउस ने इसको लेकर सफाई भी दी। व्हाइट हाउस ने कहा कि 100,000 डॉलर की नई फीस केवल नए आवेदकों के लिए है इस कदम से वर्तमान लॉटरी पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने भी वीजा पर सफाई देते हुए कहा था कि 100,000 डॉलर का यह आदेश कोई वार्षिक फीस नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि यह एकमुश्त शुल्क है जो केवल आवेदन पर लागू होती है.।

अमेरिका के इस आदेश पर क्या था भारत का रिएक्शन

अमेरिका की ओर से बढ़ाई गई एच-1बी वीजा फीस को लेकर भारत ने कहा कि हमें उम्मीद है कि अमेरिकी अधिकारी इस मामले को उचित और संतुलित तरीके से संभालेंगे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा भारतीय उद्योग ने एच-1बी वीजा कार्यक्रम से संबंधित कुछ अवधारणाओं को स्पष्ट करते हुए प्रारंभिक विश्लेषण पहले ही प्रस्तुत कर दिया है। बयान में यह भी कहा गया कि भारत और अमेरिका दोनों के उद्योग नवाचार और रचनात्मकता में रुचि रखते हैं और दोनों देशों को इस मुद्दे पर सही रास्ता अपनाने की उम्मीद है। ट्रंप ने ऐलान किया कि अब एच-1बी के लिए 1,00,000 डॉलर (लगभग 88 लाख रुपये) की फीस देनी होगी। इस फैसले के बाद अब अमेरिकी कंपनियों के लिए विदेशी वर्कर्स को हायर करना बेहद महंगा हो गया है। अमेरिका में हर साल 65 हजार भ्-1ठ वीजा जारी किए जाते हैं। इसके जरिए अमेरिकी कंपनियां स्पेशलाइज्ड काम करने के लिए विदेशों से वर्कर्स को हायर करती हैं। उनकी सैलरी भी काफी ज्यादा होती हैं।

सुदर्शन चक्र होगा सबसे ताकतवर डिफेंस सिस्टम : एयर मार्शल

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत का प्रस्तावित एयर डिफेंस सिस्टम सुदर्शन चक्र आधुनिक युद्ध के लिए बहुस्तरीय सुरक्षा कवच साबित होगा। एयर मार्शल अशुतोष दीक्षित ने कहा कि यह प्रणाली ड्रोन और हाइपरसोनिक हथियारों के खिलाफ सुरक्षा देगी। उन्होंने रूस-यूक्रेन और अजरबैजान-अर्मेनिया संघर्ष का हवाला देते हुए ड्रोन खतरों की चेतावनी दी। प्रस्तावित एयर डिफेंस सिस्टम सुदर्शन चक्र आने वाले समय में दुनिया का सबसे शक्तिशाली और व्यापक सुरक्षा कवच साबित हो सकता है। यह प्रणाली ड्रोन और हाइपरसोनिक हथियारों जैसे आधुनिक खतरों से निपटने के लिए तैयार की जा रही है। चीफ ऑफ इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ (सीआईएससी) एयर मार्शल अशुतोष दीक्षित ने मंगलवार को कहा कि यह प्रणाली बहुस्तरीय सुरक्षा प्रदान करेगी। वे काउंटर यूएवीज एंड एयर डिफेंस सिस्टम्सरू फ्यूचर ऑफ मॉडर्न वॉरफेयर सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। दीक्षित ने बताया कि मिशन ह्यसुदर्शन चक्रह्न में काउंटर-ड्रोन, काउंटर-यूएवी और काउंटर-हाइपरसोनिक क्षमताओं को एकीकृत किया जाएगा। एयर मार्शल दीक्षित ने कहा कि युद्ध अब शतरंज की तरह है, जिसमें दुश्मन से दो कदम आगे रहना जरूरी है। उन्होंने अजरबैजान-अर्मेनिया संघर्ष और रूस-यूक्रेन युद्ध का उदाहरण देते हुए बताया कि कैसे सस्ते ड्रोन महंगे सैन्य संसाधनों को नुकसान पहुंचा सकते हैं।दीक्षित ने ऑपरेशन सिंदूर का उल्लेख किया, जिसमें पकड़े गए ड्रोन अत्याधुनिक तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता से लैस थे। उन्होंने कहा कि भविष्य की लड़ाइयों में एआई आधारित हथियार बड़ी चुनौती होंगे। दीक्षित ने कहा कि युद्ध जीतने के लिए देश को दिवालिया नहीं किया जा सकता।

वैश्विक चुनौती से घरेलू संकट तक सुलझाने में होगा मददगार

सबसे बड़ी समस्याओं का जवाब है स्वदेशी : पीएम मोदी

एजेंसी। नई दिल्ली

पीएम मोदी ने जनता से अपील की है कि, हर दुकानदार अपनी दुकानों के सामने यह बोर्ड लगाए कि वे स्वदेशी बेचते हैं और इसमें गर्व महसूस करते हैं। पीएम की यह अपील अमेरिका के टैरिफ वॉर और एच वन बी वीजा पर भारी शुल्क लगाने के बाद और ज्यादा प्रासंगिक हो गई है। पीएम की यह अपील अमेरिका के टैरिफ वॉर और एच वन बी वीजा पर भारी शुल्क लगाने के बाद और ज्यादा प्रासंगिक हो गई है। इसके पहले चीन ने भी रेयर अर्थ मेटल को एक रणनीतिक वस्तु की तरह उपयोग किया था और भारत जैसे अनेक देशों के सामने संकट पैदा कर दिया था। इसके बाद से ही यह अपील की जाने लगी कि भारत जैसे देश को महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों में आत्मनिर्भर होना चाहिए। लेकिन बड़ा प्रश्न यही है कि आज के ग्लोबलाइजेशन के दौर में पूरी तरह स्वदेशी होने की बात करना कितना प्रासंगिक है? स्वदेशी अपनाना किस हद तक संभव है और इसके क्या परिणाम सामने आ सकते हैं? कोर मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में नहीं हो रहा निवेश भारत का व्यापार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बहुत तेजी के साथ बढ़ रहा है। युवा नए-नए स्टार्टअप लगाकर अपना रोजगार खड़ा कर रहे हैं और इनमें से कुछ सफल भी हो रहे हैं। लेकिन ध्यान से देखने पर समझ आता है कि हमारे युवाओं के ज्यादातर व्यवसाय सर्विस प्रोवाइडर कैटेगरी में हैं। जैसे कोई ऐप या सॉफ्टवेयर विकसित कर खाना, कपड़ा या अन्य सामान पहुंचाने का काम कर रहा है तो कोई घूमने या कोई अन्य सेवा को प्रदान कर रहा है। ये व्यवसाय बुरे नहीं हैं, लेकिन समझने की आवश्यकता है कि ये केवल सर्विस सेक्टर है। यह कोर मैन्युफैक्चरिंग नहीं है। इसी तरह भारत ने मोबाइल, लैपटॉप और टीवी जैसी चीजों को बनाने में अच्छी प्रगति दिखाई है। लेकिन इनमें से अधिकतम चीजों की केवल असेंबलिंग हो रही है। इनमें लगने वाली सभी मशीनों, कल-पुर्जों का चीन जैसे देशों से आयात किया जा रहा है और भारत के नोएडा-गुरुग्राम या बंगलौर जैसे शहरों में इनकी असेंबलिंग कर इन पर भारत में बने होने का ठप्पा लगाया जा रहा है।

हेल्थ सेक्टर में भी यही हालात

भारत स्वास्थ्य सेक्टर में दवाइयों, मेडिसिनल कपड़ों, मशीनों के उत्पादन में एक वैश्विक शक्ति बना है। लेकिन मोबाइल-लैपटॉप सेक्टर की तरह इस सेक्टर में उपयोग होने वाली अधिकतम वस्तुएं, रसायन और मशीनों का चीन से आयात किया जा रहा है। यदि कल चीन इन रसायनों का निर्यात रोक दे तो भारत में अनेक दवाइयों के निर्माण में भारी परेशानी पैदा हो जाएगी। भारत सौर ऊर्जा का बड़ा खिलाड़ी बनने की राह पर है। लेकिन इस सेक्टर में भी लगभग वही स्थिति है। यानी यदि चीन आज सौर ऊर्जा के पैनल और बैटरियां निर्यात करना बंद कर दे तो हमारे सामने वही स्थिति पैदा हो जाएगी जैसे कि अमेरिकी टैरिफ लगाने के बाद हमारे एमएसएमई सेक्टर के उद्योगों के सामने हुई है।

सेमीकंडक्टर सेक्टर में सराहनीय काम

सेमीकंडक्टर इस समय का ऐसा सबसे महत्त्वपूर्ण कच्चा माल है जिसके बिना घरों के सामान्य उपकरण से लेकर अंतरिक्ष में चलने वाले वायुयान-सैटेलाइट तक ठप पड़ सकते हैं। केंद्र सरकार ने इसकी आवश्यकता को महसूस करते हुए इसमें भारी पैसा और तकनीक निवेश किया। इसका परिणाम हुआ है कि इसी साल के अंत तक यानी दो से तीन महीनों के अंदर पूर्ण रूप से स्वदेशी सेमीकंडक्टरों का निर्माण होने लगेगा। यह इस सेक्टर में भारत की बड़ी उपलब्धि साबित होगी। भारत को इसी तरह मोबाइल, लैपटॉप, सौर ऊर्जा पैनल, बैटरी, हेल्थ सेक्टर के उपकरण, रसायनों के उत्पादन, बड़ी वस्तुओं के निर्माण की मशीनें और रक्षा क्षेत्र में उपयोग में आने वाली मशीनों के निर्माण क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करनी होगी। केंद्र सरकार इन सेक्टरों में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए दीर्घकालिक योजनाएं बना रही है।

23 माह बाद जेल से रिहा हुआ सपा नेता आजम खां

एजेंसी। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के नेता आजम खां ने अपनी कैद के 23 माह जिला कारागार की गिरदा बैरक में गुजारे। आजम खां नियम से सुबह 4 बजे जल्दी उठते थे। इसके बाद अपनी दिनचर्या का पालन करते थे। जेल में अपनी कैद की इस अवधि में उन्होंने कभी किसी भी तरह की स्पेशल डिमांड नहीं की। हमेशा जेल के नियमों का पालन करते रहे। जेलकर्मियों के अनुसार आजम खां का व्यवहार बेहद सरल रहा। सोमवार को जब जेल अधीक्षक डॉ एस के सिंह ने उन्हें रिहाई की खबर दी तब भी आजम खां के चेहरे पर गंभीर भाव रहे। उन्होंने चलते समय जेलकर्मियों से मिलकर उनका आभार जताया। जेल अधीक्षक डॉ एस के सिंह ने बताया कि वह 28 जून 2021 में जिला कारागार सीतापुर में तैनात हुए। तैनाती के समय पता चला कि आजम खां 27 फरवरी 2020 से जिला कारागार में हैं। इसके बाद 20 मई 2022 को आजम खां जेल से रिहा हो गए थे। उस समय भी उनका स्वभाव बेहद गंभीर रहा। बताया कि जब अक्तूबर 2023 को दोबारा आए तो उन्हें गिरदा बैरक में रखा गया। सूत्रों के अनुसार यह सुरक्षा के लिहाज से बेहद खास बैरक है। आजम खां इस बैरक में कुछ धार्मिक किताबें पढ़कर अपना समय व्यतीत करते रहे। वह सामान्य कैदियों की तरह ही आचरण करते रहे। कभी कोई वीआईपी ट्रीटमेंट नहीं मांगा। 2017 में इसी बैरक में रुका था मुख्तारआजम खां को जिस बैरक में रखा गया था, उसी बैरक में वर्ष 2017 में तत्कालीन विधायक मुख्तार अंसारी 16 घंटे रुका था।

औरंगाबाद में हाईवे पर हादसा, ट्रक-ऑटो की टक्कर में 3 महिला की मौत, 5 घायल

एजेंसी। औरंगाबाद

औरंगाबाद के बारुण थाना क्षेत्र के मुंशी बिगहा के समीप मंगलवार की शाम साढ़े छह बजे ऑटो और ट्रक की जोरदार टक्कर में ऑटो सवार तीन महिला की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि इस हादसे में ऑटो सवार छह लोग घायल हो गए. इनका इलाज सदर अस्पताल में कराया गया. पुलिस मामले की जांच में जुटी है. मृतक महिला की पहचान सासाराम नगर थाना क्षेत्र के सागर मोहल्ला के अठनवां गांव निवासी स्व केशव बिंद की 60 वर्षीय पत्नी फुलेसरी देवी, शिवसागर थाना क्षेत्र के कुसहरा गांव के स्व उमाशंकर सिंह के 55 वर्षीय पत्नी सीता देवी और चेनारी थाना क्षेत्र के सिमरी गांव निवासी ननक देवी के रूप में की गई है. वहीं इस हादसे में घायल हुए लोगों में रोहतास जिले के दिनारा थाना क्षेत्र के मरवा गांव के सीताराम साह, रोहतास जिले के ही नटवार थाना क्षेत्र के छोटी नटवार गांव निवासी मालती देवी, चेनारी थाना क्षेत्र के बिलासपुर गांव निवासी सविता देवी, रोहतास के मरवा गांव निवासी नीलम देवी, सासाराम नगर थाना क्षेत्र के सागर गांव निवासी इतरवा देवी शामिल हैं. सदर अस्पताल में इलाज के दौरान घायलों ने बताया कि सभी लोग सासाराम बस स्टैंड से ऑटो रिजर्व करके औरंगाबाद जिले के कुटुंबा थाना क्षेत्र के महुआ धाम की ओर आ रहे थे, तभी मुंशी बीघा मोड़ के समीप उनका ऑटो ट्रक की चपेट में आ गया और ये हादसा हुआ।

आईआरसीटीसी द्वारा संचालित तेजस एक्सप्रेस एकमात्र ट्रेन है

तेजस एक्सप्रेस : देश की पहली ट्रेन जहां लेट होने पर यात्रियों को मिलता है मुआवजा

एजेंसी। नई दिल्ली

देश में रोजाना लाखों लोग ट्रेनों से सफर करते हैं, लेकिन अधिकतर यात्रियों को ट्रेन लेट होने पर परेशानी का सामना करना पड़ता है। ऐसे में आईआरसीटीसी द्वारा संचालित तेजस एक्सप्रेस एकमात्र ट्रेन है, जिसमें लेट होने पर यात्रियों को मुआवजा दिया जाता है। छोटे सफर से लेकर लंबी दूरी की यात्रा तक, रेलवे आम नागरिकों की पहली पसंद बना हुआ है। ट्रेन यात्रा न केवल किफायती होती है बल्कि सुविधाजनक और आरामदायक भी होती है। यही कारण है कि हवाई सफर के विकल्प मौजूद होने के बावजूद लोग अब भी ट्रेनों पर भरोसा करते हैं। हालांकि, भारतीय रेलवे की सबसे बड़ी चुनौती समय पर ट्रेन चलाना है। मौसम खराब होने, तकनीकी खामी, ट्रैक में दिक्कत या कभी-कभी अप्रत्याशित कारणों की वजह से ट्रेनें अक्सर देरी से चलती हैं। कई बार यात्रियों को घंटों स्टेशन पर इंतजार करना पड़ता है। इससे उनके सफर और योजनाओं पर असर पड़ता है। रेलवे ने यात्रियों की इस परेशानी को देखते हुए कुछ नियम बनाए हैं। अगर ट्रेन अत्यधिक लेट होती है और यात्री अपनी यात्रा रद्द करना चाहते हैं, तो उन्हें टिकट कैंसिल करने पर रिफंड मिल सकता है। लेकिन यह सुविधा सीमित है और यात्रियों को रद्द करने की प्रक्रिया अपनानी पड़ती है। सी बीच देश में एक ट्रेन ऐसी भी है, जिसने ट्रेन लेट होने की स्थिति में यात्रियों को मुआवजा देने की नई मिसाल कायम की है।

वकीलों का जारी रहेगा एसडीएम न्यायालय का बहिष्कार

- बोले अधिवक्ता कानून की गरिमा के लिए जारी रहेगा आंदोलन, बैठक में लिया निर्णय
- बक्सर के अधिवक्ता 18 सितंबर से ही कर रहे है एसडीएम कोर्ट का बहिष्कार

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर अनुमंडल पदाधिकारी अविनाश कुमार और अधिवक्ताओं के बीच लगभग एक सप्ताह से चल रहा विवाद अब गरमाता जा रहा है। मंगलवार को नए अधिवक्ता भवन के प्रथम तल पर वकीलों ने एक अहम बैठक की, जिसमें दर्जनों अधिवक्ता शामिल हुए। बैठक की अध्यक्षता वरीय अधिवक्ता एवं संघ के अध्यक्ष बबन ओझा ने की।

बैठक में संघ के महासचिव बिंदेश्वरी प्रसाद पांडेय उर्फ पप्पू पांडेय ने साफ कहा कि वकील समाज की लड़ाई किसी व्यक्ति विशेष से नहीं है, बल्कि यह कानून की प्रतिष्ठा बचाने की लड़ाई है। उन्होंने दोहराया कि 18 सितंबर से अधिवक्ताओं द्वारा एसडीएम न्यायालय का बहिष्कार किया जा रहा है और यह आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि भूमि सुधार उपसमाहर्ता और अन्य प्रशासनिक अधिकारियों की अदालत में अधिवक्ता पूर्व की तरह काम करेंगे, लेकिन एसडीएम कोर्ट का पूर्ण बहिष्कार रहेगा।

पप्पू पांडेय ने कहा कि अनुमंडल पदाधिकारी का आचरण न केवल कानून के विपरीत रहा है, बल्कि सामाजिक दृष्टिकोण से भी अशोभनीय है। उनके कथित दुर्व्यवहार से जुड़े कई वीडियो पहले से वायरल हो चुके हैं। इस मामले की सूचना जिलाधिकारी को दी जा चुकी है और अब मुख्य सचिव को भी पत्र भेजने की तैयारी की जा रही है।

सभा में वक्ताओं ने आरोप लगाया कि एसडीएम ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए अधिवक्ताओं पर प्राथमिकी दर्ज कराई, जो निंदनीय और न्याय के मूल सिद्धांतों के विपरीत है। अध्यक्ष बबन ओझा ने कहा कि पद की गरिमा का ऐसा दुरुपयोग बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक एसडीएम अपने व्यवहार के लिए माफी नहीं मांगते और न्यायालय की गरिमा का सम्मान नहीं करते, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

सभा में अधिवक्ता गणपति मंडल, शिवाजी राय, अनिल ठाकुर, विनोद कुमार सिंह, सरोज उपाध्यक्ष, अरुण राय, मिथिलेश पाठक, सत्य प्रकाश सिंह, आनंद रंजना, श्यामा श्री और राघव कुमार सहित कई वकीलों ने संबोधित किया। सभी का एक ही स्वर था कि अधिवक्ता एकता की ताकत के आगे किसी भी तरह का दबाव सफल नहीं होगा।

वकीलों ने साफ संदेश दिया कि यह लड़ाई व्यक्तिगत नहीं बल्कि न्याय और सम्मान की रक्षा की है। अगर प्रशासन ने समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए, तो यह विवाद और बड़ा रूप ले सकता है।

24 सितंबर को होगा मुख्यमंत्री श्रमशक्ति योजना का साक्षात्कार

बक्सर। जिला अल्पसंख्यक कल्याण पदाधिकारी बक्सर से प्राप्त जानकारी के अनुसार बिहार राज्य अल्पसंख्यक वित्तीय निगम द्वारा संचालित मुख्यमंत्री श्रमशक्ति योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2025-26 में कौशल प्रशिक्षण के लिए चयनित आवेदकों का साक्षात्कार 24 सितंबर को आयोजित किया जाएगा। इस संबंध में बताया गया कि जिले के छात्र-छात्राओं ने निगम के ऑनलाईन पोर्टल पर आवेदन किया था। इन आवेदनों की समीक्षा के बाद चयन प्रक्रिया के अगले चरण के रूप में साक्षात्कार आयोजित किया जा रहा है। यह साक्षात्कार अपराह्न 3:30 बजे से उप विकास आयुक्त-सह-अध्यक्ष, जिला चयन समिति बक्सर के द्वारा लिया जाएगा। साक्षात्कार में शामिल होने वाले सभी अभ्यर्थियों को अपने मूल दस्तावेज साथ लाने होंगे। इनमें शैक्षणिक योग्यता प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, आवास प्रमाण पत्र तथा आधार कार्ड शामिल है। अभ्यर्थियों को समय पर जिला अल्पसंख्यक कल्याण कार्यालय, बक्सर में उपस्थित होने का निर्देश दिया गया है। अल्पसंख्यक वित्तीय निगम की इस योजना का उद्देश्य युवाओं को कौशल प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर बनाना है। जिला प्रशासन ने अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे निर्धारित तिथि और समय पर साक्षात्कार में अवश्य भाग लें, ताकि उन्हें योजना का लाभ मिल सके।

स्वच्छता अभियान में बाधक बन रहे है फल व सब्जी विक्रेता

- शाम में कूड़ा उठाव के बाद सार्वजनिक जगहों पर फेक दे रहे है फल व सब्जी के वेस्टेज, स्थानीय दुकानदारों में है गहरी नाराजगी, सड़ांध से बढ़ी परेशानी

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव नगर परिषद एक तरफ स्वच्छता रैंकिंग में प्रथम स्थान पाने की कवायद में जुटी है। इसके लिए सफाई के नाम पर हर महीने 90 लाख से अधिक खर्च किए जा रहे है। सुबह व शाम दोनों समय कूड़े का उठाव किया जा रहा है। बावजूद शहर के फल व सब्जी विक्रेताओं की करतूत नगर परिषद के स्वच्छता अभियान पर भारी पड़ रही है। बता दें कि शाम में कूड़ा उठाव के बाद फल व सब्जी विक्रेता नगर के कई सार्वजनिक जगहों तथा कूड़ेदान के पास फल तथा सब्जी का वेस्टेज फेंक दे रहे है, जिससे स्वच्छता अभियान पर बट्टा लग रहा है। इसकी बानगी नगर के साफाखाना मोड़, राजगोला रोड व वार्ड 18 स्थित कमल नगर मोहल्ले के मुख्य निकास द्वार के पास देखा जा सकता है। जहां, शाम ढलने के बाद जब फल व सब्जी विक्रेता अपनी दुकान बंद कर घर जाने लगते है तो फल व सब्जी का वेस्टेज ठेले पर लाद कर लाते है तथा उसे फेक देते है। पिछले दिनों साफाखाना मोड़ के पास रात में फल का अवशेष फेकने पर स्थानीय दुकानदारों ने आपत्ति भी जताई थी, जिसके बाद नगर परिषद प्रशासन ने कुछ दिनों के लिए सक्रियता दिखाई थी। बावजूद ऐसे दुकानदारों को चिन्हित कर उनपर कार्रवाई नहीं करने से उनका मनोबल बढ़ रहा है। स्थानीय दुकानदारों ने बताया कि फल व सब्जी का वेस्टेज काफी दुर्गंध देता है, जिससे दुकान पर बैठना मुश्किल हो जाता है। वहीं, रोकने या टोकने पर फल तथा सब्जी विक्रेता दुकानदारों से उलझने से ािा बाज नहीं आते है। जिस कारण दुकानदार चुप-चाप रहना ही मुनासिब समझते है। शहवासियों का कहना है कि फल व सब्जी विक्रेताओं की मनमानी से जहां स्वच्छता अभियान पर बट्टा लग रहा है, वहीं सड़े-गले फल व सब्जी के दुर्गंध से बीमारी फैलने का खतरा बना हुआ है। लोगों ने नगर परिषद प्रशासन से इस पर रोक लगाने की मांग की है।

राजगोला रोड में भी स्थिति गंभीर

बता दें कि डुमरांव का राजगोला रोड सब्जी व अनाज की अनुमंडल की सबसे बड़ी मंडी मानी जाती है। यहां सैकड़ो सब्जी विक्रेता हर दिन दुकान लगाते है और देर शाम दुकान बंद करने के बाद गोला के गेट तथा कई अन्य जगहों पर वेस्टेज फेंक चले जाते है, जिससे रात में इस पथ से गुजरना मुश्किल हो रहा है। वहीं, आस पास के निवासियों को पूरी रात दुर्गंध का सामना करना पड़ता हैं। नगर परिषद प्रशासन की उदासीनता से इस पर लगाम नहीं लग पा रहा है।

स्टेशन के पास भी गंभीर है समस्या

इसके अलावे स्थानीय रेलवे स्टेशन के समीप भी कई फल विक्रेता ठेला पर अपनी दुकान सजाते है। ये रात में सड़े-गले फल तथा छिलका को कमल नगर मोहल्ले के मुख्य निकास के पास लगे डस्टबीन में डाल रहे है, जिससे मुहल्लेवासियों की परेशानी बढ़ गई है। मुहल्ले के धीरज ठाकुर, छोटे सिंह आदि का कहना है कि स्टेशन व पंच मंदिर की समीप दुकान सजाने वाले दुकानदार जानबूझकर यहां अपना वेस्टेज फेक रहे है। जिससे पूरी रात दुर्गंध का सामना करना पड़ रहा है।

> देर शाम खुले में फल व सब्जी का वेस्टेज फेकने वाले विक्रेताओं को चिन्हित कर उन्हें नोटिश थमाया जाएगा। यदि वे अपनी हरकतों से बाज नहीं आए तो उनसे जुमार्ना वसूला जाएगा। डुमरांव नगर परिषद को स्वच्छता अभियान के रैंकिंग में बेहतर स्थान दिलवाना हमारी प्राथमिकता है। किसी को भी इसमें बाधक बनने की छूट नहीं दी जाएगी।
>
> **राहुलधर दूबे, ईओ, नगर परिषद, डुमरांव**

रामपुर स्थित देवल-नागपुर सड़क की दुर्दशा, ग्रामीणों में आक्रोश

डुमरांव में मतदाता जागरूकता हेतु प्रभात फेरी, स्कूली बच्चों ने दिया संदेश

केटी न्यूज/डुमरांव।

आगामी बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 को लेकर मतदाताओं को जागरूक करने के उद्देश्य से मंगलवार को डुमरांव में प्रभात फेरी का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम प्रखंड विकास पदाधिकारी संदीप कुमार पांडेय की अध्यक्षता में छठिया पोखरा से शहीद पार्क तक निकाला गया।

इस दौरान स्थानीय विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और लोगों को मतदान के प्रति जागरूक किया। बच्चे हाथों में तख्तियां लिए हुए नारे लगाते हुए आगे बढ़े, वोट डालने जाना है, अपना फर्ज निभाना है और जन-जन का यह नारा है, मतदान अधिकार हमारा है।

फेरी में शामिल विद्यार्थियों की जोशीली आवाज से पूरे नगर का माहौल गूंज उठा। प्रखंड विकास पदाधिकारी ने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने में प्रत्येक मतदाता की भागीदारी आवश्यक है। जागरूकता अभियान का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि अधिक से अधिक लोग मतदान केंद्र तक पहुंचें और अपने अधिकार का प्रयोग करें।

स्थानीय नागरिकों ने भी बच्चों की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन से

नवरात्र के दूसरे दिन मां दुर्गा के ब्रह्माचारिणी स्वरूप की हुई पूजा

केटी न्यूज/डुमरांव

शारदीय नवरात्र अनुष्ठान के दूसरे दिन मंगलवार को मां दुर्गा के दूसरे स्वरूप ब्रह्माचारिणी की श्रद्धा व भक्ति के साथ पूजा-अर्चना की गई। दुर्गा सप्तशती के मंत्रों से विभिन्न देवी स्थल, पूजा-पंडाल व आवासीय परिसर गूंजते रहे। पूरा शहर देवी की आराधना में जुटा हुआ है। अहले सुबह से ही शुरू हो रही दुर्गा सप्तशती के पाठ से पूरा वातावरण भक्तिमय बन रहा है। श्रद्धालु देवी की आराधना में दिन रात जुट हुए है। संध्या में माता की भव्य आरती में श्राद्धालुओं की भीड़ जुट रही है। आचार्य पं. आदित्य तिवारी ने बताया कि माता के ब्रह्माचारिणी स्वरूप की पूजा करने से तप, त्याग, संयम, सदाचार आदि की वृद्धि होती है। जीवन के कठिन से कठिन समय में भी इंसान अपने पथ से विचलित नहीं होता है। मां ब्रह्मचारिणी इस लोक के समस्त चर और अचर जगत की विद्याओं की ज्ञाता हैं। भक्तों को यह अपनी सर्वज्ञ संपन्न विद्या देकर विजयी बनाती हैं। दूसरी ओर शहर के काली मंदिर, दुर्गा मंदिर, डुमरेजनी मंदिर, भगवती मंदिर सहित अन्य देवी मंदिरों में विशेष अनुष्ठान व पूजा अर्चना की जा रही है। इस बार सार्वजनिक स्थलों पर पूजा समितियों की ओर आयोजित नवरात्र अनुष्ठान को लेकर लोगों में उत्साह है। लोगों का कहना है कि माता सब की रक्षा करती है। उल्लास के साथ पर्व त्योहार मनाएंगे। नवरात्र के दूसरे दिन श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा के दूसरे स्वरूप मां ब्रह्माचारिणी की विधि-विधान के साथ आराधना की।

डीके कॉलेज की पहली महिला प्राचार्य प्रो. वीणा अमृत को छात्र राजद ने किया सम्मानित

- छात्र राजद द्वारा आयोजित किया गया था सम्मान समारोह, मौके पर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने के लिए किया गया पौधरोपण

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव के डीके कॉलेज की पहली महिला प्राचार्य प्रो. वीणा अमृत ने मंगलवार को पदभार ग्रहण किया। इस मौके पर छात्र राजद द्वारा एक समारोह आयोजित कर उन्हें सम्मानित किया गया तथा पर्यावरण संरक्षण के उदेश्य से इस खास मौके पर कॉलेज परिसर में पौधरोपण किया गया। आयोजित कार्यक्रम छात्र राजद के वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय प्रधान महासचिव अभिषेक यादव की अध्यक्षता में आयोजित किया गया जिसका संचालन शिक्षक उपेन्द्र यादव ने किया। कार्यक्रम के दौरान छात्र राजद कार्यकताओं ने नये प्राचार्य को बुके व फूल माला आदि देकर सम्मानित किया तथा उम्मीद जताया कि डीके कॉलेज के इतिहास में पहली महिला प्राचार्य होने का गौरव पाने के साथ ही इनके कार्यकाल में छात्रहित में अभूतपूर्व कार्य होंगे। विश्वविद्यालय प्रधान महासचिव अभिषेक ने कहा कि प्रो. वीणा डीके कॉलेज के इतिहास में पहली महिला प्राचार्य बनी है। उन्होंने उम्मीद जताया कि इनके कार्यकाल में छात्र हित में बेहतर काम होगा तथा कॉलेज में पठन-पाठन का माहौल सुदृढ़ होने के साथ ही छात्रों की समस्याओं का त्वरित समाधान होगा। इस मौके पर नये प्राचार्य ने छात्र राजद के साथ मिल कॉलेज परिसर में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

प्राचार्य वीणा ने कहा कि छात्र राजद के कार्यकताओं से उन्हें जो सम्मान मिला है वे उसे हमेशा याद रखेंगी तथा कॉलेज में शैक्षणिक माहौल को सुधारना तथा छात्रों की समस्याओं का समाधान हमारी प्राथमिकता होगी।

इस मौके पर बोकारो के पूर्व प्रत्याशी व नावानगर के बरांव गांव निवासी अवधेश सिंह यादव, डीके कॉलेज अध्यक्ष मनीष यादव, बीडीसी पप्पूजी, माले नेता रवि, राहुल यादव, आशीष यादव, राहुल ठाकुर, अयोध्या यादव, आयुष यादव, पूर्णमासी यादव, विकास यादव, शशिकांत यादव, पप्पू यादव उर्फ रंजीत यादव समेत कई अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

पशुपालन और मत्स्य विभाग की समीक्षा बैठक संपन्न

- जिलाधिकारी ने दी सख्त हिदायत, योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही बर्दाश्त नहीं

केटी न्यूज/बक्सर

समाहरणालय परिसर में मंगलवार को जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह की अध्यक्षता में पशुपालन एवं मत्स्य विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में योजनाओं की प्रगति, कार्यों के निरीक्षण और लाभुकों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने पिछली बैठक में दिये गये निदेशों के अनुपालन और अद्यतन प्रगति प्रतिवेदन उपलब्ध नहीं कराने पर गंभीर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया और कहा कि लापरवाही किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि अब प्रत्येक सप्ताह सभी पशु चिकित्सा पदाधिकारियों के कार्यों की समीक्षा की जाएगी। साथ ही, चिकित्सालयों का निरीक्षण कर उसकी रिपोर्ट विकास शाखा बक्सर को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि समय पर रिपोर्ट उपलब्ध कराने से योजनाओं के क्रियान्वयन की गति और पारदर्शिता दोनों में वृद्धि होगी।

जिलाधिकारी को दी गई विभाग की योजनाओं की जानकारी

बैठक में जिला पशुपालन पदाधिकारी ने जानकारी दी कि विभाग द्वारा विभिन्न क्षमता वाले बकरी फार्म स्थापित करने हेतु अनुदान का प्रावधान है। इन योजनाओं के तहत सामान्य वर्ग के लाभुकों को 50 प्रतिशत और अनुसूचित जाति-जनजाति वर्ग के लाभुकों को 60 प्रतिशत अनुदान दिया जाएगा। यह पहल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और स्वरोजगार को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

मत्स्य विभाग में बायोमैट्रिक प्रणाली से बन रही है हाजिरी

समीक्षा के क्रम में जिला मत्स्य पदाधिकारी ने बताया कि कार्यालय में बायोमैट्रिक प्रणाली से कर्मियों की उपस्थिति दर्ज की जा रही है। जिलाधिकारी ने इस व्यवस्था को सख्ती से लागू करने का निर्देश देते हुए कहा कि सभी पदाधिकारी और कर्मियों की उपस्थिति समय पर दर्ज होनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि पारदर्शिता और कार्यकुशलता सुनिश्चित करने के लिए बायोमैट्रिक उपस्थिति अनिवार्य है।

पारदर्शिता पर जोर

बैठक के अंत में जिलाधिकारी ने कहा कि पशुपालन और मत्स्य दोनों विभाग ग्रामीण विकास और आजीविका संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे में योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि लाभुकों तक योजनाओं का सीधा लाभ पहुंचाने को सर्वोच्च प्राथमिकता दें।

डुमरांव के दो लाल ने राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता में जीता सिल्वर एवं ब्रॉन्ज मेडल

डुमरांव। डुमरांव के दो युवा पहलवानों ने कॉम्बैट कुश्ती की राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में क्रमशः सिल्वर व ब्रांज मेडल जीत जिले व राज्य का नाम रौशन किया है। इन दोनों खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाते हुए नप के ईओ राहुलधर दुबे व उप सभापति विकास ठाकुर ने अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया और बधाई भी दिए। मालूम हो कि कॉम्बैट फेडरेशन ऑफ इंडिया के द्वारा कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन गोरखपुर में किया गया था। इस प्रतियोगिता में भारत के 20 राज्य के पहलवानों ने भाग लिया था। प्रतियोगिता में 90 से 120 किलो के वजन में डुमरांव नगर के छठिया पोखरा निवासी संतोष कुमार के पुत्र रंजीत कुमार ने दो मैच खेला जिसमें पहला मैच हरियाणा एवं दूसरा मध्य प्रदेश से खेल कर सिल्वर मेडल पर कब्जा जमाया। वहीं पुराना भोजपुर के अरबिंद कुमार यादव पिता उमेश यादव ने चार मैच खेलकर ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया है। वहीं दोनों विजेता पहलवानों ने कहा कि अगला मैच नवंबर माह में श्रीलंका में आयोजित होने वाला है। डुमरांव के लोगो ने दोनों पहलवानों की हौसला बढ़ाते हुए उन्हें बधाई के साथ देश के खेलने के लिये आशीर्वाद दिया।

चुनावी तैयारी की बड़ी समीक्षा बैठक, डीएम ने दिए कड़े निर्देश, बर्दाश्त नहीं होगा कोई चूक

हर अधिकारी अपने दायित्व को पूरी तत्परता और समयबद्धता से निभाए : डीएम

- डीएम ने की सभी कोषांगों के नोडल पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक

केटी न्यूज/बक्सर

बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 को लेकर बक्सर जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद हो गया है। मंगलवार को समाहरणालय सभाकक्ष में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह डीएम डॉ. विद्यानंद सिंह ने सभी कोषांगों के वरीय एवं नोडल पदाधिकारियों के साथ लंबी समीक्षा बैठक की। बैठक में डीएम ने साफ कहा कि निर्वाचन कार्य देश का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक पर्व है। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। हर अधिकारी अपने दायित्व को पूरी तत्परता और समयबद्धता से निभाए।

बैठक में कार्मिक, वाहन, प्रशिक्षण, सामग्री, विधि-व्यवस्था, आदर्श आचार संहिता, सी-विजिल, संचार योजना, मतपत्र- सह-वज्रगृह, व्यय अनुश्रवण, मीडिया एवं एमसीएमसी, प्रेक्षक, पोस्टल बैलेट, ईवीएम, मतगणना, माइक्रो आब्जर्वर, अर्द्धसैनिक बल, डिजिटल कैमरा एवं वेबकास्टिंग, जनशिकायत निवारण समेत सभी कोषांगों पर अलग-अलग चर्चा हुई। डीएम ने सभी नोडल पदाधिकारियों को टाइमलाइन के भीतर शत-प्रतिशत काम पूरा करने का निर्देश दिया।

कार्मिक और प्रशिक्षण व्यवस्था पर जोर

डीएम ने कार्मिक कोषांग को निर्देश दिया कि पेय-लेबल के अनुसार मजिस्ट्रेट, प्रिजाइडिंग और मतदान कर्मियों का वर्गीकरण तुरंत पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि निर्वाचन कर्मियों को समय पर प्रशिक्षण मिलना चाहिए और प्रशिक्षण स्थल पर हर तरह की सुविधा उपलब्ध कराई जाए।

वहीं, वाहन कोषांग को निर्देश देते हुए डीएम ने कहा कि चुनावी ड्यूटी में लगे सभी वाहनों में तिरपाल की अनिवार्य व्यवस्था होनी चाहिए, ताकि बारिश में ईवीएम व संवेदनशील सामग्री सुरक्षित रह सके। साथ ही एसओपी गाइडलाइन के तहत ईवीएम ट्रांसपोर्टेशन के दौरान सुरक्षा के सभी प्रावधानों का पालन सुनिश्चित करने का आदेश दिया।

महिलाओं के नाम जुड़ेंगे वोटर लिस्ट में

निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों को डीएम ने साफ निर्देश दिया कि किसी भी योग्य मतदाता का नाम वोटर लिस्ट से नहीं छूटना चाहिए। विशेष रूप से जेंडर रेशियो सुधारने पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि प्रत्येक मतदान केंद्र पर 50 से 100 महिलाओं का नाम नये सिरे से जोड़ा जाए। जबकि कार्यपालक अभियंता भवन प्रमंडल को निर्देश दिया गया कि वज्रगृह की तैयारी समय से पूरी करें। वहीं डिजिटल कैमरा एवं वेबकास्टिंग कोषांग को तकनीकी व्यवस्था चुस्त-दुरुस्त रखने का आदेश दिया गया।

आचार संहिता और शिकायत निवारण पर रहा फोकस

आदर्श आचार संहिता एवं सी-विजिल से जुड़े अधिकारियों को चेतावनी देते हुए डीएम ने कहा कि शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई होनी चाहिए। चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि वे प्रखंड स्तर पर कोषांगों का गठन सुनिश्चित करें, ताकि ब्लॉक स्तर तक काम सुचारू और पारदर्शी ढंग से चल सके।

लोकतंत्र के पर्व की तैयारी

बैठक के अंत में डीएम ने कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव लोकतंत्र का सबसे बड़ा उत्सव है। इसे निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और पारदर्शी तरीके से सम्पन्न कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी अधिकारी अपनी जिम्मेदारी को समझें और पूरी निष्ठा से काम करें।

इस समीक्षा बैठक में सभी कोषांगों के नोडल पदाधिकारी मौजूद थे।

विधानसभा चुनाव को लेकर सक्रिय हुआ प्रशासन डीएम ने ग्रामीण कार्य विभाग को दिए सख्त निर्देश

आसन्न बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 को लेकर जिला प्रशासन अब पूरी तरह सक्रिय हो गया है। मंगलवार को समाहरणालय परिसर स्थित कार्यालय कक्ष में जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह की अध्यक्षता में ग्रामीण कार्य विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभागीय कार्यों की प्रगति और जनसमस्याओं के समाधान पर विशेष जोर दिया गया। जिलाधिकारी ने कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग कार्य प्रमंडल बक्सर एवं डुमरांव को स्पष्ट निर्देश दिया कि निर्धारित समय सीमा के भीतर सभी लंबित कार्यों का अनुपालन हर हाल में सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी नकारात्मक खबर अथवा जनसमस्या से संबंधित विषयों पर तीन दिनों के अंदर विस्तृत प्रतिवेदन उपलब्ध कराया जाए। इस प्रतिवेदन को विकास शाखा के माध्यम से समेकित कर उप विकास आयुक्त के पास प्रस्तुत करने का आदेश दिया गया। बैठक में जिलाधिकारी ने विशेष रूप से आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर भी बल दिया। उन्होंने कहा कि सभी मतदान केंद्रों तक पहुंच मार्ग और वहां की मूलभूत सुविधाओं का स्वयं भौतिक सत्यापन किया जाए। एक सप्ताह के भीतर इसकी रिपोर्ट निर्वाचन शाखा को उपलब्ध कराई जाए ताकि चुनाव के दौरान मतदाताओं को किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े।

राजपुर का रहने वाला था चौसा में टेज्न हादसे का शिकार युवक, परिजनों में छाया मातम

चौसा। चौसा में टेज्न से गिर जान गंवाने वाले युवक की शिनाख्त हो गई है। मृतक की पहचान राजपुर थाना क्षेत्र के पुरैनी कला गांव निवासी अजय सिंह (42 वर्ष) के रूप में हुई है। वह, पटना में ओला कैब चलाकर परिवार का भरण-पोषण करता था, जबकि परिवार के अन्य सदस्य दिल्ली में रहते है। इस घटना ने न केवल उनके परिवार को, बल्कि पूरे गांव को गहरे शोक में डाल दिया है। ग्रामीण सूत्रों ने बताया कि उनका परिवार दिल्ली में बसा है, लेकिन वे अपनी मेहनत से घर का खर्चा उठाने के लिए अकेले पटना में रहकर संघर्ष कर रहे थे। पुलिस के अनुसार सोमवार की शाम वे ट्रेन से पटना जा रहे थे। इसी दौरान सफर के बीच किसी कारणवश असंतुलित होकर रेलगाड़ी से नीचे गिर पड़े और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। स्थानीय ग्रामीणों ने शव को ट्रैक किनारे पड़ा देखा तो तुरंत मुफस्सिल थाना पुलिस को सूचना दी। पुलिस टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेजा। प्रभारी थानाध्यक्ष चंदन कुमार ने बताया कि मृतक की पहचान उनके पॉकेट से मिले वोटर कार्ड के आधार पर की गई। सूचना मिलते ही परिजनों को बुलाया गया और मंगलवार को पोस्टमार्टम के बाद शव उनके हवाले कर दिया गया। अचानक हुए इस दर्दनाक मौत से पुरैनी कला गांव में मातमी सन्नाटा छा गया है। जहां एक ओर गांव के लोग गहरी संवेदना जता रहे हैं, वहीं परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने कहा है कि हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

नगर का कूड़ा डंपिंग के लिये खरीदी जाएगी जमीन, विभाग ने दी स्वीकृति

डुमरांव। नगर परिषद क्षेत्र को कूड़ा डंपिंग को लेकर वर्षो से फजीहत झेलनी पड़ रही है। सफाई एजेंसी के द्वारा सफाई करने के बाद कूड़ा को डंप कहां किया जाए इसको लेकर प्रत्येक माह शिकायते दर्ज होती है। डंपिंग यार्ड को लेकर नप एवं जिला प्रसाशन के द्वारा कई प्रयास किया गये, लेकिन सफलता नहीं मिली। इतना ही नहीं टुड़ीगंज के पास सोवां-रेहियां में जमीन भी खरीदी गई थी, लेकिन कूड़ा डंप होते ही विवाद शुरू हो गया। उसी तरह से पुराना भोजपुर सिमरी रोड में भी जमीन लिया गया, लेकिन वहां भी विवाद होने लगा। अंतः नगर विकास एवं आवास विभाग के द्वारा नप डुमरांव को एनजीटी के नियमानुसार शहर से 5 किलोमीटर की दूरी पर 5 एकड़ जमीन की खरीदारी करने के लिए एनआईटी जारी किया गया। लेकिन जारी एनआईटी में कोई भाग नहीं लिया। कारण राशि कम मिल रहा था। फिर उसके बाद नगर विकास विभाग ने पुनः एक पत्र जारी किया है जिसमें निकाय को स्पष्ट निर्देश दिया कि कूड़ा को डंप करने के लिए नगर परिषद अपने क्षेत्र से 5 से 7 किलोमीटर के दूरी पर लीज पर जमीन ले सकता है। इस प्रकिया में जिला प्रसाशन के साथ नप प्रसाशन की टीम भी शामिल रहेगी। लीज की प्रकिया एनजीटी के गाइडलाइन के तहत होगा। ईओ राहुलधर दुबे ने कहा कि इस प्रकिया को लेकर विभाग ने एक माह का समय दिया है।

चौसा में एचपीवी टीकाकरण अभियान से बढ़ी जागरूकता

केटी न्यूज/चौसा

सर्वाइकल कैंसर से बचाव के उद्देश्य से मुख्यमंत्री बालिका कैंसर प्रतिरक्षण योजना के तहत चौसा कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में सोमवार को स्वास्थ्य विभाग की ओर से विशेष टीकाकरण अभियान चलाया गया। इस दौरान विद्यालय की 25 छात्राओं को एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) का टीका लगाया गया। यह टीका भविष्य में कैंसर जैसी घातक बीमारी से सुरक्षा प्रदान करता है। कार्यक्रम की व्यवस्था विद्यालय की प्रधानाध्यापक लक्ष्मी उपाध्याय की देखरेख में हुई, जबकि चौसा सीएचसी की मेडिकल टीम ने सुरक्षित और सुव्यवस्थित तरीके से टीकाकरण संपन्न कराया। वार्डन लक्ष्मी कुमारी समेत सभी शिक्षिकाओं ने सक्रिय सहयोग देते हुए न केवल छात्राओं को टीका दिलाया, बल्कि उन्हें इसके महत्व के बारे में भी जानकारी दी। स्वास्थ्यकर्मियों ने मौके पर छात्राओं और शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि एचपीवी वैक्सीन किशोरियों के लिए अत्यंत लाभकारी है। यह भविष्य में कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बचाव का प्रभावी उपाय है। उन्होंने अभिभावकों और समाज से अपील की कि वे बच्चियों के स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहें और समय-समय पर होने वाले इस तरह के कार्यक्रमों में सहयोग दें। प्रधानाध्यापक लक्ष्मी उपाध्याय ने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ छात्राओं का स्वास्थ्य भी उतना ही आवश्यक है। विद्यालय में समय-समय पर स्वास्थ्य जांच एवं टीकाकरण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं ताकि बच्चियां शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत बनें। उन्होंने इस पहल को राज्य सरकार की सराहनीय योजना बताया और कहा कि इससे बालिकाओं में सुरक्षा और आत्मविश्वास दोनों बढ़ता है। वहीं चौसा सीएचसी की टीम ने विद्यालय प्रशासन की सक्रिय भूमिका की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास समाज में जागरूकता का वातावरण तैयार करते हैं। इस अभियान से बालिकाओं में स्वास्थ्य को लेकर सजगता बढ़ेगी और गंभीर बीमारियों पर नियंत्रण पाने की दिशा में यह एक ठोस कदम साबित होगा। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर में उत्साह और संतोष का माहौल रहा। शिक्षकों ने इसे बच्चियों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक सार्थक पहल बताया।

खेवली पंचायत में स्वच्छता शपथ के साथ हुआ जागरूकता कार्यक्रम

चौगाई। स्वच्छोत्सव 2025 के तहत प्रखंड चौगाई के खेवली पंचायत में मंगलवार को स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जीविका दीदियों समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाओं की सक्रिय भागीदारी रही।कार्यक्रम की शुरूआत स्वच्छता शपथ ग्रहण से हुई, जिसमें सभी ने अपने घर, आंगन और आस-पड़ोस को स्वच्छ रखने का संकल्प लिया। इसके बाद स्वच्छता विषय पर चर्चा आयोजित की गई। वक्ताओं ने दैनिक जीवन में स्वच्छता बनाए रखने के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्वच्छता केवल स्वास्थ्य का आधार ही नहीं, बल्कि सामाजिक सम्मान और बेहतर जीवन शैली का भी प्रतीक है। इस दौरान जीविका दीदियों ने ग्रामीणों को गीले और सूखे कचरे के पृथक्करण, शौचालय के नियमित उपयोग तथा सामुदायिक स्थानों की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने की अपील की। उन्होंने बताया कि स्वच्छता अपनाने से न केवल बीमारियों से बचाव संभव है, बल्कि पूरे समाज में सकारात्मक वातावरण का निर्माण भी होता है। आयोजन का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण समाज को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना और उन्हें स्वच्छ एवं स्वस्थ जीवन जीने की प्रेरणा देना था। कार्यक्रम के सफल संचालन में जीविका समूहों की भूमिका सराहनीय रही।

डुमरांव के चहुमुंखी विकास के लिये कृत संकल्पित हूं : अजीत कुशवाहा

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव के विभिन्न विकास कार्यों से संबंधित प्रेस वार्ता डुमरांव विधायक डॉ. अजीत कुमार सिंह ने की। वार्ता में उन्होंने कहा कि डुमरांव की जनता को यह बताते हुए मुझे गर्व की अनुभूति हो रही है कि ऐतिहासिक शहर डुमरांव को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए कई कार्यों की शुरूआत हमारे कार्यकाल में हो चुकी है। लंबे संघर्ष और प्रयासों के बाद, डुमरांव की मुख्य सड़क सहित नगर की अन्य महत्वपूर्ण सड़कों के निर्माण कार्यों को स्वीकृति दिलाई गई है तथा ये कार्य अब तेजी से धरातल पर उतर रहे हैं। जिसमें थाना से शक्ति द्वार, सफाखाना रोड़, जंगली शिवजी रोड़, पश्चिमी गुमटी पर रेल ओवर ब्रिज आदि कार्य शामिल हैं। इन सड़कों का पुनर्निर्माण डुमरांव की सुंदरता, सुगम यातायात और व्यापारिक-आर्थिक गतिविधियों को नई गति देगा। दशहरा से पहले ही छोटी गाड़ियों के लिए शहर की मुख्य सड़क को खोल दिया जाएगा। उन्होंने कहा की आज डुमरांव बिहार ही नहीं, देश स्तर पर अपनी ख्याति अर्जित कर रहा है। शिक्षा, संस्कृति और जन-आंदोलनों से यह नगर हमेशा अग्रणी रहा है, और अब विकास कार्यों की गूंज से यहां एक नया इतिहास रचा जा रहा है। यह भी उल्लेखनीय है कि लगातार सरकार के नकारात्मक रवैये और बाधाओं के बावजूद, जनता के सहयोग व समर्थन से मैं, आपके प्रतिनिधि के रूप में, इन परियोजनाओं को न केवल स्वीकृति दिलाने में सफल रहा बल्कि उन्हें अमल में लाने का मार्ग भी प्रशस्त किया। यह डुमरांव की जनता की जीत है, उनकी आकांक्षाओं की जीत है। सरकार की असंदेनशील रवैये के कारण ही जमीन अधिग्रहण नहीं होने से बाईपास का निर्माण कार्य रुका हुआ है। जनता के बीच भाकपा (माले) की बढ़ती लोकप्रियता और विकास की इस नई उम्मीद से बिहार की सत्ताधारी भाजपा-जदयू गठबंधन की सरकार बौखला गई है। इसी बौखलाहट में, ओछी राजनीति करते हुए पुतला दहन किया जाना, न केवल जनता के जनादेश का अपमान है बल्कि विकास कार्यों को रोकने की एक नाकाम कोशिश भी है। उन्होंने कहा कि मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि ऐसे कृत्य हमारे मार्ग को रोक नहीं सकते।

बिहार बोर्ड मैट्रिक-इंटर परीक्षा फॉर्म भरने की तिथि घोषित, 3 अक्टूबर तक जमा होगा शुल्क

केटी न्यूज/पटना

बिहार विद्यालय परीक्षा समिति (BSEB) ने वर्ष 2026 में होने वाली मैट्रिक और इंटर की वार्षिक परीक्षा में शामिल होने वाले छात्र-छात्राओं के लिए परीक्षा फॉर्म भरने की तिथि की घोषणा कर दी है। बोर्ड द्वारा जारी सूचना के अनुसार, परीक्षा फॉर्म भरने की प्रक्रिया 19 सितंबर 2025 से शुरू हो गई है। छात्र-छात्राएं 5 अक्टूबर 2025 तक ऑनलाइन परीक्षा फॉर्म भर सकते हैं। हालांकि, इसके लिए परीक्षा शुल्क 3 अक्टूबर 2025 तक जमा करना अनिवार्य है। बोर्ड ने यह भी स्पष्ट किया है कि जिन विद्यार्थियों की ओर से परीक्षा शुल्क निर्धारित तिथि से दो दिन पहले तक जमा हो जाएगा, वे विद्यार्थी अंतिम तिथि तक परीक्षा फॉर्म भरने के पात्र होंगे। समिति ने बताया कि इस बार परीक्षा के लिए दो प्रकार का आवेदन प्रपत्र वेबसाइट पर उपलब्ध कराया गया है। यह व्यवस्था वर्ष 2025-26 में रजिस्टर्ड नियमित और स्वतंत्र कोटि के विद्यार्थियों के लिए लागू होगी। आवेदन पत्र को ए और बी खंड में बांटा गया है। ए खंड में विद्यार्थी का नाम, पिता का नाम तथा अन्य विवरण पहले से ही अंकित रहेगा। इस पर किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ या बदलाव की अनुमति नहीं होगी। बी खंड में विद्यार्थी 16 से 35 तक के कॉलम अपने हस्तलेखन (हैंडराइटिंग) में भरेंगे। बोर्ड ने यह निर्देश भी दिया है कि प्रत्येक संस्था के प्रधान परीक्षा आवेदन प्रपत्र और रजिस्ट्रेशन कार्ड को डाउनलोड कर अपने-अपने विद्यालय/महाविद्यालय के विद्यार्थियों को उपलब्ध कराएँ। समिति ने स्पष्ट किया कि विद्यार्थियों को आवेदन पत्र भरते समय अपने रजिस्ट्रेशन कार्ड में अंकित विवरण के अनुसार ही सभी जानकारी देनी होगी। किसी भी प्रकार का संशोधन स्वीकार नहीं किया जाएगा। इस प्रक्रिया में नियमित, स्वतंत्र, पूर्ववर्ती, समुन्नत और कंपार्टमेंटल श्रेणी के विद्यार्थी आवेदन पत्र भर सकेंगे। दस्तावेजों की आवश्यकता परीक्षा फॉर्म भरने के लिए विद्यार्थियों को कुछ आवश्यक दस्तावेज संलग्न करने होंगे। इनमें– बोर्ड द्वारा जारी रजिस्ट्रेशन कार्ड,आधार नंबर, ईमेल आईडी, बैंक अकाउंट पासबुक की छायाप्रति, एक पासपोर्ट साइज कलर फोटो शामिल है। इसके अलावा विद्यार्थी को अपना शारीरिक पहचान चिन्ह भी भरना होगा और यह बताना होगा कि वे फाइनल परीक्षा में किस भाषा माध्यम (हिंदी या अंग्रेजी) से उत्तर देना चाहते हैं। इस बीच जिले के विभिन्न उच्च विद्यालयों और इंटर स्तरीय संस्थानों में विद्यार्थियों की भीड़ देखने को मिल रही है। नौवीं और 11वीं कक्षा के छात्रों का रजिस्ट्रेशन कार्य पहले से चल रहा है। इसके साथ ही मैट्रिक और इंटर परीक्षा फॉर्म भरने की प्रक्रिया शुरू होने से विद्यालयों और महाविद्यालयों में छात्रों का रेला लग गया है। आधिकारिक जानकारी के मुताबिक, जिले में कुल 239 हाई स्कूल हैं, जहां मैट्रिक और इंटर की पढ़ाई होती है। इसके अलावा प्रखंड स्तर पर 20 वित्त रहित इंटर कॉलेज भी संचालित हैं। औरंगाबाद जिले के शिक्षा विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, वर्तमान में जिले में 38,715 विद्यार्थी मैट्रिक में नामांकित हैं। वहीं, इंटर स्तरीय संस्थानों के विभिन्न संकायों में 32,552 नियमित छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं। इसके अतिरिक्त कंपार्टमेंटल, पूर्ववर्ती, स्वतंत्र और समुन्नत श्रेणी के विद्यार्थी भी इस परीक्षा प्रक्रिया में सम्मिलित होंगे। बोर्ड ने इस बार स्पष्ट कर दिया है कि आवेदन पत्र में दी गई विवरणियों में किसी भी प्रकार का संशोधन स्वीकार नहीं होगा।

ट्रक से 235 किलो बरामद, तस्कर भी गिरफ्तार

गोपालगंज में पुलिस ने पकड़ा 70 लाख का गांजा

केटी न्यूज/पटना

बिहार में जब से शराबबंदी हुई है, तब से लोग सुखा नशा करने लगे हैं। यह हम नहीं कह रहे हैं, बल्कि लोगों का कहना है कि जब से बिहार में देसी और विदेशी सभी तरह की शराब बंद हुई है तब से लोग गांजा, स्मैक, व्हाइटनर, सुलेशन, हिरोइन, अफीम, नशीला इंजेक्शन, कफ सिरप जैसे नशा को विकल्प के रूप में इस्तेमाल करने लगे हैं। ऐसा कोई इलाका नहीं होगा जहां इन नशीले पदार्थों का लोग सेवन नहीं करते होंगे। नशीले पदार्थों को इन तक पहुंचाने का काम तस्कर करते हैं। तस्कर आए दिन पकड़े जाते हैं लेकिन ये अपनी आदतों से बाज नहीं आते। इस बार गोपालगंज में बड़ी कार्रवाई करते हुए पुलिस ने एक गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया है। जिसके पास से 235 किलों गांजा बरामद किया गया है। जिसकी कीमत करीब 70 लाख रुपए आंकी जा रही है। गांजे की बड़ी खेप एक ट्रक से बरामद किया गया है। जिस उक्त ट्रक से गांजा की तस्करी की जा रही थी, उसे भी जब्त किया गया है। पुलिस की मानें तो यह गांजा पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी से लाया जा रहा था और इसे उत्तर प्रदेश के आगरा जिले तक पहुंचाने की तैयारी थी। तस्करों ने गांजे की खेप को प्लास्टिक कैरेट के बीच बड़ी ही चालाकी से छुपा रखा था, ताकि चेकिंग के दौरान किसी को शक न हो। लेकिन गुप्त सूचना के आधार पर कुचायकोट थानाध्यक्ष दर्पण सुमन के नेतृत्व में पुलिस टीम ने बलथरी चेकपोस्ट, राष्ट्रीय राजमार्ग 27 पर बड़ी कार्रवाई की। जांच के दौरान जब पुलिस ने ट्रक को रोका और सर्चिंग की, तब भारी मात्रा में गांजा बरामद किया गया। इस कार्रवाई की जानकारी देते हुए गोपालगंज के एसपी अवधेश ने कहा कि विधानसभा चुनाव को देखते हुए जिले के सभी चेकपोस्ट पर विशेष जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसी जांच अभियान के दौरान इस तस्करी का खुलासा हुआ। एसपी अवधेश ने आगे बताया कि पुलिस ने इस पूरे नेटवर्क का पता लगा लिया है और जल्द ही इसमें शामिल बाकी तस्करों की भी गिरफ्तारी की जाएगी। इस बड़ी कामयाबी से गोपालगंज पुलिस ने नशा कारोबारियों को एक कड़ा संदेश दिया है।

गुप्त सूचना के आधार पर हुई कार्रवाई

चेकिंग के दौरान किसी को शक न हो। लेकिन गुप्त सूचना के आधार पर कुचायकोट थानाध्यक्ष दर्पण सुमन के नेतृत्व में पुलिस टीम ने बलथरी चेकपोस्ट, राष्ट्रीय राजमार्ग 27 पर बड़ी कार्रवाई की। जांच के दौरान जब पुलिस ने ट्रक को रोका और सर्चिंग की, तब भारी मात्रा में गांजा बरामद किया गया। इस कार्रवाई की जानकारी देते हुए गोपालगंज के एसपी अवधेश ने कहा कि विधानसभा चुनाव को देखते हुए जिले के सभी चेकपोस्ट पर विशेष जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसी जांच अभियान के दौरान इस तस्करी का खुलासा हुआ। एसपी अवधेश ने आगे बताया कि पुलिस ने इस पूरे नेटवर्क का पता लगा लिया है और जल्द ही इसमें शामिल बाकी तस्करों की भी गिरफ्तारी की जाएगी।

पत्रकार को नोटिस भेजने पर जर्नलिस्ट एसोसिएशन नाराज, डीआईजी बोले होगा इंसाफ

केटी न्यूज/ रोहतास

इंद्रपुरी थाना क्षेत्र के सिकरिया स्थित एक मिशनरी स्कूल के खिलाफ छपी खबरों के बाद एक चैनल के पत्रकार को थाना द्वारा नोटिस भेजा गया। इस कदम से पत्रकारों में गहरा आक्रोश है। सोमवार को रोहतास जर्नलिस्ट एसोसिएशन की टीम डीआईजी सत्य प्रकाश से मिलकर इस मामले में ज्ञापन सौंपा और नोटिस को दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया। शनिवार को रोहतास जर्नलिस्ट एसोसिएशन की बैठक में इस मामले पर गहन चर्चा हुई। बैठक में पत्रकारों ने कहा कि जब स्कूल के खिलाफ तथ्यपूर्ण और सच्ची खबर प्रकाशित की गई तो पुलिस प्रशासन और प्रबंधन की ओर से दबाव बनाने के लिए नोटिस भेजा जाना पत्रकारिता की स्वतंत्रता पर हमला है। एसोसिएशन के अध्यक्ष ने इसे बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि इस तरह की कार्रवाई से यह संदेश जाता है कि सच्चाई लिखने वालों को परेशान किया जा रहा है।

इधर सोमवार को एसोसिएशन की टीम शाहाबाद परिक्षेत्र के डीआईजी सत्य प्रकाश से मिली। टीम ने उन्हें ज्ञापन सौंपकर निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की। मुलाकात के दौरान डीआईजी सत्य प्रकाश ने आश्वासन दिया कि इस नोटिस को लेकर पत्रकारों को चिंतित होने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि "इस नोटिस में कुछ नहीं है, यह स्वतः ही न्यायसंगत तरीके से हटा लिया जाएगा। साथ ही उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि पत्रकार रवि कुमार को औपचारिक रूप से थाना को लिखकर जवाब देना चाहिए। उधर, मिशनरी स्कूल प्रबंधन ने प्रकाशित खबरों को निराधार बताते हुए खारिज कर दिया है। लेकिन पत्रकारों का कहना है कि वे तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर खबरें प्रकाशित कर रहे हैं।

गुप्त साधना के नाम पर पुजारी ने डेढ़ साल तक किया दुष्कर्म, आरोपी गोविंद झा को पुलिस ने दबोचा

सहरसा । सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत एक लड़की के साथ गुप्त साधना करने के नाम पर डेढ़ साल तक दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए महिला थानाध्यक्ष सुजाता रानी द्वारा नामजद अभियुक्त महिषी निवासी गोविंद झा को त्वरित कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार कर लिया गया है। घटना के सबंध में बताया जाता है कि सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत 24 वर्षीय लड़की की शादी कराने के नाम पर अभियुक्त गोविंद झा द्वारा करीब डेढ़ साल से लड़की के घर में हीं गुप्त रूप से एक विशेष अनुष्ठान करवाया जा रहा था। अभियुक्त लड़की के घर में हीं पूजा पाठ कराता था। जबकि लड़की के पिता बाहर रहते थे, घर में मां और बहन रहती थी। अभियुक्त के द्वारा लड़की के परिजनों को यह समझाया गया कि इस विशेष पूजा में केवल लड़की और वह ही रहेगा। अच्छे घर में बेटी की शादी हो जाएगी इसके कारण परिजन अभियुक्त के झांसे में फंस गए।

वार्षिक आमसभा के मंगलम जीविका विकास स्वालंबी सहकारी समिति संपन्न

केटी न्यूज/ रोहतास

सोमवार को वार्षिक आमसभा का आयोजन मंगलम जीविका महिला विकास स्वालंबी सहकारी समिति लिमिटेड घुसिया खुर्द बिक्रमगंज रोहतास के द्वारा घुसिया खुर्द के राज पैलेस में किया गया। जिसका उद्घाटन बीपीएम विजय कुमार चौधरी एवं जीविका दीदी के अधिकारियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम का संचालन एरिया कोऑर्डिनेटर प्रतीक राज रतनाम ने किया। आए हुए सभी अतिथियों का सम्मान फलदार वृक्ष का पौधा देकर किया गया। तत्पश्चात अतिथियों के सम्मान में प्रार्थना गीत एवं स्वागत गीत जीविका दीदीयो द्वारा प्रस्तुत किया गया। कम्युनिटी कोऑर्डिनेटर अमित कुमार ने वार्षिक आम सभा की स्वरूप एवं उद्देश्य पर प्रकाश डाला। वार्षिक आमसभा में मुख्यमंत्री महिला स्वरोजगार योजना पर विस्तृत चर्चा हुई तथा जिन-जिन दीदीयों ने रोजगार करने का आवेदन दिया है अपना हाथ उठाकर स्वीकृति प्रदान की। साथ ही साथ छूटे हुए महिला को भी इस योजना का लाभ देना है।आप अपना आवेदन दे करके इसका लाभ ले सकती है। बड़े सौभाग्य का विषय रहा मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री का कार्यक्रम में जीविका दीदीयो का सहभागिता रहा। इसके लिए बीपीएम विजय कुमार चौधरी ने जीविका दीदीयो के प्रति आभार व्यक्त किया। वार्षिक आम सभा में जीविका दीदीयो के साथ-साथ गरिमा मई उपस्थिति रही उनमें कम्युनिटी कोऑर्डिनेटर धीरेंद्र कुमार, पिंकी कुमारी ,जितेंद्र कुमार, धर्मशिला देवी ,कमला देवी ,अभिषेक कुमार ,कृष्ण कुमार ,आलोक कुमार , नवीन चंद्र शाह 20 सूत्री सदस्य बिहार सरकार रोहतास इत्यादि। विशेष प्रशंसनीय कार्य करने वाले दीदीयो को उपहार देकर सम्मानित किया गया।

एक नजर

भक्तिमय में ब्रह्मचारिणी मां की भक्तों के आराधना से गूंजा देवालय

बिक्रमगंज। अनुमंडल क्षेत्र के सभी कस्बों के शहरी एवं ग्रामीण इलाकों में मंगलवार को नवरात्र के दूसरे दिन देवी दुर्गा के द्वितीय स्वरूप मां ब्रह्मचारिणी की भक्ति व श्रद्धा के साथ आराधना की गई । सुबह से ही विभिन्न पूजा पंडालों,देवालयों एवं श्रद्धालुओं के घरों में मां के प्रति आस्था का माहौल बना रहा । भक्तों ने व्रत,पूजन एवं विशेष अनुष्ठान कर मां ब्रह्मचारिणी से अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति एवं सुख-समृद्धि का आशीर्वाद मांगा। नगर के प्रमुख पंडालों में भजन,कीर्तन एवं देवी स्तुति का आयोजन हुआ। जगह-जगह श्रद्धालुओं ने सुंदरकांड एवं दुर्गा सप्तशती के पाठ भी किए। नवरात्र का दूसरा दिन होने के कारण श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह और ऊर्जा देखने को मिली। नगर परिषद बिक्रमगंज के वार्ड 21 धारुपुर निवासी पंडित हरिशरण दुबे ने बताया कि मां ब्रह्मचारिणी तप,संयम और ज्ञान की देवी हैं ।इनके पूजन से साधक के जीवन में आत्मविश्वास,धैर्य और विवेक की वृद्धि होती है ।यह स्वरूप साधना और संयम का संदेश देता है,जो हर व्यक्ति के जीवन में आवश्यक है । वहीं पंडित लालबाबू दुबे ने कहा कि मां ब्रह्मचारिणी की पूजा करने से परिवार में सुख-शांति और वैराग्य की भावना का संचार होता है । नवरात्र के दूसरे दिन मां के इस स्वरूप की आराधना करने से जीवन में आने वाली कठिनाइयां स्वतः दूर होती हैं ।भक्त यदि श्रद्धा व भक्ति से मां की आराधना करें तो उन्हें अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है ।पूरे अनुमंडल क्षेत्र में भक्तों का उत्साह देखने लायक था । पंडालों,देवालयों एवं घरों में मां की प्रतिमाओं के समक्ष श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती रही। महिलाओं और कन्याओं ने पारंपरिक वेशभूषा में व्रत-पूजन कर मां को पुष्प,धूप,दीप और नैवेद्य अर्पित किया। श्रद्धा,भक्ति और उल्लास का यह अद्भुत संगम नवरात्र के दूसरे दिन को खास बना गया।

रोहतास : सूर्यपुरा के दो लोगों को आरपीएफ ने 41.22 लाख रुपए के साथ पकड़ा

बिक्रमगंज । रेलवे द्वारा चलाए जा रहे ऑरेशन सर्तक और मंडल सुरक्षा आयुक्त के निर्देश पर चलाए गए चेकिंग अभियान में सोमवार को रात 8 बजे आरपीएफ ने दो लोगों को 41 लाख 22 हजार 400 रुपये के साथ पकड़ा। पकड़े गए लोगों की पहचान बिक्रमगंज अनुमंडल क्षेत्र के सूर्यपुरा निवासी हरेंद्र प्रसाद और संतोष खरवार के रूप में की गई है। आरपीएफ ने पूछताछ के बाद दोनों को आयकर विभाग को सौप दिया है। आयकर विभाग की टीम दोनों से इतनी भारी मात्रा में नगद के स्त्रोत के संबंध में पूछताछ कर रही है। आरपीएफ इंस्पेक्टर अजय प्रकाश ने बताया कि बिहार में होने वाले चुनाव के मद्देनजर धनवाद स्टेशन पर सघन जाँच पड़ताल चल रही थी।धनबाद स्टेशन के साउथ साइड लगेज स्कैनर के दौरान दो संदिग्ध व्यक्तियों के पिट्ठू बैग से 41,22,400 नकद बरामद हुआ। वही आरपीएफ और सीबीआई की टीम ने कार्रवाई कर दोनों को हिरासत में लिया और बरामद रुपयों को आयकर विभाग को सुपुर्द किया। दोनों हिरासत में लिए गए व्यक्तियों की पहचान हरेंद्र प्रसाद (50) और संतोष कुमार खरवार (45), निवासी- सूर्यपुरा, जिला रोहतास, बिहार के रूप में हुई है। दोनों ने रुपयों को अखबार व गमछे में छुपाकर स्कैनर से बचने की कोशिश की थी। फिलहाल रकम को सुरक्षित सीलबंद कर शस्त्रागार में रखा गया है और आगे की जांच आयकर विभाग कर रही है।

काराकाट थाना के नये थानाध्यक्ष राकेश गोसाई ने संभाला पदभार

काराकाट । मंगलवार को राकेश गोसाईं ने काराकाट थाना के नये थानाध्यक्ष के रूप में अपना योगदान दिया। राकेश गोसाई इससे पहले डेहरी मुफस्सिल थाने में थानाध्यक्ष पद पर रहे थे। जानकारी के अनुसार, राकेश गोसाई रोहतास जिले में सबसे पहले इंद्रपुरी थाना का नेतृत्व थानाध्यक्ष के रूप में कर चुके हैं। इसके बाद उन्होंने दूसरी बार शिवसागर में भी थानाध्यक्ष के रूप में कार्य किया। काराकाट से पहले, वे डेहरी मुफस्सिल थाने में एक जनवरी 2025 से अगस्त तक करीब आठ महीने तक थानाध्यक्ष रहे। मंगलवार को काराकाट थाने में अवर निरीक्षक राकेश गोसाई ने थानाध्यक्ष का पदभार संभाल लिया है। उन्होंने कहा कि थाना क्षेत्र में अपराध नियंत्रण और असामाजिक तत्वों पर नकेल कसना उनकी प्राथमिकता होगी। कानून व्यवस्था सुदृढ़ करने की दिशा में पहल शुरू कर दी गई है। उन्होंने यह भी कहा कि थाने में आने वाले हर नागरिक को सम्मानपूर्वक व्यवहार और बिना भेदभाव के न्याय दिलाना सुनिश्चित करेंगे। अवसर पर, क्षेत्र के सामाजिक कार्यकताओं और जनप्रतिनिधियों ने उन्हें बधाई दी। जबकिक प्रखंड क्षेत्र के नव पदस्थापित थानाध्यक्ष को नारायण पासवान, मुखिया संघ जिलाध्यक्ष योगेन्द्र सिंह,काराकाट पूर्व विधायक राजेश्वर राज,भाजपा नेता बलिराम मिश्रा, मानवता सेवा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरुण दूबे,उपाध्यक्ष गुड्डू उपाध्याय सचिव अखिलेश तिवारी, महासचिव दशरथ मिश्रा,सामाजिक कार्यकर्ता बिके सिंह उर्फ पिंटू सिंह तथा नगर उप मुख्य पार्षद रविश रंजन ने भी बधाई दी।

दूसरे दिन उमड़ा आस्था का सैलाब, माता ब्रह्मचारिणी के जयकारों से गूंजा मुजफ्फरपुर

मुजफ्फपुर। पुरनवरात्र पर्व का आज दूसरा दिन बड़ी धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाया जा रहा है। इस बार नवरात्र 10 दिनों तक चलेंगे। दूसरे दिन मां दुर्गा के ब्रह्मचारिणी स्वरूप की पूजा-अर्चना की जाती है। मान्यता है कि माता ब्रह्मचारिणी की उपासना से भक्तों के सभी दुख दूर हो जाते हैं और जीवन में सुख-समृद्धि आती है। सुबह से ही शहर के प्रमुख मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। हर ओर जय माता दी के जयकारों से वातावरण गूंज उठा। मंदिरों में विशेष सजावट और भक्ति-भाव का माहौल देखने को मिला। देवी पुराण के अनुसार, नवरात्र के दूसरे दिन माता ब्रह्मचारिणी के पूजन और दर्शन से साधक को तप, त्याग, संयम और सदाचार की प्राप्ति होती है।

बिहार में बारिश फिर बढ़ाएगी आफत! कई जिलों में भारी वर्षा की चेतावनी

केटी न्यूज/ पटना

पूर्वी मध्य बंगाल की खाड़ी में कम दबाव बनने से बिहार के मौसम में बदलाव के आसार हैं। मौसम विभाग ने जमुई बांका समेत छह जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। पटना सहित अन्य भागों में छिटपुट वर्षा की संभावना है और तापमान में वृद्धि हो सकती है। मधेपुरा में सबसे अधिक वर्षा दर्ज की गई।पूर्व मध्य एवं उत्तर मध्य बंगाल की खाड़ी में निम्न दबाव का क्षेत्र 25 सितंबर के आसपास बनने की संभावना है। इनके प्रभाव से प्रदेश के मौसम में बदलाव के आसार हैं। मौसम विज्ञान केंद्र पटना के अनुसार, छह जिलों जमुई, बांका, कटिहार, किशनगंज, पूर्णिया और भागलपुर जिले के एक या दो स्थानों पर भारी वर्षा को लेकर चेतावनी जारी की गई है। पटना सहित अन्य भागों में छिटपुट वर्षा की संभावना है। अलग-अलग भागों में 27 सितंबर तक वर्षा की संभावना है। मंगलवार को पटना सहित आसपास इलाकों में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। 24 घंटों के दौरान तापमान में एक से तीन डिग्री की वृद्धि के आसार हैं। बीते तीन दिनों के दौरान प्रदेश के अधिसंख्य भागों के कुछ स्थानों पर वर्षा में कमी आई है। मधेपुरा के सिंहेश्वर में 62.4 मिमी सर्वाधिक वर्षा दर्ज की गई, जबकि गया के मानपुर में पांच मिमी एवं कटिहार के बरारी में 1.2 मिमी वर्षा दर्ज की गई। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों के दौरान जमुई, बांका, समस्तीपुर, वैशाली, बेगूसराय, सहरसा, मधेपुरा, मुजफ्फरपुर, बांका, दरभंगा, मधुबनी आदि जगहों पर तेज हवा के साथ कुछ स्थानों पर छिटपुट वर्षा की संभावना जताई है।

24 से 29 सितंबर तक विद्युत विभाग का होगा सेवा पखवाड़ा का आयोजन

केटी न्यूज/ रोहतास

आम जन को जन कल्याणकारी सरकारी योजनाओं की जानकारी एवं सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा 2025 का आयोजन हो रहा है। उक्त के आलोक में विद्युत विभाग के कंपनी मुख्यालय द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि 25 सितम्बर 2025 को विद्युत आपूर्ति प्रमंडल सासाराम अन्तर्गत प्रत्येक प्रखण्ड में विद्युत उपभोक्ताओं के विभिन्न शिकायतों यथा स्मार्ट मीटर से संबंधित शिकायतें, विद्युत आपूर्ति, विपत्र सुधार, भुगतान, नये विद्युत कनेक्शन, कृषि विद्युत कनेक्शन, गलत रीडिंग, खराब मीटर इत्यादि का त्वरित निवारण हेतु कैम्प का आयोजन किया जायेगा। वर्तमान में सभी घरेलु उपभोक्ताओं को मुख्यमंत्री विद्युत उपभोक्ता सहायता योजना अन्तर्गत प्रतिमाह 125 यूनिट खपत तक पूर्ण अनुदान दिया जा रहा है परन्तु अभी भी उपभोक्ताओं में इस योजना की पूर्ण जानकारी का अभाव है। विद्युत कार्यपालक अभियंता सासाराम ब्रवीम ने बताया की सेवा पखवाड़ा अवधि 24 से 29 सितम्बर तक आयोजित की जाएगी जिसमे पुनः विद्युत उपभोक्ताओं को इस योजना की जानकारी एवं अन्य संशय को दूर करने हेतु सार्वजनिक स्थलों एवं भीड़-भाड़ वाले स्थानों में कैनपी लगाकर प्रचार-प्रसार भी किया जायेगा। साथ ही कैम्प में उपभोक्ताओं को साईबर ठगी से बचाव एवं प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना की जानकारी भी दिया जायेगा।

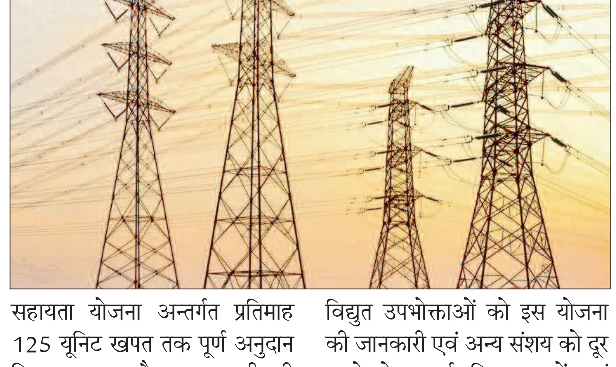

26 सितंबर बिहार के लिए होगा ऐतिहासिक दिन

75 लाख महिलाओं को दिए जाएंगे 10-10 हजार रुपये

एजेंसी। पटना

26 सितंबर (2025) बिहार के लिए ऐतिहासिक दिन होगा. मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत 75 लाख महिलाओं को पीएम मोदी ऑनलाइन जुड़कर पहली किस्त के रूप में 10-10 हजार रुपये उनके बैंक खातों में भेजेंगे. इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बतौर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे. महिला रोजगार योजना का मूल उद्देश्य महिलाओं को स्वरोजगार के अवसर देकर आत्मनिर्भर बनाना है. रोजगार शुरू करने के बाद महिलाओं को उनके व्यवसाय की प्रगति के आधार पर दो लाख रुपये तक की अतिरिक्त वित्तीय सहायता भी दी जाएगी. इस योजना से बिहार के करोड़ों परिवारों की महिलाओं को सीधे लाभ मिलेगा, जिससे राज्य की अर्थव्यवस्था में सकारात्मक बदलाव आएगा. हर महिला अपने सपनों को पूरा करने और समाज में सम्मानजनक स्थान हासिल करने की दिशा में आगे बढ़ सकेगी. स्वरोजगार और वित्तीय सहायता मिलने से महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ेगा. वे अपने परिवार की आर्थिक मजबूती का आधार बन सकेंगी।

कौन और कैसे ले सकता है योजना का लाभ?

- योजना का लाभ केवल बिहार की स्थायी महिला ही लाभ उठा सकती है.
- महिलाओं को जीविका स्वयं सहायता समूह से जुड़ा होना अनिवार्य है.
- जो महिलाएं अभी तक जीविका से नहीं जुड़ी हैं, उन्हें सदस्यता लेनी होगी.
- सदस्य बनने के लिए निर्धारित आवेदन पत्र भरना होगा.
- आधार कार्ड, बैंक खाता विवरण, निवास प्रमाण पत्र जैसे दस्तावेज देने होंगे.

ऑनलाइन-ऑफलाइन दोनों सुविधा उपलब्ध

ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं सीधे अपने ग्राम संगठन या जीविका समूह के माध्यम से आवेदन कर सकती हैं. वहां समूह की प्रतिनिधि उन्हें फॉर्म भरने और दस्तावेज जमा करने में सहयोग करेगी. शहरी क्षेत्र की महिलाएं जीविका की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकती हैं।

आवेदन के लिए जरूरी दस्तावेज

- आधार कार्ड (पहचान प्रमाण के रूप में)
- बैंक पासबुक (खाते का विवरण सुनिश्चित करने के लिए)
- पैन कार्ड (वित्तीय लेन-देन की पारदर्शिता हेतु)
- पासपोर्ट साइज फोटो

बिहार के जमुई में पुलिस गश्ती वाहन हादसे का शिकार, होमगार्ड की जान गई, चालक गंभीर

एजेंसी। जमुई

बिहार के जमुई जिले से एक दर्दनाक हादसे की खबर सामने आई है। चकाई-चंद्रमंडीह थाना क्षेत्र के माधोपुर बाजार के पास देर रात गश्ती के दौरान पुलिस वाहन को गिट्टी लदे एक ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में सोनो थाना क्षेत्र के केवाली गांव निवासी होमगार्ड जवान प्रवीण कुमार की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि वाहन चालक खगड़िया निवासी सचिन कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना के बाद इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पुलिस गश्ती वाहन सड़क किनारे खड़ा था और जवान प्रवीण कुमार तथा चालक सचिन कुमार वाहन पर बैठने ही वाले थे। तभी पीछे से तेज रफ्तार में आ रहा गिट्टी से भरा ट्रक अनियंत्रित होकर पुलिस वाहन से जा टकराया। टक्कर इतनी भीषण थी कि वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और प्रवीण कुमार की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं चालक सचिन कुमार को गंभीर हालत में देवघर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। इस हादसे के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। स्थानीय लोग और पुलिसकर्मी तुरंत घायल को अस्पताल ले गए। मृतक जवान प्रवीण कुमार के निधन की खबर मिलते ही उनके गांव और परिवार में कोहराम मच गया। बताया जाता है कि प्रवीण अपने पीछे पत्नी सीमा कुमारी और दो छोटे बेटे आयुष (10) और आर्यन (9) को छोड़ गए हैं।

वाल्मीकिनगर को मिली 1100 करोड़ की सौगात

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 159 योजनाओं का किया शिलान्यास

एजेंसी। पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को वाल्मिकीनगर में 159 योजनाओं का शिलान्यास किया. इस मौके पर उनके साथ साथ उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और मंत्री विजय कुमार चौधरी भी मौजूद रहे. सीएम ने सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के लाभुको से संवाद भी किया. वाल्मीकिनगर को 1100 करोड़ की सौगात देने पश्चिमी चंपारण आए नीतीश कुमार ने कहा कि इससे बगहा वाल्मिकीनगर और बेतिया का विकास होगा तभी तो तस्वीर बदलेगी. शिलान्यास के बाद मुख्यमंत्री इसके वाल्मीकि सभागार पहुंचे, जहां उन्होंने जीविका दीदियों के जरिए लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया. उन्होंने स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं की सराहना करते हुए कहा कि इनके प्रयास से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा मिल रही है. वाल्मिकीनगर विधायक धीरेंद्र प्रताप सिंह उर्फ रिंकू सिंह ने कहा कि आज मुख्यमंत्री ने 11सौ करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास कर विकास को नई दिशा मिली है. उन्होंने ये भी कहा कि योजनाओं के लागू होने से आने वाले समय में रोजगार, शिक्षा, आधारभूत संरचना और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा. धीरेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि इससे न सिर्फ वाल्मीकिनगर, बल्कि पूरे पश्चिम चंपारण जिले की तस्वीर बदलेगी. सीएम की इस सौगात से इलाके में विकास की रफ्तार तेज होगी. खासकर पर्यटन और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में नए अवसर पैदा होंगे, जिससे युवाओं को रोजगार मिलेगा और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी. बता दें कि इससे पहले जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जब वाल्मीकिनगर पहुंचे थे, उनका वहां भव्य स्वागत किया गया. इस मौके पर कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और मंत्री विजय कुमार चौधरी भी साथ-साथ रहे. शिलान्यास के बाद मुख्यमंत्री ने लाभुक महिलाओं से मुलाकात की और उनसे सरकार की योजनाओं का लाभ उठाने को लेकर बातचीत की।

सीएम ने जीविका दीदियों का हौसला बढ़ाया

शिलान्यास के बाद मुख्यमंत्री इसके वाल्मीकि सभागार पहुंचे, जहां उन्होंने जीविका दीदियों के जरिए लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया. उन्होंने स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं की सराहना करते हुए कहा कि इनके प्रयास से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा मिल रही है. वाल्मिकीनगर विधायक धीरेंद्र प्रताप सिंह उर्फ रिंकू सिंह ने कहा कि आज मुख्यमंत्री ने 11सौ करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास कर विकास को नई दिशा मिली है. उन्होंने ये भी कहा कि योजनाओं के लागू होने से आने वाले समय में रोजगार, शिक्षा, आधारभूत संरचना और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

विधायक धीरेंद्र प्रताप सिंह ने कहा

धीरेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि इससे न सिर्फ वाल्मीकिनगर, बल्कि पूरे पश्चिम चंपारण जिले की तस्वीर बदलेगी. सीएम की इस सौगात से इलाके में विकास की रफ्तार तेज होगी. खासकर पर्यटन और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में नए अवसर पैदा होंगे, जिससे युवाओं को रोजगार मिलेगा और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी. बता दें कि इससे पहले जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जब वाल्मीकिनगर पहुंचे थे, उनका वहां भव्य स्वागत किया गया. इस मौके पर कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और मंत्री विजय कुमार चौधरी भी साथ-साथ रहे. शिलान्यास के बाद मुख्यमंत्री ने लाभुक महिलाओं से मुलाकात की और उनसे सरकार की योजनाओं का लाभ उठाने को लेकर बातचीत की. उन्होंने कहा कि सरकार की हर पहल का मकसद गरीब, किसान और महिलाओं को सशक्त बनाना है।

महिला पुलिस बटालियन हुई फूड प्वाइजनिंग का शिकार, 70 से ज्यादा पुलिसकर्मी अस्पताल में भर्ती

एजेंसी। सासाराम

सासाराम स्थित महिला पुलिस बटालियन में मंगलवार को फूड प्वाइजनिंग का मामला सामने आया, जिससे बटालियन की करीब 70 से 80 ट्रेनी महिला पुलिसकर्मी एक साथ बीमार हो गईं। सभी को पेट दर्द और दस्त की शिकायत पर तुरंत सदर अस्पताल सासाराम में भर्ती कराया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए स्वास्थ्य और पुलिस विभाग के वरीय अधिकारी मौके पर पहुंचे और उपचार की स्थिति की निगरानी की। महिला पुलिस बटालियन के पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार सिंह ने बताया कि सभी ट्रेनी महिला पुलिसकर्मी दोपहर का खाना खाने के बाद अपने बैरक लौट गई थीं। कुछ समय बाद कई जवानों को अस्वस्थता महसूस होने लगी। तत्काल एंबुलेंस की व्यवस्था कर सभी को सदर अस्पताल भेजा गया, जहां चिकित्सकों की टीम उनके इलाज में जुट गई है। सिविल सर्जन डॉ. मणिराज रंजन ने अस्पताल पहुंचकर कहा कि सभी महिला पुलिसकर्मी चिकित्सकीय देखरेख में हैं और उनकी हालत स्थिर है। उन्होंने बताया कि ज्यादातर को पेट दर्द और दस्त की शिकायत थी, जिस कारण शुरूआती घबराहट हुई। फिलहाल किसी की स्थिति गंभीर नहीं है और सभी का इलाज किया जा रहा है।

गोपालगंज में पुलिस ने पकड़ा 70 लाख का गांजा ट्रक से 235 किलो बरामद, तस्कर भी गिरफ्तार

एजेंसी। गोपालगंज

बिहार में जब से शराबबंदी हुई है, तब से लोग सुखा नशा करने लगे हैं। यह हम नहीं कह रहे हैं, बल्कि लोगों का कहना है कि जब से बिहार में देसी और विदेशी सभी तरह की शराब बंद हुई है तब से लोग गांजा, स्मैक, व्हाइटनर, सुलेशन, हिरोइन, अफीम, नशीला इंजेक्शन, कफ सिरप जैसे नशा को विकल्प के रूप में इस्तेमाल करने लगे हैं। ऐसा कोई इलाका नहीं होगा जहां इन नशीले पदार्थों का लोग सेवन नहीं करते होंगे। नशीले पदार्थों को इन तक पहुंचाने का काम तस्कर करते हैं। तस्कर आए दिन पकड़े जाते हैं लेकिन ये अपनी आदतों से बाज नहीं आते। इस बार गोपालगंज में बड़ी कार्रवाई करते हुए पुलिस ने एक गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया है। जिसके पास से 235 किलों गांजा बरामद किया गया है। जिसकी कीमत करीब 70 लाख रुपए आंकी जा रही है। गांजे की बड़ी खेप एक ट्रक से बरामद किया गया है। जिस उक्त ट्रक से गांजा की तस्करी की जा रही थी, उसे भी जब्त किया गया है। पुलिस की मानें तो यह गांजा पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी से लाया जा रहा था और इसे उत्तर प्रदेश के आगरा जिले तक पहुंचाने की तैयारी थी।

बिहार में दर्दनाक हादसा, स्नान के दौरान चार लड़कों की डूबने से मौत

एजेंसी। पटना

बिहार के सारण जिले के गड़खा थाना क्षेत्र से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। फुर्सतपुर चंवर स्थित पोखर में स्नान के दौरान चार किशोर, जिनमें दो सगे भाई भी शामिल थे, डूबकर मौत के शिकार हो गए। यह हादसा उस वक्त हुआ जब गांव के कुछ लड़के पोखर में नहाने गए थे। स्नान करते समय चार किशोर अचानक गहरे पानी में चले गए। जब तक उन्हें पानी से बाहर निकाला गया, तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। मृतकों की पहचान मकिनपुर पंचायत के मरीचा ठिकहा गांव निवासी दरोगा सिंह का 14 वर्षीय आशीष कुमार, मंशी लाल सिंह का 11 वर्षीय मुन्ना कुमार एवं मैनेजर सिंह के दो पुत्र 11 वर्षीय अंकुश कुमार और 13 वर्षीय कृष्णा उर्फ करिमन कुमार शामिल हैं। घटना की सूचना मिलते ही गड़खा थानाध्यक्ष शशि रंजन कुमार और अंचल अधिकारी नीली यादव पुलिस बल एवं गोताखोरों के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। कड़ी मशक्कत के बाद सभी शवों को पोखर से बाहर निकाला गया। घटना के बाद पूरे गांव में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है और चंवर का इलाका मातम में डूबा हुआ है। पुलिस ने सभी शवों को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। समाचार प्रेषण तक शवों के पोस्टमार्टम की प्रक्रिया जारी थी।

गयाजी में महिला और पुरुष की लाश मिली

गयाजी। बिहार के गयाजी में मंगलवार (23 सितंबर, 2025) की सुबह एक महिला और पुरुष की लाश मिलने से सनसनी फैल गई. कोंच थाना क्षेत्र के रैना गुमटी के समीप से इनका शव बरामद किया गया है. मृतकों की पहचान गुरुआ थाना क्षेत्र के डीहा गांव के रहने वाले 23 वर्षीय चंदन चौधरी और 30 वर्षीय पूजा देवी के रूप में की गई है. शव मिलने की सूचना के बाद स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई. घटना की सूचना पर कोंच थाने की पुलिस मौके पर पहुंची. दोनों के शव को पोस्टमार्टम के लिए अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा गया. महिला पूजा देवी शादीशुदा थी. उसके चार बच्चे दो बेटा और दो बेटियां हैं. वहीं चंदन चौधरी भी विवाहित था. उसका भी एक बेटा है. बताया जाता है कि दोनों हाल ही में दिल्ली से अपने गांव लौटे थे. इस संबंध में कोंच थानाध्यक्ष शैलेश कुमार ने बताया कि घटनास्थल से चंदन चौधरी का आधार कार्ड, मोबाइल फोन और कुछ जहरीला पदार्थ बरामद किया गया है।

सुपौल में बड़ा हादसा

नाव पलटने से 12 लोग नदी में डूबे, मौके पर मची अफरा-तफरी

एजेंसी। सुपौल

बिहार के सुपौल जिले से इस वक्त की एक बड़ी खबर सामने आ रही है, जहां त्रिवेणीगंज थाना क्षेत्र के गुड़िया पंचायत अंतर्गत बेलापट्टी वार्ड 1 में बड़ा नाव हादसा हो गया। बेलापट्टी स्थित बेंगा धार में घास-पटुआ लेकर लौट रही एक नाव अचानक पलट गई। नाव पर सवार 12 लोग नदी में डूब गए। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए 12 में से 7 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। वहीं, एक महिला को नदी से निकालकर अस्पताल ले जाया जा रहा था कि रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। मृतका की पहचान छातापुर थाना क्षेत्र के चकला वार्ड 2 निवासी मोटर मुखिया की पत्नी संजन देवी के रूप में हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, नाव पर दो नाविक सहित 12 लोग सवार थे, सभी नदी पार कर घास-पटुआ लेने गए थे और देर शाम लौटते समय यह हादसा हुआ। अब भी 4 लोग लापता हैं, जिन्हें खोजने का प्रयास जारी है बता दें कि नाव पर नाविक समेत सवार 12 लोगों में से 10 महिलाएं है और दो पुरुष नाविक हैं सभी घास पटूआ लेने नदी के उस पार गए थे। बेलापट्टी स्थित बेंगा धार में यह नाव ग्रामीणों के सामूहिक सहयोग से संचालित है नाव सवार महिलाओं में गौरी देवी, सरिता देवी, अवधि देवी, ममता देवी, रीमा कुमारी, अंजली कुमारी, काजल कुमारी, अनिता देवी,पथरी देवी,संजन देवी,मंजू देवी शामिल है। छातापुर थाना क्षेत्र के सभी डहरिया पंचायत वार्ड 2 चकला गांव के रहने वाले हैं इसमें से संजन देवी की मौत हो गई है 7 लोगों को बाहर निकाला गया है सभी ठीक हैं 4 लोग अब भी लापता हैं जिसे खोजा जा रहा है।घटनास्थल पर जदिया,त्रिवेणीगंज और छातापुर पुलिस पहुंच चुकी है और राहत एवं बचाव कार्य में लगी हुई है। बता दें कि जिस स्थान पर यह हादसा हुआ वह त्रिवेणीगंज,छातापुर और जदिया थाना क्षेत्रों की सीमा पर स्थित है,लेकिन घटनास्थल त्रिवेणीगंज थाना क्षेत्र में आता है।

सुभाषितम्

बिना उत्साह के कभी किसी उच्च लक्ष्य की प्राप्ति नहीं होती
-एमर्सन

एनडीए गठबंधन के लिए भस्मासुर बने प्रशांत किशोर?

बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले ही प्रदेश की राजनीति एक बार फिर भ्रष्टाचार के मुद्दे को लेकर गरमा गई है। जन स्वराज पार्टी के मुखिया प्रशांत किशोर बीते ढाई महीने से एनडीए गठबंधन के नेताओं पर लगातार आरोपों की झड़ी लगाए हुए हैं। इससे सत्तारूढ़ एनडीए सरकार की नींव हिलती हुई नजर आ रही है। सबसे ताजा हमला नीतीश कुमार के सबसे खासम-खास ग्रामीण विकास मंत्री अशोक चौधरी पर किया गया है। चौधरी पर प्रशांत किशोर ने 200 करोड़ की जमीन खरीद का सप्रमाण आरोप लगाया है। दस्तावेज और बैंक खातों के लेन-देन के दस्तावेज सार्वजनिक करते हुए जो आरोप लगाया गया है वह साधारण नहीं है। इस आरोप की आंच नीतीश कुमार तक पहुंच रही है। सवाल यह है, क्या बिहार सरकार और सत्ताधारी दल इन आरोपों से मुंह मोड़ सकते हैं? अशोक चौधरी महज मंत्री ही नहीं, बल्कि नीतीश कुमार के साथ परछाई की तरह रहते हैं। ऐसे में उनके खिलाफ भ्रष्टाचार का मामला उठा है, इसकी जवाबदेही सीधे मुख्यमंत्री तक जाती है। नीतीश कुमार वर्षों से ईमानदार छवि के नेता माने जाते रहे हैं। क्या व्यक्तिगत ईमानदारी के लिए छवि ही काफी है। जब उनके करीबी सहयोगी भ्रष्टाचार में फंसे हैं, तो नीतीश बाबू अपने आपको ईमानदार कैसे कह सकते हैं? प्रशांत किशोर ने सिर्फ अशोक चौधरी को ही नहीं, बल्कि बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल, स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और सांसद संजय जायसवाल पर करोड़ों के गड़बड़ी के आरोप लगाए हैं। सबसे बड़ी खास बात यह है, कि प्रशांत किशोर उर्फ पीके ने आरोप लगाते हुए इसके प्रमाण स्वरुप दस्तावेजों को भी पेश कर दिया हैं। आश्चर्य है इन सभी आरोपों के बावजूद सरकार की ओर से कोई ठोस सफाई अभी तक नहीं आई है। ना ही किसी जांच का आदेश सरकार द्वारा दिया गया है। लोकतंत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही चुनाव के समय मतदाताओं को प्रभावित करती है। मंत्री या बड़े नेता पर गंभीर और सप्रमाण आरोप लगे हैं। मुख्यमंत्री और सरकार की पहली जिम्मेदारी बनती है, कि वह जांच की घोषणा करें। चुप्पी जितनी लंबी खिंचती है, संदेह उतना ही गहराता चला जाता है। जनता के मन में यह सवाल उठ रहे हैं, आखिर सत्ताधारी दल किस डर से जवाब नही दे रहे हैं। प्रशांत किशोर के इन आरोपों ने बिहार की राजनीति में हलचल जरूर मचा दी है। दूसरी तरफ राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की वोट अधिकार यात्रा तथा तेजस्वी यादव की बिहार अधिकार यात्रा ने मतदाताओं को प्रभावित किया है। बड़ी संख्या में उनके साथ युवा वर्ग, महिलाएं और पिछड़ा वर्ग जुड़ता दिखा है। इनका समर्थन जिस तरह से देखने को मिल रहा है उसको देखते हुए यह कहा जा सकता है कि बिहार का चुनाव इस बार कुछ अलग परिणाम देने वाला साबित होगा। बिहार की जनता अब सिर्फ आरोप और प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं चाहती है, उसे जवाब चाहिए। सरकार को तय करना होगा, वह अपने नेताओं की छवि को कैसे बचा पाएगी। बिहार में चुनाव की अधिसूचना जारी होने के पहले प्रशांत किशोर द्वारा जिस तरह से एनडीए नेताओं के खिलाफ दस्तावेज के साथ आरोप लगाए जा रहे हैं उसके कारण बिहार की राजनीति में एक नया ऊफान देखने को मिल रहा है। प्रशांत किशोर खुद ब्राह्मण हैं, जिस तरह से उन्होंने ब्राह्मणों के बीच में सेंध लगाई है, भूमिहारों को अपने साथ लिया है यह मायने रखता है। प्रशांत किशोर ने भाजपा के लिए भी काम किया है। राष्ट्रीय जनता दल में भी वह नीतीश बाबू के कुछ समय तक दाएं हाथ रहे हैं। ऐसी स्थिति में यह माना जा रहा है कि पहले जो कयास लगाए जा रहे थे कि वह भाजपा की बी टीम बनकर इंडिया गठबंधन को नुकसान पहुंचाएंगे लेकिन अब जिस तरह की स्थिति बनी है उसमें प्रशांत किशोर उर्फ पीके को यह लगने लगा है कि उनका खुद का जनाधार मजबूत है। इस कारण वह पूरी ताकत के साथ चुनाव लड़ने के लिए मैदान में उतर रहे हैं। बिहार में अब यह भी कहा जाने लगा है, कि प्रशांत किशोर उर्फ पीके अब एनडीए गठबंधन के लिए भस्मासुर बनकर सामने आ रहे हैं।

चिंतन-मनन

मौन तन-मन की सुन्दरता के लिए जरूरी

प्रत्येक मनुष्य सुन्दर एवं स्वस्थ्य रहना चाहता है। सुन्दरता एवं स्वस्थ्य का राज मौन मै छिपा हुआ है। सामान्यतः चुप रहना मौन है, प्राचीन पुराण बचन के साथ ईर्ष्या, डाह, छल, कपट और हिन्सा को कम करना मोन होता है। मनोवैज्ञानिक फ्रायड का कहना है कि जीवन अन्तर्द्वंद्वी श्रृंखलाओं से मिल कर बना है। अन्तर्द्वद्व दो या दो से अधिक विरोधी इच्छाओं का एक साथ उत्पन्न होना है। ये असीम इच्छायें पूर्ण न होने पर तनाव नामक बीमारी देती है। जिससे आज के अधिकांस व्यक्ति ग्रासित है। अन्तर्द्वद्व में फंसे व्यक्ति की स्थिति कई विपरीत दिशाओं से आने वाली नदियों के पानी के साथ मिलने से भँवर बनती है कि जैसी हो जाती है। भँवर में फसे व्यक्ति को न बैठे शांति मिलती है न लेटे, न भूख लगती है, न प्यास, न ही ध्यान अध्ययन में मन लगता है। याददास्त क्षमता कम हो जाती है। हार्ट अटेक, आत्म हत्या भी इसी कारण करते हैं। हर मनुष्य अन्नत शक्तिमान है। यह शक्ति मन एवं पाचों इन्द्रियों के कार्यो में खर्च होती है। मन एवं इन्द्रियों को बस मे करने का कार्य मौन करता है। मौन रहने से मनुष्य के अन्दर की छुपी हुई शक्ति उदय हो जाती है। आज के कल युग में इन्द्रिय विषय-भोगों की सामग्री में वहुत वृद्धि हूई है जिसे अपनाने पर इक्छा शक्ति में अधिक बृद्धि हो रही है। जो टेन्सन को जन्म देती है। अतः आज टेन्सन बड़ी बीमारी हो गई है। जो भी व्यक्ति अधिक बोलते है उनके मुख में रहने वाला पाचक रस सूख जाता है। मानसिक सन्तुलन खो जाता है, हृदय गति तेज हो जाती है। मान इन सब परेशानियों से बचने की राम वाण औषधी है। दिन में एक घण्टा मौन रहने पर दो घण्टे की कार्य क्षमता में बृद्धि होती है। रक्त प्रवाह सामान्य स्वस्थ्य होता है, तन, मन, सुन्दर बनता है। अतः संयमित वोल मान को जीवन में अपनाना चाहिये।

अमृत भारत ट्रेन: अत्याधुनिक सुविधाएं, विकास की रफ्तार

- विनोद कुमार सिंह

कम किराये में उच्च गुणवत्ता वाली सेवाएँ : अमृत भारत ट्रेनें रोजगार,व्यापार और पर्यटन के क्षेत्र में संभावनाओं के नए द्वार

भारतीय रेल सदियों से देश की जीवन रेखा रही है। यह केवल एक परिवहन व्यवस्था नहीं बल्कि भारत की सामाजिक,सांस्कृतिक और आर्थिक धड़कनों से जुड़ा हुआ तंत्र है। आजादी के बाद से लेकर अब तक भारतीय रेलवे ने देश की प्रगति और एकता को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। समय के साथ तकनीक और सुविधाओं में बदलाव आया है,परंतु आम और मध्यम वर्गीय परिवारों की पहली पसंद हमेशा रेल यात्रा ही रही है। इसी कड़ी में भारतीय रेल ने हाल ही में अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों की शुरूआत की है,जो अपने यात्रियों को कम किराये में उच्च गुणवत्ता वाली सेवाएँ उपलब्ध कराती हैं। अमृत भारत ट्रेन अत्याधुनिक सुविधाएँ, सुरक्षा के संग विकास की रफ्तार भर रही है। यात्रियों को कम किराये में उच्च गुणवत्ता वाली सेवाएँ उपलब्ध करा रही है अमृत भारत ट्रेनें। जो रोजगार,व्यापार और पर्यटन के क्षेत्र में संभावनाओं के नए द्वार खोल रही है। वर्तमान में देशभर में 11 अमृत भारत ट्रेनें विभिन्न मार्गों पर संचालित हो रही हैं। ये ट्रेनें न केवल यात्रा को आरामदायक और सुरक्षित बनाती हैं, बल्कि रोजगार,व्यापार और पर्यटन की नई संभावनाओं के द्वार भी खोल रही हैं। विगत दिनों प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वयं इन ट्रेनों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हरी झंडी दिखाकर यात्रियों को इस नई सौगात से परिचित कराया। अत्याधुनिक सुविधाएँ और सुरक्षा उपाय -अमृत भारत एक्सप्रेस को सेमी-हाई स्पीड ट्रेन की श्रेणी में रखा गया है। इनका संचालन विशेष रूप से लंबी दूरी की यात्रा को तेज, सुरक्षित और आराम दायक बनाने के उद्देश्य से किया गया है। ट्रेन का डिजाइन, इंटीरियर और सीटिंग व्यवस्था यात्रियों को बिल्कुल नया अनुभव प्रदान करते हैं। मोदी ने उद्घाटन के अवसर पर कहा कि ह्लजो लोग अपने काम के सिलसिले में अक्सर लंबी दूरी की यात्रा करते हैं और जिनकी आय अधिक नहीं है,अब वे भी अत्याधुनिक सुविधाओं और आरामदायक यात्रा के हकदार हैं। अमृत भारत ट्रेनें न केवल उन्हें यह सुविधा देंगी बल्कि रोजगार,व्यापार और पर्यटन को भी गति प्रदान करेंगी।ह्व

रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने भी स्पष्ट किया कि इन ट्रेनों का किराया सामान्य रखा गया है ताकि गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों को अधिकतम लाभ मिल सके। यही कारण है कि दिल्लीझ्रमुंबई जैसे रूट पर रोजगार और रोजी-रोटी की तलाश में आने-जाने वाले यात्री इसे किसी ह्लउपहारह्व से कम नहीं मान रहे हैं।

अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन की तकनीकी खूबियाँ-ये ट्रेनें पूरी तरह से स्वदेशी तकनीक पर आधारित हैं,जो आत्मनिर्भर भारत की भावना को मजबूत करती हैं। एलएचबी पुशझ्रपुल तकनीक से लैस,दोनों सिरों पर इंजन लगे होने के कारण गति और स्थिरता अधिक है। अधिकतम 130 किलोमीटर प्रति घंटे की स्पीड से चलने में सक्षम।

एढ-असिस्टेड ब्रेक सिस्टम और क्रैश ट्यूब युक्त कपलर से सुरक्षा और अधिक सुदृढ़। पहली बार गैर-एसी कोचों में फायर डिटेक्शन सिस्टम उपलब्ध कराया गया है। सेमी- ऑटोमैटिक कॉपलर के कारण ट्रेन जोड़ते या अलग करते समय झटका नहीं लगता। टक्कर की स्थिति में डिफॉर्मेशन ट्यूब यात्रियों को अतिरिक्त सुरक्षा देता है।

यात्रियों की सुविधा को प्राथमिकता- प्रत्येक कोच में फोल्डेबल स्नैक्स टेबल, मोबाइल होल्डर,फोल्डेबल बॉटल होल्डर। रेडियम इल्यूमिनेटेड फ्लोरिंग स्ट्रिप और 160 डठ एयर स्प्रिंग बोगी से यात्रा और आरामदायक।

प्रत्येक शौचालय में इलेक्ट्रो-न्यूमेटिक फ्लशिंग सिस्टम, ऑटोमेटिक सोप डिस्पेंसर, और फायर सप्रेशन सिस्टम।

दिव्यांगजनों के लिए विशेष शौचालय की व्यवस्था। तेज मोबाइल चार्जिंग पोर्ट और पेंट्री कार उपलब्ध।

यात्रियों की सुरक्षा को और मजबूत बनाने के लिए कोचों में टॉक-बैक यूनिट और गार्ड रूम में रिस्पॉन्स यूनिट की सुविधा भी जोड़ी गई है। इससे किसी भी आपात स्थिति में तुरंत संवाद संभव हो जाता है।

इन सभी सुविधाओं के कारण अमृत भारत ट्रेन किसी प्रीमियम ट्रेन से कम अनुभव नहीं कराती। साथ ही, पर्यावरण की दृष्टि से ऊर्जा की बचत और प्रदूषण कम करने के उपाय इसे और अधिक आधुनिक बनाते हैं।

रेलवे का भविष्य और विकास की रफ्तार -अमृत भारत ट्रेनें केवल एक शुरूआत हैं। भारतीय रेलवे आने वाले वर्षों में बड़े पैमाने पर विस्तार और आधुनिकीकरण की योजना पर काम कर रही है। सरकार का लक्ष्य वर्ष 2030 तक रेलवे नेटवर्क को पूरी तरह आधुनिक, सुरक्षित और विश्वस्तरीय सुविधाओं से लैस बनाना है।

भविष्य की योजनाएँ - वर्ष 2030 तक लगभग 1000 नई पैसेंजर ट्रेनें शामिल की जाएँगी। इनमें 200 वंदे भारत स्लीपर ट्रेनें और 200झ्र300 चेयर कार वंदे भारत ट्रेनें होंगी। अनुमान है कि इनमें से 150 स्लीपर ट्रेनें अगले कुछ वर्षों में ही शुरू की जा सकती हैं। इन योजनाओं से न केवल यात्रियों की सुविधा बढ़ेगी बल्कि रेलवे के बुनियादी ढांचे और देश की अर्थव्यवस्था को भी गति मिलेगी।

अमृत भारत ट्रेनें इस दिशा में पहला कदम हैं। ये ट्रेनें दिखाती हैं कि भारतीय रेलवे अब केवल लोहे की पटरियों और स्टेशनों तक सीमित नहीं है,बल्कि यह लोगों की आकांक्षाओं,उनकी संस्कृति और आत्मगौरव से जुड़ा एक सशक्त माध्यम बन चुकी है। अमृत भारत ट्रेनों से छोटे कस्बों और शहरों के लोगों को महानगरों से बेहतर जुड़ाव मिलेगा। इससे न केवल रोजगार के अवसर बढ़ेंगे बल्कि स्थानीय व्यापार और पर्यटन को भी नई गति मिलेगी। रेल यात्रा हमेशा से भारतीय समाज को जोड़ने वाली डोर रही है और अब यह डोर और भी मजबूत हो रही है। अमृत भारत ट्रेनें केवल किफायती और आरामदायक यात्रा का साधन नहीं हैं,बल्कि नए भारत की रफ्तार और आधुनिक सोच की सजीव झलक भी हैं। ये आम और मध्यम वर्गीय यात्रियों को उच्चतम सुविधाएँ प्रदान कर रही हैं,जो पहले केवल प्रीमियम ट्रेनों तक सीमित थीं। प्रधानमंत्री मोदी का यह प्रयास न केवल यात्रियों के लिए राहत है, बल्कि भारतीय रेलवे को वैश्विक मानकों पर प्रतिस्पर्धी बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम भी है। रोजगार,व्यापार और पर्यटन के क्षेत्र में ये ट्रेनें अनंत संभावनाओं के द्वार खोल रही हैं। इस प्रकार कहा जा सकता है कि अमृत भारत ट्रेनें गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए सच्चे अर्थों में उपहार हैं और आने वाले वर्षों में देश के विकास की रफ्तार को और तेज करने वाली हैं।

लुत्फ उठाइए भविष्य के स्वाद का

- चिराग पासवान

केंद्रीय मंत्री के रूप में सितंबर 2024 में मेरा पहला वर्ल्ड फूड इंडिया (डब्ल्यूएफआई) मेरे लिए यादगार अनुभव रहा। उन चार दिनों के दौरान, मैंने खेत से लेकर भोजन की थाली तक के पूरे इकोसिस्टलम : वैश्विक खरीदारों के साथ राज्यों के मंडप, प्रौद्योगिकी के प्रदर्शनों के साथ-साथ एफपीओ और एसएचजी, और निवेश घोषणाओं के साथ-साथ नीतिगत संवाद को-एक साथ आते देखा। इसने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदीजी के दृष्टिकोण के अनुरूप भारत को विश्वो की खाद्य टोकरी बनाने के एक रणनीतिक मंच के रूप में डब्ल्यूएफआई की भूमिका की पुष्टि की उस अनुभव ने 2025 की रूपरेखा तैयार की। खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की यात्राओं, उद्योग जगत के दिग्गजों के साथ संवाद तथा गल्फूकड और डब्यूं स ईएफ जैसे वैश्विक मंचों पर भागीदारी से मेरी यह धारणा और ज्याकदा प्रबल हुई कि दुनिया को भारत की कृषि-खाद्य विविधता और क्षमताओं को देखने की जरूरत पहले से कहीं अधिक है। हमने अगले संस्करण को और भी ज्याखदा साहसिक और परिणाम-केंद्रित बनाने, नवाचार को निवेश में बदलने और भारत को विश्वसनीय वैश्विक खाद्य केंद्र के रूप में स्थापित करने का संकल्प लिया। इस महत्वाकांक्षा को नीतिगत अनुकूल परिस्थितियों, खासकर अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों से बल मिला है। अधिकांश प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों पर पाँच या शून्य प्रतिशत कर लगाकर, इन सुधारों ने इस क्षेत्र के लिए अनुकूल और प्रतिस्पर्धी माहौल तैयार किया है।

इस पृष्ठभूमि के साथ, हम 25 से 28 सितंबर तक डब्ल्यूएफआई 2025 की मेजबानी के लिए तैयार हैं। इसका उद्घाटन माननीय प्रधानमंत्री करेंगे, जो इस क्षेत्र के लिए सरकार की उच्च प्राथमिकता को इंगित करता है। इस संस्करण में न्यूजीलैंड और सऊदी अरब भागीदार देश होंगे, जबकि जापान, संयुक्त अरब अमीरात, वियतनाम और रूस फोकस देश होंगे। सहकारी संघवाद का सशक्त उदाहरण प्रस्तुकत करते हुए 21 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश स्था नीय खूबियों की झलक दिखाने वाले मंडपों के साथ इस आयोजन को समृद्ध करेंगे। डब्ल्यूएफआई प्रमुख प्रदर्शनियों और बी2बी मंचों के साथ ही साथ, एफएसएसएआई द्वारा तीसरे वैश्विक खाद्य नियामक शिखर सम्मेलन और एसईएआई द्वारा 24वें इंडिया इंटरनेशनल सीफूड शो की मेजबानी करेगा। डब्ल्यूएफआई पूरी तरह सरकारी तंत्र की शक्ति से संचालित होता है। जहाँ एक ओर, हमारा मंत्रालय नेतृत्व करता है, वहीं हम मूल्य श्रृंखला के सभी मंत्रालयों जैसे - पशुपालन एवं डेयरी, मत्स्य पालन, वाणिज्य, डीपीआईआईटी, कृषि एवं किसान कल्याण, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, आयुष, पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय और उनके अधीन एजेंसियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करते हैं ताकि उत्पादन, मानक, व्यापार और निवेश आपसी तालमेल से आगे बढ़ सकें।

डब्ल्यूएफआई का एजेंडा पाँच प्रमुख स्तंभों: स्थिरता और नेट-जीरो खाद्य प्रसंस्करण; वैश्विक खाद्य प्रसंस्करण केंद्र के रूप में भारत; खाद्य प्रसंस्करण, उत्पाद और पैकेजिंग प्रौद्योगिकियों में अग्रणी; पोषण और स्वास्थ्य के लिए प्रसंस्कृत खाद्य तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करने वाले पशुधन एवं समुद्री उत्पाद-पर आधारित है। प्रत्येक स्तंभ को विशेष रूप से तैयार किए गए सत्रों, बी2बी बैठकों और अपनाने के तरीकों के साथ जोड़ा गया है, ताकि भागीदारी चर्चा से आगे कार्यान्वयन तक बढ़ सके। पीएमएफएमई लघु-उद्यमियों की उल्लेखनीय सफलता डब्ल्यूएफआई के प्रभाव को दशार्ती है। निःशुल्क स्टॉल उन्हें आयोजन के केंद्र में बनाए रखते हैं, जिससे उनका घरेलू और वैश्विक दिग्गजों के साथ जुड़ाव संभव होता है। उनकी भागीदारी से करोड़ों के व्यापारिक ऑर्डर और स्थायी साझेदारियाँ प्राप्त हुई हैं। इस वर्ष भी कई उद्यमी लौट रहे हैं, क्योंकि हम गर्व सहित भारत के सबसे छोटे खाद्य उद्यमियों के लिए भी समान अवसर सुनिश्चित करते हैं। डब्ल्यूएफआई का मुख्यह आकर्षण सीईओ गोलमेज चर्चा है, जहाँ उद्योग जगत के दिग्गलज, निवेशक और नीति निमार्ता सहयोग को बढ़ावा देने और क्षेत्रीय चुनौतियों का समाधान करने के लिए रणनीतिक संवाद में भाग लेते हैं। उल्लेखनीय है कि 2024 में यहाँ उठाए गए जीएसटी संबंधी मुद्दों ने अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों को जन्म दिया, जो हमारी सरकार के परामर्शी और उत्तरदायी दृष्टिकोण को दर्शाता है। सही मायनों में समग्र होने के लिए, डब्ल्यूएफआई होरेका और एल्कोबेव क्षेत्रों सहित सभी हितधारकों को शामिल करता है और सभी उप-क्षेत्रों में नवाचार को बढ़ावा देता है। हम जैविक और टिकाऊ उत्पादों से समृद्ध अपने पूर्वोत्तर क्षेत्र को भी प्रमुखता दे रहे हैं। इसका मंडप पूर्वोत्तर को वैश्विक स्तर पर भारतीय जैविक ब्रांडों के लिए लॉन्चपैड बनाने के प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण को रेखांकित करते हुए असम की चाय से लेकर मेघालय की हल्दी तक सब कुछ प्रदर्शित करेगा। डब्ल्यूएफआई की विश्वसनीयता इसके काम के प्रदर्शन पर आधारित है। 2017 से, इसने 38,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का निवेश हासिल किया है। 2024 के संस्करण में 1,500 से ज्यादा प्रदर्शक और 20 कंट्री पेवेलियन शामिल हुए, जिससे 93 मिलियन डॉलर के व्यापारिक ऑर्डर मिले। 50 से ज्यादा नई प्रसंस्करण इकाइयों का उद्घाटन किया गया, 25,000 लघु उद्यमों को सब्सिडी दी गई और 245 करोड़ रुपये के शुरूआती निवेश से एसएचजी की 70,000 महिलाओं को मदद मिली। 1,100 से ज्यादा क्यूआर-कोडेड अचार की किस्मों वाली एक वॉल, जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है, छोटे उत्पादकों के लिए सीधी बाजार पहुँच को दशार्ती है। ये उपलब्धियाँ डब्ल्यूएफआई को निवेश, नवाचार और समावेशी विकास के एक सतत इंजन के रूप में रेखांकित करती हैं।

मां दूर्गा की तीसरी शक्ति चन्द्रघण्टा, विग्रह का पूजन

पिण्डजप्रवरारूढ़ा चण्डकोपास्त्राकैयुर्ता।
प्रसादं तने महां चन्द्रघण्टेति विश्रुता।।

माँ दुर्गा जी की तीसरी शक्ति का नाम ह्यचन्द्रघण्टाह्ण है। नवरात्रि उपासना में तीसरे दिन इन्हीं के विग्रह का पूजन-आराधना किया जाता है। इनका यह स्वरूप परम शांतिदायक और कल्याणकारी है। इनके मस्तक में घण्टे के आकार का अर्धचन्द्र हैं, इसी कारण से इन्हें चन्द्रघण्टा देवी कहा जाता है। इनके शरीर का रंग स्वर्ण के समान चमकीला है। इनके दस हाथ हैं। इनके दसों हाथों में खड्ग आदि शस्त्र तथा बाण आदि अस्त्र विभूषित हैं। इनका वाहन सिंह है। इनकी मुद्रा युद्ध के लिये उद्यत रहने की होती है। इनके घण्टे सी भयानक चण्डध्वनि से अत्याचारी दानव-दैत्य-राक्षस सदैव प्रकम्पित रहते हैं। नवरात्र की दुर्गा उपासना में तीसरे दिन की पूजा अत्याधिक महत्व है। इस दिन साधन का मन ह्यमणिपुरह्ण चप्र में प्रविष्ट होता है। माँ चन्द्रघण्टा की कृपा से उसे अलौकिक वस्तुओं के दर्शन होते हैं। दिव्य सुगन्ध्यां का अनुभव होता है तथा विविध प्रकार की दिव्य ध्वनियां सुनायी देती हैं। ये क्षण साधक के लिये अत्यन्त सावधान रहने के होते हैं। माँ चन्द्रघण्टा की कृपा से साधक के समस्त पाप और बाधाएं विनष्ट हो जाती हैं। इनकी आराधना सद्यः फलदायी है। इनकी मुद्रा सदैव युद्ध के लिये अभिमुख रहने की होती है, अतः भक्तों के कष्ट का निवारण ये अत्यन्त शीघ्र कर देती हैं। इनका वाहन सिंह है अतः इनका उपासक सिंह की तरह पराप्रमी और निर्भय हो जाता है। इनके घण्टे की ध्वनि सदा अपने भक्तों की प्रेत-बाधा से रक्षा करती रहती है। इनका ध्यान करने से शरणागत रक्षा के लिये इस घण्टे की ध्वनि निनादित हो उठती है। दुष्टों का दमन और विनाश करने में सदैव तत्पर रहने के बाद भी इनका स्वरूप दर्शक और आराधक के लिये अत्यन्त सौम्यता एवं शान्ति से परिपूर्ण रहता है। इनकी आराधना से प्राप्त होने वाला एक बहुत बड़ा सदगुण यह भी है कि साधक में वीरता-निर्भयता के साथ ही सौम्यता एवं विनम्रता का भी विकास होता है। उसके मुख, नेत्र तथा सम्पूर्ण काया में कान्ति-गुण की वृद्धि होती है। स्वर में दिव्य, अलौकिक माधुर्य का समावेश हो जाता है। माँ चन्द्रघण्टा के भक्त और उपासक जहां भी जाते हैं लोग उन्हें देखकर शान्ति और सुख का अनुभव करते हैं। ऐसे साधक के शरीर से दिव्य प्रकाश युक्त परमाणुआं२ का अदृश्य विकिरण होता रहता है। यह दिव्य प्रिया साधारण चक्षुओं से दिखलायी नहीं देती, किन्तु साधक और उसके सम्पर्प में आने वाले लोग इस बात का अनुभव भलीभाँति करते रहते हैं। हमें चाहिए कि अपने मन, वचन, कर्म एवं काया को विधि विधान के अनुसार पूर्णतः परिशुद्ध एवं पवित्र करके माँ चन्द्रघण्टा के शरणागत होकर उपासना-आराधना में तत्पर हों। उनकी उपासना से हम समस्त सांसारिक कष्टों से विमुक्त होकर सहज ही परमपद के अधिकारी बन सकते हैं। हमें निरन्तर उनके पवित्र विग्रह को ध्यान में रखते हुए साधना की ओर अग्रसर होने का प्रयत्न करना चाहिए। उनका ध्यान हमारे इहलोक और परलोक दोनों के लिये परमकल्याणकारी और सदगति को देने वाला है।

आज का राशिफल

मेष आज दिन बेहद उत्तम और संतोषजनक रहने वाला है। आपकी आमदनी में वृद्धि होगी।	**तुला** आज आपको कार्यस्थल पर अपनी इच्छा के विरुद्ध कोई कार्य करना पड़ सकता है।
वृषभ आज व्यापार के मामले में दिन अच्छा रहने वाला है। लाभ कमाने के सुनहरे अवसर मिल सकते हैं।	**वृश्चिक** लंबे समय से आपका धन कहीं फंसा हुआ था, तो अब वह वापस मिल सकता है।
मिथुन दिन बेहद शुभ रहने वाला है। नौकरी करने वालों को कार्यस्थल पर उच्च पद प्राप्त हो सकता है।	**धनु** कार्यस्थल पर महत्वपूर्ण काम को पूरा करने के लिए अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है।
कर्क कारोबार के मामले दिन अच्छा रहेगा। कामकाज के सिलसिले में किसी यात्रा पर जाना पड़ सकता है।	**मकर** आज समाज में आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी, जिससे मन प्रसन्न रहेगा।
सिंह आज कुछ मित्रों के सहयोग से व्यवसाय के मामले में नए स्रोत बनते नजर आएंगे।	**कुंभ** आज कार्यक्षेत्र में आपकी जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं। ऐसे में दिन भागदौड़ भरा रहने की संभावना है।
कन्या कार्यक्षेत्र में अपने काम को समय पर पूरा करने के लिए आपको अधिक मेहनत करनी होगी।	**मीन** दिन मिश्रित फल प्रदान करने वाला रहेगा। आपको कुछ धन खर्च करना पड़ सकता है।

विशेष

अमेरिकी कंपनियों ने जारी किया अलर्ट 24 घंटे में अमेरिका लौटें

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वीजा शुल्क कई गुना बढ़ा दिया है। नियम बदलकर अब हर साल का शुल्क कई गुना बढ़ा दिया है। जितना वेतन नहीं है उससे ज्यादा एच 1 वीजा की फीस कर दी है।अमेरिका की कंपनियां भी ट्रंप के इस निर्णय से हड़बड़ा गई हैं। माइक्रोसॉफ्ट मेटा साहित दर्जनों कंपनियों ने ट्रंप से अपील की है। वह अपने निर्णय पर पुनर्विचार करें। अमेरिका की टेक कंपनियों ने भारतीय कर्मचारियों से कहा है, वह 24 घंटे के अंदर अमेरिका लौट आएं , अथवा इसके बाद वह अमेरिका लौट पाएंगे या नहीं, इसकी कोई गारंटी नहीं है। जिससे भगदड की स्थिति मची हुई है।

रंग बदलते ट्रंप

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड कंपनी बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी को आतंकवाद संगठन बढ़कर पहले तो पाकिस्तान को खुश कर दिया। जब पाकिस्तान बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी फ्रंट पर प्रतिबंध लगवाने के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ पहुंचा। अमेरिका ने पाकिस्तान के प्रस्ताव पर वीटो कर दिया। पाकिस्तान को समझ नहीं आ रहा है, डोनाल्ड ट्रंप ने ऐसा क्यों किया। पहले बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट को आतंकवादी संगठन मान लिया। बाद में वीटो लगाकर पाकिस्तान के प्रस्ताव को रोक दिया। शतरंज के इस खेल में पाकिस्तान और अमेरिका एक दूसरे को शह और मात देने का खेल खेल रहे हैं। इस बाजी में कौन जीतेगा, इसको लेकर इंतजार करना पड़ेगा।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1726: ईस्ट इंडिया कंपनी को मुंबई मद्रास और कलकत्ता में नगर निगम के गठन का अधिकार मिला. 1859: आजादी की लड़ाई के सेनानी नाना साहब की मौत नेपाल में हुई. 1861: वर्ष 1907 में सातवीं अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस सभा में झंडा फहराने वाली श्रीमती भीखाजी कामा का जन्म. 1932: प्रथम महिला क्रांतिकारी प्रीतिलता वाडेकर ने आजादी के लिए अपना जीवन कुर्बान कर दिया. 1943: द्वितीय विश्व युद्ध में जर्मन सेना सोवियत संघ में पीछे हटी. 1948: ब्रिटेन के अफ्रीकी उपनिवेशों के प्रतिनिधियों की पहली बैठक लंदन में हुई. 1977: ब्रिटेन के जासूसी के आरोप में सोवियत संघ के 90 नागरिकों को निष्कासित कर दिया, 1988: बर्मा में विपक्षी दलों ने नई सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया. 1993 नरोत्तम सिंहानुक पुनः कंबोडिया की गद्दी पर बैठे.

दैनिक पंचांग

24 सितम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	तुला	07.33 बजे से
चंद्र	तुला में	वृश्चिक	09.48 ब.से
मंगल	तुला में	धनु	12.04 बजे से
बुध	कन्या में	मकर	14.09 बजे से
गुरु	मिथुन में	कुंभ	15.56 बजे से
शुक्र	सिंह में	मीन	17.28 बजे से
शनि	मीन में	मेष	18.59 बजे से
राहु	कुंभ में	वृष	20.39 बजे से
केतु	सिंह में	मिथुन	22.37 बजे से
		कर्क	00.51 बजे से
राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक		सिंह	03.07 बजे से
		कन्या	05.19 बजे से

बुधवार 2025 वर्ष का 267 वा दिन
दिशाशूल उत्तर
ऋतु शरद।
विक्रम संवत् 2082
शक संवत् 1947
मास आश्विन **पक्ष** शुक्ल
तिथि तृतीया अहोरात्र।
नक्षत्र चित्रा 16.17 बजे को समाप्त।
योग इन्द्र 21.03 बजे को समाप्त।
करण तैतिल 17.57 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 02.2 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 00° 29'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872477
जूलियन दिन 2460942.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना रबी उस्सानी
तारीख 01

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक
काल	08.15 से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक	चर	10.16 से	11.47 बजे तक
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक	रोग	11.47 से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक	काल	01.19 से	02.51 बजे तक
चर	02.44 से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

संक्षिप्त समाचार

खलारी में पुलिस की गश्ती टीम पर फायरिंग, हवलदार के पैर में लगी गोली

रांची, एजेंसी। खलारी में रविवार देर रात अपराधियों ने पुलिस की गश्ती टीम पर फायरिंग की। इस घटना में खलारी थाने के हवलदार राम सरीक शर्मा के पैर में गोली लग गई। उन्हें रांची के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी स्थिति खतरे से बाहर है। सब इंस्पेक्टर रवि सोनी ने बताया कि वे रात में हवलदार राम सरीक और एक सिपाही के साथ गश्त पर निकले थे। बमने गांव के पास एक कार खड़ी थी। पुलिस को उनकी गतिविधि संदिग्ध लगी तो पूछताछ करने के लिए उनकी ओर बढ़ी। तभी एक अपराधी ने कार के अंदर से ही फायरिंग कर दी। घटना के बाद खलारी पुलिस ने घटना के तुरंत बाद छापेमारी शुरू कर दी। रात में ही शक के आधार पर दो कार को जब्त किया। वहीं छह संदिग्धों को हिरासत में लिया। उनसे पूछताछ की जा रही है। इधर, घटना की जानकारी मिलते ही खलारी एसडीपीओ रामनारायण चौधरी घटनास्थल पर पहुंचे। उनके नेतृत्व में कई थानों की पुलिस ने सुबह चार बजे तक छापेमारी की। पुलिस ने एक घर से सीसीटीवी कैमरे की डीवीआर को भी जांच के लिए ले गई है। रांची एसएसपी राकेश रंजन सोमवार को अस्पताल में घायल हवलदार से मिले। उन्होंने कहा कि गोली से मामूली जख्म हुआ है। घटना से जुड़े अहम सुराग मिले हैं, जिसके आधार पर छापेमारी की जा रही है। पुलिस जल्दी ही अपराधियों को गिरफ्तार कर लेगी।

लातेहार में करंट की चपेट में आने से दो भाइयों की मौत

लातेहार, एजेंसी। जिले के बरियातू थाना क्षेत्र अंतर्गत बजरमरी गांव में करंट की चपेट में आने से दो चचेरे भाइयों की मौत हो गई। इस घटना के बाद पूरे गांव में कोहराम मच गया है। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंचे थाना प्रभारी रंजन कुमार पासवान ने मृतकों के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। दरअसल, बजरमरी गांव निवासी विनय उरांव अपने घर के छत पर बोदी तोड़ रहा था। बोदी के पास बिजली का तार था। अचानक विनय उरांव बिजली के तार के संपर्क में आ गया और छटपटाने लगा। विनय को इस प्रकार छटपटाता देखकर पास में ही खड़े चचेरे भाई प्रकाश उरांव दौड़कर उसके पास आया लेकिन वह भी विनय के साथ करंट की चपेट में आ गया और देखते ही देखते दोनों भाई बेहोश होकर छत पर गिर गए। इधर युवकों को छत पर छटपटाता देखकर लोग दौड़कर वहां पहुंचे लेकिन जब तक काफी देर हो चुकी थी। युवक के परिजन और ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए दोनों युवकों को तत्काल अस्पताल लेकर पहुंचे लेकिन जांच के बाद चिकित्सकों ने दोनों युवकों को मृत घोषित कर दिया। युवकों की मौत की खबर सुनने के बाद परिजनों पर दुख का पहाड़ टूट पड़ा। वहीं मृतक के परिजनों ने बताया कि छत पर खुला तार था। उसी की चपेट में आने से दोनों की मौत हुई है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि मृतक के परिजनों को तत्काल सहायता राशि उपलब्ध कराई जाए।

रांची में 36वीं पूर्वी क्षेत्र जूनियर एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजित, पहले दिन झारखंड का दबदबा, जीते 16 पदक

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची के मोरहाबादी स्थित बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम में जारी 36वीं पूर्वी क्षेत्र जूनियर एथलेटिक्स प्रतियोगिता के पहले दिन झारखंड के खिलाड़ियों ने शानदार शुरुआत करते हुए कुल 16 पदक अपने नाम किए। इन पदकों में 5 स्वर्ण, 6 रजत और 5 कांस्य शामिल हैं। इस प्रदर्शन के साथ झारखंड ने प्रतियोगिता के उद्घाटन दिन ही अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा दी है। एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया, नई दिल्ली के निर्देश पर आयोजित इस प्रतियोगिता में पूर्वी भारत के कुल 10 राज्यों की टीमें हिस्सा ले रही हैं। इसमें पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार, असम, मिजोरम, सिक्किम, मणिपुर, नागालैंड, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश के खिलाड़ी शामिल हैं। इन राज्यों से कुल 621 एथलीट मैदान में उतरे हैं। झारखंड के कोच विनोद कुमार सिंह, आशु भाटिया, योगेश यादव, आलोक सिंह, नीरज कुमार, नरेश कुजूर और अनुभा खाखा ने खिलाड़ियों को तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आयोजन समिति में अध्यक्ष सीडी सिंह, सचिव एसके पांडे, आयोजन सचिव प्रभाकर वर्मा समेत कई पदाधिकारी लगातार खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते दिखे। प्रतियोगिता के पहले दिन खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाने के लिए डिप्टी रजिस्ट्रार कोऑपरेटिव, रांची राकेश कुमार सिंह और सहायक निदेशक, साई रांची करण साधवानी भी मौजूद रहे। उन्होंने विजेताओं को पदक प्रदान कर सम्मानित किया। पहले दिन का प्रदर्शन झारखंड के लिए उम्मीदों से भरा रहा, यदि इसी लय को बनाए रखा गया तो प्रतियोगिता के अंत तक झारखंड पदक तालिका में शीर्ष स्थान पर रह सकता है। खिलाड़ियों के जज्बे और कोचों की मेहनत ने यह साफ कर दिया है कि राज्य अब एथलेटिक्स में मजबूत पहचान बनाने की राह पर है।

झारखंड कांग्रेस सोशल मीडिया विंग को बनाएगी धारदार, प्रशिक्षण कार्यक्रम में दिए गये कई टिप्स !

रांची, एजेंसी। झारखंड में कांग्रेस संगठन सृजन के लिए बूथ लेवल तक पार्टी संगठन को मजबूत करने के साथ-साथ अब मीडिया विंग पर ध्यान केंद्रित कर रही है। इसको लेकर रांची में प्रदेश कांग्रेस मीडिया पदाधिकारियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी नीतियों को जनता तक पहुंचानें के लिए दक्ष टीम बनाने पर खास जोर दे रही है। अपनी सोशल मीडिया टीम को धारदार बनाने के लिए आज शनिवार को रांची के प्रेस क्लब सभागार में कांग्रेस की ओर से झारखंड प्रदेश कांग्रेस के मीडिया प्रभारी, चेयरमैन, प्रवक्ता, जिला स्तरीय प्रवक्ता, सोशल मीडिया के प्रदेश प्रभारी, संयोजक,जिला संयोजकों का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में झारखंड प्रदेश कांग्रेस प्रभारी के।राजू भी उपस्थित रहे।

इस प्रशिक्षण सत्र को राजू ने संबोधित करते कहा कि वर्तमान में लोगों से जुड़े रहने के लिए संवाद के माध्यम को मजबूत रखना होगा। वर्तमान समय, कम समय में अपनी ज्यादा से ज्यादा बातों को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने का है। प्रदेश में जिला स्तरीय मीडिया चेयरमैन और सोशल मीडिया अध्यक्ष की नियुक्ति इंटरव्यू के माध्यम से हुई है।

कांग्रेस लगातार आपको प्रशिक्षण देती रहेगी। प्रदेश कांग्रेस की ओर से मीडिया विभाग को लगातार विभिन्न माध्यमों से सपोर्ट मिलता रहेगा। हमें अपनी क्षमता को वर्तमान स्तर से और बढ़ाने की जरूरत है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय प्रवक्ता अभय दुबे ने कहा कि कांग्रेस के विचारों को आगे बढ़ाने में आपका योगदान अहम होगा। जनता की अदालत में हमें दिन-प्रतिदिन कांग्रेस का मुकदमा लड़ना है, जिसका भार हम पर है। हमारे सामने अनेक चुनौतियां हैं इसे हमें अवसर में बदलना ही होगा। देश में ध्रुवीकरण की राजनीति तेजी से बढ़ रही है।

उन्होंने कहा कि विपक्ष द्वारा कांग्रेस और हमारे नेताओं के खिलाफ फेक और निगेटिव बातें फैलाई जाती है। हमें इसे उजागर करते हुए कांग्रेस का पक्ष रखना है। हमें पार्टी के अनुशासन और गरिमा को बनाए रखते हुए कांग्रेस की नीतियों और सोच को जनता तक पहुंचाना है।

सांसद सह प्रदेश कांग्रेस के मीडिया पर्यवेक्षक सुखदेव भगत ने कहा कि आज का युग समाचार क्रांति का युग है। राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे के नेतृत्व में भारत के सांस्कृतिक राजनीतिक मूल्य का संरक्षण करना है। मीडिया के माध्यम से समाज में चल रहे नकारात्मक विचारों का प्रतिकार करना है। हमारी समझ में सकारात्मक प्रभाव हो इसके लिए मीडिया एक उचित माध्यम है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने देश में अच्छी नीयत के साथ जो अभियान छेड़ा है उसे पूरा करना है।

कांग्रेस विधायक दल के नेता और पूर्व मंत्री प्रदीप यादव ने कहा कि किसी संगठन का मीडिया विभाग तलवार की तरह है जिसकी धार हमेशा तेज रहनी चाहिए। आज देश में दो तरह के विचार चल रहे हैं। बहुत जरूरी है कि हम मीडिया के माध्यम से जनता में यह मैसेज पहुंचाएं कि हमारी नीतियां, हमारे सिद्धान्त कैसे राष्ट्र हित और यहां के लोगों के लिए हितकारी है।

उन्होंने कहा कि एक ओर कांग्रेस के मजबूत सिद्धांत हैं तो दूसरी तरफ भाजपा के खोखले सिद्धांत। समाज को तोड़ने की राजनीति करने वाली भाजपा अभी सत्ता में है लेकिन विचारों के संघर्ष में हमें जीत हासिल करनी है। हमें स्वयं को समय बंद रखना होगा और अपने विचारों को संचार साधनों के विभिन्न माध्यम से जनता तक फैलाना होगा।

कौन-कौन रहे मौजूद

इस प्रशिक्षण शिविर का संचालन मीडिया चेयरमैन सतीश पौल मुजनी और धन्यवाद ज्ञापन सोशल मीडिया चेयरमैन गजेंद्र सिंह ने किया। इस शिविर को प्रदेश कांग्रेस के सह प्रभारी सीरी बेला प्रसाद, कांग्रेस विधायक दल उप नेता राजेश कच्छप पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर, प्रणव वाचानी पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने भी संबोधित किया।

इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से राकेश सिन्हा, लाल किशोर नाथ, संजय पांडेय, सोनाल शांति, निरंजन पासवान, कमल ठाकुर, जगदीश साहू, शमशेर आलम, शकील अंसारी, शांतनु मिश्रा रियाज अंसारी, आभा सिन्हा, अभिलाष साहू, पप्पू तिवारी, मेहुल प्रसाद, अजय सिंह, प्रदीप विश्वकर्मा, आरिफ हुसैन, रणधीर रंजन, अरविंद लुगून, निसार खान, मुकेश यादव, उमाशंकर रविदास, मणिकांत, सुमन शर्मा, नरेश तिर्की की उपस्थिति रहीं।

96 प्रतिशत स्कूलों में हुआ पीटीएम, पुरुषों से अधिक महिलाओं ने लिया भाग

रांची, एजेंसी। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के निर्देश पर सरकारी स्कूलों में हुए दूसरे अभिभावक-शिक्षक बैठक (पीटीएम) में अभिभावकों के साथ-साथ जनप्रतिनिधियों ने भी अपनी सहभागिता दी।राज्य के 96 प्रतिशत स्कूलों में यह बैठक आयोजित की गई। इस बार की पीटीएम की विशेषता यह रही कि पहली बार इस बैठक में सांसद और विधायक के साथ-साथ उपायुक्त भी सम्मिलित हुए।यहां तक कि शिक्षा सचिव उमाशंकर सिंह एवं राज्य परियोजना निदेशक शशि रंजन ने भी स्कूल पहुंचकर शिक्षकों तथा अभिभावकों को बच्चों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने को लेकर प्रोत्साहित किया।इस बैठक में बड़ी संख्या में अभिभावक स्कूल पहुंचे। सबसे बड़ी बात यह रही कि इसमें महिलाओं की भागीदारी पुरुषों से अधिक रही। विभिन्न जिलों से झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद को मिली रिपोर्ट के अनुसार, इस बैठक में भाग लेनेवाले अभिभावकों में 6,52,719 महिलाएं थीं, जबकि पुरुष अभिभावकों की संख्या 4,32,839 रही। कुल 345 स्कूलों की इस बैठक में कोई न कोई विधायक पहुंचे।

वहीं, 160 स्कूलों में स्थानीय सांसद पहुंचकर अभिभावकों को मार्गदर्शन प्रदान किया। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने स्वयं सभी सांसदों और विधायकों को पत्र लिखकर इस बैठक में भाग लेने का अनुरोध किया था। शिक्षा सचिव तथा राज्य परियोजना निदेशक के स्कूल पहुंचने का असर यह हुआ कि इस बार 27 स्कूलों में संबंधित जिले के उपायुक्त भी पहुंचे। 50 स्कूलों में जिला शिक्षा पदाधिकारी तथा इतने ही स्कूलों में जिला शिक्षा अधीक्षक भी पहुंचे। 92,479 पीआरआइ सदस्य इस बैठक में सम्मिलित हुए। बताते चलें कि विभाग के निर्देश पर यह बैठक आठ से 14 सितंबर तक आयोजित की गई। हालांकि कुछ स्कूलों में बाद में भी बैठक हुई।

गुमला के रवि उरांव कर रहे लाह की खेती, साथी किसानों को भी खूब भायी

गुमला, एजेंसी। मेरे पास खेती के लिए 12 एकड़ जमीन है। जिसे मैंने दो हिस्सों में बांटा है। इनमें से 5 एकड़ दोन भूमि (निचली जमीन) और 7 एकड़ टाड़ भूमि (ऊपरी जमीन) है। मेरे पास लगभग 75 बेर के पेड़ और करीब एक एकड़ क्षेत्र में सेमियालता लगी हुई है, जिस पर परंपरागत ढंग से लाह उत्पादन किया जाता था। साल 2014-15 में मेरी मुलाकात कृषि विज्ञान केंद्र, गुमला के वैज्ञानिकों से हुई।

केंद्र के वैज्ञानिकों ने उन्हें वैज्ञानिक तरीके से लाह उत्पादन करने की जानकारी दी और प्रशिक्षण भी दिया। प्रशिक्षण के दौरान मैंने सीखा कि लाह की सही समय पर बुआई, परती पेड़ की सफाई, उचित समय पर ब्रूड (लाख का बीज) चढ़ाना और कीट प्रबंधन किस प्रकार किया जाए। न केवल प्रशिक्षण लिया बल्कि उसे अपने खेत और पेड़ों पर लागू भी किया।

यही वह मोड़ था जब उनकी लाह उत्पादन की यात्रा ने नया रास्ता पकड़ लिया। मैंने बेर और सोमियालता पर वैज्ञानिक पद्धति से लाह चढ़ाना शुरू किया। उन्होंने जून जुलाई माह में बीहन लगाई और दिसम्बर- जनवरी में फसल तैयार होने लगी। वैज्ञानिकों की सलाह से उन्होंने समय पर कटाई की, जिससे लाह की गुणवत्ता अच्छी बनी रही और बाजार में ऊंचे दाम मिले। इस साल मैंने लाह उत्पादन से लगभग चार लाख रुपए अर्जित की है।

यह उनके लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है क्योंकि सामान्य खेती से इतनी आमदनी पाना संभव नहीं था। मेरे अनुभव से प्रेरित होकर आसपास के 40 से 45 किसान भी लाह की खेती करने लगे हैं। तीन किसान मनु मुंडा (लालमाटी), छोटू उरांव (गोंदरोटोली) व विमल उरांव (गोंदरोटोली) सहित कई किसान लाखपति बन चुके हैं।

इनके पास अभी चार पहिया वाहन भी हैं। इससे भी कमा रहे हैं। लाह की खेती सही तरीके से की जाए तो कोई भी किसान आत्मनिर्भर बन सकते हैं। इससे किसानों की आमदनी दुगुनी होने के साथ-साथ गांव का विकास भी संभव है। मुझे देखकर सिसई प्रखंड के किसान बड़ी संख्या में लाह उत्पादन की ओर आकर्षित हुए हैं। मेरी मेहनत को साथी किसानों ने खूब सराहा।

लाह उत्पादन विशेषज्ञ के रूप में पहचान, महिलाएं भी जुड़ रहीं

अब धीरे-धीरे लाह उत्पादन का काम सामूहिक रूप से फैलने लगा है। सभी मुझे लाह उत्पादन विशेषज्ञ के रूप में जानने लगे हैं। गांव की महिलाएं भी इस काम से जुड़ रही हैं, जिससे परिवार की आमदनी और रोजगार बढ़ रहा है।

गरीबी के कारण टूटा तीरंताज बनने का सपना, मंत्री की अनुशंसा के बाद भी नहीं मिली मदद

तिसरा, एजेंसी। कहते है मेहनत के साथ इरादे मजबूर हो और चाहत सफलता की ऊंचाई छूना चाहे तो हर कायनात उसे उसकी मंजिल तक पहुंचाने में जुट जाती है। ऐसी ही कहानी दोबारी बस्ती की दो बहनों की है। दो बहनों के पिता शिवकुमार भुइयां ने अपने जिन आंखों ने तीरंदाजी का सपना देखा उन सपनों को साकार करने के लिए उनकी दोनों बेटियां अब उड़ान भर रही है। 13 वर्षीय तनीषा कुमारी व नौ वर्षीय सिमरन कुमारी विश्व चैंपियनशिप रहे दीपिका कुमारी को अपना आइडल मानती है।

तनीषा राज्य स्तर पर खेल चुकी है। वही नौ वर्षीय सिमरन वर्ष 2023 में आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा में आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल हासिल कर चुकी है।

सिमरन और तनीषा कई बार जिला व राज्य स्तर पर भी अपना परचम लहरा चुकी है, लेकिन आधुनिक धनुष नहीं होने के कारण अब इनका प्रतिभा धीरे-धीरे साथ छोड़ता जा रहा है।

सिमरन और तनीषा के पिता एक चाय की दुकान चलाते हैं। उसी दुकान से अपना परिवार का भरण पोषण करता है। दोनों बेटियों को तीरंदाजी भी सीखा रहे है। धनुष पुराना हो चुका है और नए धनुष के लिए शिवकुमार अपने दोनों बेटियों के साथ पूर्व में जिले के अधिकारी से लेकर खेल मंत्री तक गुहार लगाया चुके है।

पूर्व खेल मंत्री हाफिजुल हुसैन ने वर्ष 2023 में खेल डायरेक्टर को आधुनिक धनुष के लिए अनुशंसा भी की, लेकिन यह अनुशंसा महज कागज में ही सिमट के रह गई। आज भी सिमरन व तनीषा अपने पुराने धनुष से ही अभ्यास कर रही हैं।

तनीषा व सिमरन की मां रचना देवी गृहिणी है। दोनों भाई अभी छोटा है वह पढ़ाई कर रहे है। तनीषा व सिमरन इंडियन पब्लिक स्कूल में पढ़ाई कर रही है। उनकी प्रतिभा व घर के माली स्थिति को देख स्कूल निशुल्क शिक्षा दे रहा है।

तनीषा और सिमरन के पास आधुनिक धनुष नहीं है। प्रत्येक दिन तनीषा और सिमरन 12 किलोमीटर की सफर तय करके अभ्यास करने अपने घर से टाटा के जामाडोबा ग्राउंड जाती है। जहां आर्चरी के कोच मो. शमशाद उन्हें प्रशिक्षण देते हैं।

राष्ट्रीय स्तर के खेल में किराए के धनुष से सिमरन वर्ष 2023 में गोल्ड मेडल दिलाकर राज्य का नाम रौशन की। घर की स्थिति अब धनुष का किराया देने का भी नहीं है। आधुनिक तकनीक का धनुष नहीं होने के कारण वर्ष 2025 के मार्च माह में आयोजित आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा में राष्ट्रीय स्तर के प्रतियोगिता के क्वार्टर फाइनल में सिमरन खेल से बाहर हो गई।

सिमरन के पिता ने कहा कि बेटी को आगे बढ़ना चाहते हैं, लेकिन मदद कोई नहीं कर रहा।

नवरात्रि पर गंगा स्नान कर लौट रही कार खाई में गिरी, तीन लोगों की मौत

गोड्डा, एजेंसी। जिले के महागामा थाना क्षेत्र में दर्दनाक सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। यहां एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई। जिसकी वजह से कार में सवार सभी लोगों की मौत हो गई। घटना महागामा-एकचारी मुख्य मार्ग के ग्राम शीतल के पास हुई।

गंगा जल लेकर लौटने के दौरान हुआ हादसा : मृतकों में महागामा के ऊर्जा नगर निवासी जोगेंद्र यादव, उनकी पत्नी बिंदेश्वरी देवी और कौशल्या देवी शामिल हैं। नवरात्रि को लेकर पहले दिन कलश स्थापना के लिए कहलगांव के गंगा घाट से जल लेकर लौटते समय यह हादसा हुआ है। सूचना मिलते ही महागामा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी चंद्रशेखर आजाद, महागामा थाना और हनवारा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। जिसके बाद स्थानीय ग्रामीणों की मदद से शव और गाड़ी को जेसीबी की माध्यम से खाई से बाहर निकाला गया। पुलिस ने कार को जब्त कर लिया है। मृतकों के परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है।

इस हादसे से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है जबकि मृतकों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। नवरात्र के पहले दिन इस हादसे ने उत्सवी माहौल को मातम में बदल दिया है। परिजनों के मुताबिक घर में नवरात्र को लेकर उत्साह था, सभी पूजा पाठ की तैयारी कर रहे थे लेकिन अचानक ये अनहोनी हो गई।

विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग क्विज 2026 का पंजीकरण शुरू

रांची, एजेंसी। आगामी फेस्टिव सीजन को देखते हुए रांची रेल मंडल ने यात्रियों की सुविधा के लिए विशेष इंतजाम किए हैं। दुर्गा पूजा, दीपावली और छठ जैसे महापर्वों के दौरान भारी भीड़ का अनुमान है। ऐसे में रेल प्रशासन ने न सिर्फ अतिरिक्त ट्रेनें चलाने का फैसला किया है। बल्कि भीड़ प्रबंधन, सुरक्षा और संचालन व्यवस्था को लेकर भी ठोस कदम उठाए हैं।

रांची रेल मंडल की सीनियर डीसीएम शुचि सिंह ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इन बातों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस बार रांची रेल मंडल से अब तक की सबसे बड़ी संख्या में स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जाएगा। यात्रियों की सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसी वजह से रेल प्रशासन पहले से ही तैयारी में जुट गया है।

त्योहार के दौरान यात्रियों की सबसे अधिक मांग बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश के लिए रहती है। इसी को देखते हुए मंडल ने कुल 14 स्पेशल ट्रेनों के संचालन की घोषणा की है। इनमें अधिकांश ट्रेनें पटना, गया, दरभंगा, वाराणसी, इलाहाबाद और गोरखपुर जैसे गंतव्यों के लिए चलाई जाएंगी। इन स्पेशल ट्रेनों का शेड्यूल जल्द ही जारी किया जाएगा।

शुचि सिंह ने बताया कि जरूरत पड़ने पर यात्रियों की भीड़ के हिसाब से नियमित चलने वाली ट्रेनों में अतिरिक्त बोगियां भी जोड़ी जाएंगी। इससे आम यात्रियों को त्योहारों पर अपने गंतव्य तक पहुंचने में आसानी होगी।

त्योहारों में अक्सर रेलवे स्टेशनों पर भारी भीड़ रहती है। रांची रेल मंडल ने इस चुनौती से निपटने के लिए अग्रिम रणनीति बनाई है। सीनियर डीसीएम ने बताया कि बड़े स्टेशनों पर यात्रियों की सुविधा के लिए विशेष टास्क फोर्स तैनात की जाएगी। साथ ही यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए रेलवे सुरक्षा बल और जीआरपी के जवानों की अतिरिक्त तैनाती होगी। रेलवे अधिकारियों की विशेष ड्यूटी लगाई गई है ताकि भीड़ के समय पर गेट मैनेजमेंट और प्लेटफॉर्म व्यवस्था सुचारू बनी रहे।

पर्व-त्योहार के दौरान मंडल के वरिष्ठ अधिकारी खुद भी व्यवस्थाओं की निगरानी करेंगे। डीसीएम ने बताया कि रांची रेल मंडल से जुड़े सभी प्रमुख स्टेशनों पर अधिकारियों को तैनात किया गया है। इनकी जिम्मेदारी होगी कि किसी भी समय यात्रियों को असुविधा न हो और ट्रेनों का संचालन समय पर हो सके।

रेल प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे त्योहार सीजन में टिकट पहले से बुक कर लें और बिना टिकट यात्रा न करें। इसके अलावा यात्रियों को सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत रेलवे अधिकारियों या सुरक्षा बल को देने के लिए कहा गया है।

रेल प्रशासन का कहना है कि यह पहला मौका है जब रांची रेल मंडल ने त्योहारी सीजन में इतनी बड़ी संख्या में स्पेशल ट्रेनों की घोषणा की है। इससे स्पष्ट होता है कि मंडल यात्रियों की सुविधा को लेकर गंभीर है और उनकी हर जरूरत का ख्याल रखा जा रहा है। त्योहार के दौरान जब लाखों यात्री अपने घरों की ओर लौटते हैं, तब रेलवे ही उनकी सबसे बड़ी सहारा बनता है। इस बार रांची रेल मंडल की योजना और तैयारियों से उम्मीद है कि यात्रियों को अपने गंतव्य तक आरामदायक और सुरक्षित यात्रा का अनुभव मिलेगा।

6 दिन बिना सांस लिए और सालभर बिना खाए जिंदा रह सकता है बिच्छू

हम सब जानते हैं कि हमें सांस लेने के लिए ऑक्सीजन की ज़रूरत होती है और इसके बिना ज़िंदगी संभव नहीं है. हालांकि एक जीव ऐसा भी है, जो 6 दिन बिना सांस लिए ज़िंदा रह सकता है.

दुनिया में आपने बहुत तरह के जीवों के बारे में पढ़ा और सुना होगा. हर जीव की अपनी खासियत होती है. कोई किसी चीज़ में अच्छा होता है तो कोई किसी चीज़ में बुरा. कई बार ऐसा भी होता है कि आप किसी खास जीव को उसकी विशेषता के बारे में जानते हैं. एक ऐसे ही दिलचस्प जीव के बारे में आज बताएंगे, जिसकी खासियत ही अलग है.

हमारी ज़िंदगी में सांस लेना कितना महत्वपूर्ण है, ये हम सभी जानते हैं. बिना सांस लिए तो हम जीने की कल्पना भी नहीं कर सकते हैं. हालांकि एक जीव ऐसा भी है, जो 6 दिन बिना सांस लिए ज़िंदा रह सकता है. इसको कुदरत ने बनाया ही कुछ ऐसा है कि वो अपना सांस लंबे वक्त तक रोक सकता है.

6 दिन बिना सांस लिए रह सकता है जीव

हम जिस जीव के बारे में बात कर रहे हैं, वो बिच्छू है. बिच्छू के फेफड़ों की बनावट ही कुछ ऐसी होती है कि वो लंबे वक्त तक अपनी सांस रोक सकता है. इस तरह के फेफड़ो को बुक लंग्स कहा जाता है. इनका आकार किताब के मुड़े हुए पन्नों की तरह होता है, इसीलिए उन्हें ये नाम दिया गया है. उनके फेफड़ों में अच्छी मात्रा में हवा रुक सकती है और ये सांस लेने की क्रिया के दौरान भी होता रहता है. यही वजह है कि हवा की रिज़र्व मात्रा रहने की वजह से वो 6 दिन तक बिना हवा को एक्सचेंज किए हुए भी ज़िंदा रह सकते हैं.

सालभर खाने की भी नहीं ज़रूरत

इतना ही नहीं इस जीव के बारे में दिलचस्प बात ये भी है कि ये पूरा एक साल बिना भोजन के गुजार सकते हैं. वे पानी भी बहुत कम पीते हैं, लेकिन इन्हें ज़िंदा रहने के लिए पानी की ज़रूरत होती है. ये किसी भी सतरह पर आराम से चढ़ सकते हैं और जब ये किसी अल्ट्रावायलेट लाइट के नीचे पड़ते हैं, तो चमकने लगते हैं.

सायनाइड से भरी पड़ी है यह खारी झील

साइंटिस्ट के लिए है रहस्य

मोनो झील एक मनमोहक प्राचीन खारी झील है. इसे अनोखे जीव, वैज्ञानिक महत्व, और आश्चर्यजनक सूर्यास्त के नजारों के लिए जाना जाता है. यह पक्षी देखने वालों के लिए स्वर्ग है और कलाकारों और फ़ोटोग्राफरों के लिए प्रेरणा का स्रोत है. हाल ही में यहां एक पुरातन जीव पाया गया है.

कैलिफोर्निया के पूर्वी सिएरा नेवादा में स्थित मोनो झील वास्तव में देखने लायक है. पानी का यह अनोखा और मनमोहक पिंड दुनिया में किसी और जैसा नहीं है, जो प्रकृति प्रेमियों और फ़ोटोग्राफरों की कल्पना को समान रूप से आकर्षित करता है. इसका शानदार फिरोजा रंग, टूफा टावर्स नाम की अनोखी चूना पत्थर की संरचनाएं और क्षारीय पानी इसे देखने लायक बनाते हैं. मोनो झील एक प्राचीन खारी झील है, जिसका इतिहास दस लाख साल से भी ज्यादा पुराना है. यह उत्तरी अमेरिका की सबसे पुरानी झीलों में से एक है और इसमें नमक की मात्रा मृत सागर के समान ही अधिक है. झील का बहुत ज्यादा खारापन इसे अधिकांश मछली प्रजातियों के लिए नाकाबिल बनाती है, लेकिन यह अद्वितीय नमकीन झींगा और क्षारीय मक्खियों के लिए एक बढ़िया जगह है. मोनो झील अपने खौफनाक और मनमोहक टूफा टावरों के लिए मशहूर है. ये अनोखी कैल्शियम कार्बोनेट संरचनाएं पानी की सतह से ऊपर उठती हैं, जिससे एक ऐसा अद्भुत और आश्चर्यजनक नजारा बनता है जो दुनिया में किसी और से अलग है. टूफा टावर मीठे पानी के झरनों और झील के क्षारीय पानी के मिलने से बनते हैं. मोनो झील 80 से ज़्यादा प्रवासी पक्षियों की प्रजातियों के लिए घोंसला बनाने की एक खास जगह है, जो इसे पक्षी देखने वालों के लिए स्वर्ग बनाती है. हर साल, हजारों पक्षी मोनो झील में आते हैं, जिनमें प्रतिष्ठित कैलिफ़ोर्निया गल, विल्सन का फलारोप और स्नोई प्लोवर शामिल हैं. यह वास्तव में पक्षी प्रेमियों का स्वर्ग है अगर मोनो झील खूबसूरत नजारों के लिए जानी जाती है, तो वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं के लिए भी कम दिलचस्प नहीं है. यह एक भूवैज्ञानिक चमत्कार है, जो हैरतअंगेज पर्वत श्रृंखलाओं और ज्वालामुखीय विशेषताओं से घिरा हुआ है. यह लॉन्ग वैली काल्डेरा में स्थित है, जो एक विशाल ज्वालामुखीय गड्ढा है जो 700,000 साल पहले बना था. सूर्यास्त के समय मोनो झील पर जाना वास्तव में एक जादुई अनुभव है. लेकिन ऐसा नहीं है कि यहां सूर्योदय के समय के नजारे कम हैं.आसमान में जीवंत रंगों के प्रतिबिंब एक मनमोहक दृश्य बनाते हैं, जो टूफ़ा टावरों के सिल्हूट से और भी अधिक सुंदर हो जाते हैं. यह एक फोटोग्राफरों का स्वर्ग है और यहां कि आपको प्रकृति की सुंदरता से विस्मित कर देता है.

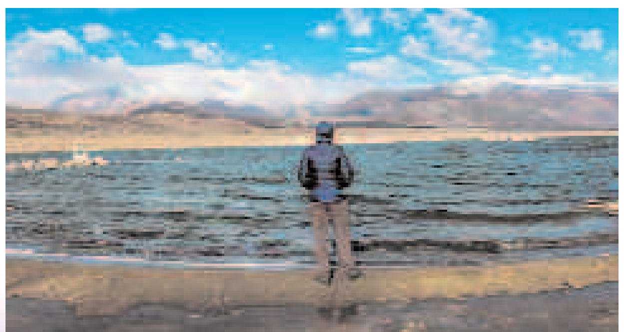

नीली जीभ से पहचानी जाती है ये बड़ी छिपकली, पाली भी जा सकती हैं

नीली जीभ वाली स्किंक देखने में खतरनाक लगती है, लेकिन हैरानी की बात ये है इस छिपकली को पाला भी जा सकता है. लेकिन इसे पालना आसान नहीं हैं क्योंकि इसे रखते समय सावधानी बरतनी होती है क्योंकि यह ऊंगली को भी खाना समझ कर काट सकती है.

दुनिया में कई जानवर आकार तो कुछ अपने अजीब से आकृति या रंग के लिए अजीब से लगते हैं. ऐसा ही एक जानवर है नीली जीभ वाली स्किंक. वैसे तो यह एक प्रकार की छिपकली है और दो फुट का आकार इसे अपने आप में खास बनाता है, लेकिन यह अपनी खास और अलग ही तरह की नीले रंग की जीभ से ज्यादा पहचानी जाती है. इस जीभ के कई उपयोग होते हैं. लेकिन इस जानवर का सबसे रोचक पहलू यही है कि इसे पाला जा सकता है. स्किंक छिपकली की प्रजाति के जानवर होते हैं. उनके पैर आम छिपकली से छोटे, औरगर्दन कम लचीली होती है. नीली जीभ के स्किंक की उम्र करीब 30 साल तक की होती है. इनकी लंबाई करीब 2 फुट तक की और भार आधा किलोग्राम तक का होता है. छिपकली जैसा शरीर तो पीले, लाल और कत्थई रंग का होता है, लेकिन अगर आप केवल मुंह देखने को आपको उनके सांप होने का धोखा हो सकता है.

अगर आपको लगता है कि नीली जीभ के स्किंक की जीभ का केवल रंग ही नीला है और इसके अलावा उसमें कुछ खास नहीं है तो आप गलत हैं. यह जीभ पराबैंगनी प्रकाश को परावर्तित यानी रिफ्लेक्ट कर सकती है. जो जानवर ऐसी किरणों को देख पाते हैं, उनके लिए तो इस स्किंक की जीभ बहुत ही चमकीली लगती है. यह गुण स्किंक को दूसरे शिकारियों और अन्य स्किंक प्रतियोकियों से बचाता है. नीली जीभ के स्किंक की जीभ का केवल यही उपयोग नही है. इसके जरिए वे अपने परिवार की अन्य छिपकलियों के बीच लंबी दूरी के संचार भी कर सकती हैं. इसकी वजह ये है कि इस जीभ को दूर से देखना बहुत आसान है, जो सबसे चमकीली जीभ वाले स्किंक को कई फायदे दे सकता है. इससे रक्षा करने में मदद मिलती है.

झाड़ीवाले इलाके में रहने वाले नीली जीभ के स्किंक ऑस्ट्रेलिया, न्यू गुयाना और इंडोनेशिया में अधिक पाये जाते हैं. ये फल फूल के अलावा कई तरह के पक्षी और जानवर खाते हैं. लेकिन ये छिपकर ही शिकार करते हैं और बहुत ज्यादा फुर्तीले नहीं होते हैं, बल्कि बहुत ही धीमी गति से चलने के लिए जाने जाते हैं. लेकिन ये शहरी वातावरण में खुद को ढाल लेते हैं और ट्रैफिक से बच कर रहना सीख जाते हैं. नीली जीभ के स्किंक की खास बात ये होती है कि ये अपने ही परिवार यानी भाई बहनों के साथ शारीरिक संबंध नहीं बनाते हैं. ऐसे ये करते कैसे हैं यह आज भी वैज्ञानिकों के लिए रहस्य है, लेकिन ये साथी चुनने में बहुत सावधानी बरतते हैं और नर एक ही मादा के साथ हमेशा रहते हैं जो इन जानवरों के साथ होना एक चौंकाने वाला गुण है. सबसे खास बात नीली जीभ के स्किंक के बारे में यही है कि उन्हें पाला जा सकता है, बल्कि पाला भी जाता है. वे शहरी वातावरण में रह सकते हैं. इनका रखरखाव आसान और सस्ता होती है. इनकी देखभाल भी तुलनात्मक तौर से आसान होती है. इन्हें हाथ से खिलाना तो आसान होता है, लेकिन कई बार ये ऊंगलियों को ही खाना समझ कर काट लेते हैं. ऐसे में सावधानी की जरूरत होती है.

दुनिया का सबसे छोटा एयरपोर्ट

स्कैनिंग मशीन तक नहीं

दुनिया में एक ऐसा भी एयरपोर्ट है, जो आम हवाई अड्डों से बिल्कुल अलग है. यहां लग्ज़री जैसा कुछ भी नहीं है. यहां की हर एक चीज़ अतरंगी है. चलिए आपको इसके बारे में बताते हैं.

एयरपोर्ट का नाम लेते ही ऐसी लग्ज़री वाली फीलिंग आती है. हालांकि दुनिया में एक ऐसा भी एयरपोर्ट है, जो आम हवाई अड्डों से बिल्कुल अलग है. यहां की हर एक चीज़ अतरंगी है.

एक समय था, जब लोगों के लिए एक जगह से दूसरी जगह तक यात्रा करना भी एक लग्ज़री होती थी. खासतौर पर अगर कोई हवाई जहाज से कहीं जाता था, तो ये शान की बात होती थी. हालांकि वक्त बदलने के साथ ही हुआ कुछ यूं कि लोगों के लिए ये सब कुछ सामान्य सा होता चला गया. हालांकि आज भी एक ऐसा एयरपोर्ट है, जो लग्ज़री यात्रा तो ऑफर करता है लेकिन एयरपोर्ट पर ऐसा कुछ भी नहीं है. एयरपोर्ट का नाम लेते ही ऐसी लग्ज़री वाली फीलिंग आती है. यहां चेक इन करने के बाद से ऐसी हाई क्लास सुविधाएं मिलती हैं कि इंसान का इंतज़ार भी एक हैप्पी ट्रिप में बदल जाता है. हालांकि दुनिया में एक ऐसा भी एयरपोर्ट है, जो आम हवाई अड्डों से बिल्कुल अलग है. यहां लग्ज़री जैसा कुछ भी नहीं है. चलिए आपको इसके बारे में बताते हैं.

ये एयरपोर्ट थोड़ा अलग है

रिपोर्ट के मुताबिक कोलंबिया के अगुआचिका नाम की जगह पर हैकारिटैमा एयरपोर्ट है, जो दुनिया भर में अपने कम जगह में बने होने की वजह से मशहूर है.

इस एयरपोर्ट पर सिर्फ दो वेटिंग एरिया हैं – एक जब आप यहां पहुंचते हैं और दूसरा जहां आपका सामान चेक होता है. यहां पर सामान चेक करने के लिए कोई स्कैनर नहीं है, बल्कि इसे मैनुअली चेक किया जाता है. दरअसल यहां स्कैनर मशीन की जगह ही नहीं है. जब लोग एयरपोर्ट पर आते हैं, तो उन्हें धूप में ही लाइन लगाकर इंतज़ार करना पड़ता है.

आम के पेड़ के नीचे वेटिंग एरिया

यहां पर इंतज़ार करने के लिए कोई आलीशान वेटिंग रूम नहीं है, बल्कि लोग आम के पेड़ के नीचे बनी बेंच पर इंतज़ार करते हैं. पुरुषों और महिलाओं के लिए एक-एक वेटिंग रूम है. चूंकि यहां सिर्फ 48 पैसेंजर ही होते हैं, इसलिए ये साफ-सुथरा होते हैं. प्लेन भले ही यहां पर छोटी ही हो, लेकिन सीटें काफी आरामदेह होती हैं. आपको अपना सामान डेस्टिनेशन पर लेने के लिए एक टिकट दिया जाता है, जिसे दिखाना होता है.

घरेलू निवेशकों ने 9 माह में खरीदे रिकॉर्ड 5.3 लाख करोड़ के शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार में घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) की सक्रियता में इस साल अभूतपूर्व वृद्धि देखी गई है। डीआईआई ने सिर्फ 9 महीनों में ही रिकॉर्ड 5.3 लाख करोड़ के शेयर खरीदे हैं, जो 2024 के पूरे साल में 5.22 लाख करोड़ के निवेश से अधिक है। यह खरीदी विशेष रूप से म्यूचुअल फंड्स ने की है, जिनका कुल खरीदारी में योगदान 3.65 लाख करोड़ रुपये रहा। इसमें हर महीने 25,000 करोड़ रुपये से अधिक का सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) में निवेश भी शामिल है। म्यूचुअल फंड्स के

अलावा बीमा कंपनियों और पेंशन फंड्स ने भी एक लाख करोड़ से अधिक निवेश किया। बाकी का निवेश पोर्टफोलियो मैनेजर्स, अल्टरनेटिव फंड्स, बैंक और अन्य संस्थाओं से आया है। इस मजबूत निवेश रुझान के बावजूद विश्लेषकों का कहना है कि बाजार में रिटर्न स्थिर होने और वैश्विक दबावों के कारण निवेशकों की धारणा में कमजोरी के संकेत देखे जा रहे हैं।

वैश्विक बाजारों की तुलना में खराब प्रदर्शन– डीआईआई की मजबूत खरीदारी के बावजूद भारतीय इक्विटी बाजार वैश्विक समकक्षों से पिछड़ गया है। 2025 में डॉलर के रूप में सेंसेक्स और निफ्टी क्रमशः दो फीसदी एवं 4 फीसदी ही बढ़े हैं। वहीं, प्रमुख एशियाई और पश्चिमी शेयर बाजारों ने दोहरे अंकों में वृद्धि दर्ज की है। अगस्त में इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में 33,430 करोड़ रुपये का निवेश हुआ, जो जुलाई में 42,702 करोड़ से कम है। इसके साथ ही, निवेशकों ने मुनाफा कमाकर स्मॉलकैप एवं थीमैटिक फंड्स से निकासी की और इस रकम का इस्तेमाल रियल एस्टेट जैसे अन्य क्षेत्रों में निवेश में किया।

कर्जदारों को राहत, लोन डिफॉल्ट में फोन लॉक करने पर अब लगेगी लगाम!

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक कुछ छोटे पर्सनल लोन के लगातार डिफॉल्ट (किस्त न चुकाने) होने पर डिवाइस लॉक करने वाली टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल को रेगुलेट करने के प्रस्ताव पर विचार कर रहा

है। सूत्रों ने बताया कि इस मुद्दे पर अभी कोई अंतिम फैसला नहीं लिया गया है। लेकिन उपभोक्ताओं और कर्ज देने वालों दोनों की जरूरतों को बैलेंस किया जाएगा।

स्मार्टफोन जैसी चीजें खरीदने के लिए दिए जाने वाले कुछ लोन में कर्ज देने वाले कंपनियां अपनी बकाया राशि वसूलने के लिए दूर बैठे ही डिवाइस को निष्क्रिय कर देती हैं। यूजर्स को फोन इस्तेमाल करने से रोक देती हैं। एक सूत्र ने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त सुरक्षा उपाय होने चाहिए कि उधार लेने वालों को परेशान न किया जाए। यह माना जा रहा है कि डिजिटल लॉकिंग टेक्नोलॉजी जैसे तरीकों का बेरोकटोक इस्तेमाल लोन लेने वालों के लिए जोखिम पैदा करता है। इससे उनके निजी डेटा तक उनकी पहुंच प्रभावित होती है।

सिर्फ 60 हजार से बना दी 30 करोड़ के टर्नओवर वाली कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। यह कहानी हैदराबाद के युवा उद्यमी उन्नत रेड्डी की है। उन्होंने सिर्फ 60,000 रुपये के शुरुआती निवेश को दो साल में 30 करोड़ रुपये के टर्नओवर वाली कंपनी में बदल दिया। उनकी कंपनी का नाम फैकस्पेस है। यह एक प्रॉप-टेक स्टार्टअप है। को-ओनरशिप मॉडल के जरिये कंपनी निवेशकों को प्रॉपर्टी खरीदने में मदद करती है। उन्नत रेड्डी का टारगेट मध्यम वर्ग के परिवारों के लिए महंगी प्रॉपर्टी खरीदना आसान बनाना है। आइए, यहां उन्नत रेड्डी की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

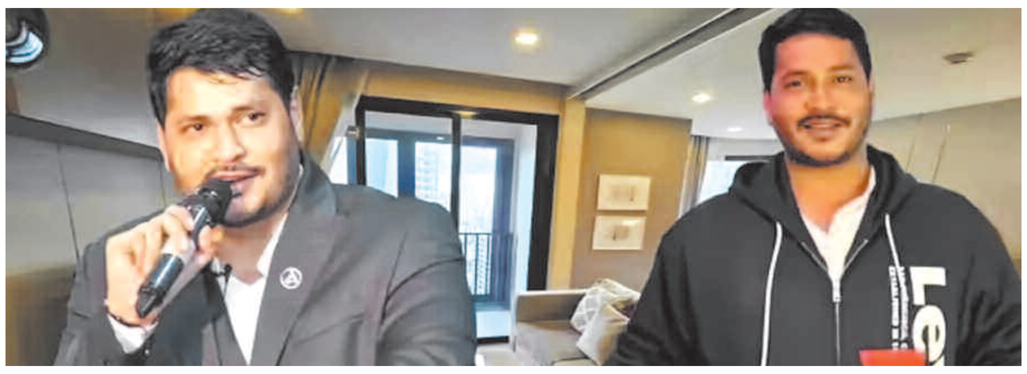

सिर्फ 60,000 की पूंजी से शुरुआत– उन्नत रेड्डी ने अपने करियर की शुरुआत सिर्फ 16 साल की उम्र में कर दी थी। उन्होंने हॉस्पिटैलिटी और रियल एस्टेट समेत कई अलग-अलग क्षेत्रों में काम किया। 2022 में उन्होंने अपनी खुद की कंपनी फैकस्पेस शुरू की। इसके लिए उन्होंने सिर्फ 60,000 रुपये का निवेश किया। उनकी कंपनी का मुख्य मकसद सह-स्वामित्व यानी को-ओनरशिप मॉडल के जरिए महंगी प्रॉपर्टी को मध्यवर्गीय परिवारों के लिए सुलभ बनाना था। इस मॉडल के तहत कई निवेशक मिलकर एक प्रॉपर्टी में निवेश करते हैं और उसके मालिक बन जाते हैं। उनके इस आइडिया ने निवेशकों को आकर्षित किया। जल्द ही उन्हें 10 लाख रुपये का पहला निवेश मिला। इसने उन्हें अपनी कॉरपोरेट नौकरी छोड़कर पूरी तरह से अपने बिजनेस पर फोकस करने का आत्मविश्वास दिया।

फैकस्पेस का बिजनेस मॉडल कारगर साबित हुआ। कंपनी का दावा है कि वह निवेशकों को सालाना 8प्रतिशत का रिटर्न देती है। अपनी शुरुआत के एक साल के भीतर ही कंपनी ने 12 करोड़ रुपये का टर्नओवर हासिल कर लिया। फिर उसके अगले साल यह दोगुने से ज्यादा बढ़कर 30 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी इस समय गोवा, मुन्नार, बाली और दुबई जैसे मशहूर टूरिस्ट डेस्टिनेशन सहित 23 से ज्यादा प्रॉपर्टीज का प्रबंधन करती है। उन्नत प्रॉपर्टी का चुनाव बहुत सावधानी से करते हैं। खासकर उन जगहों पर जहां पर्यटन ज्यादा है और किराये से अच्छी आय होती है।

सही प्रॉपर्टी चुनने पर सबसे ज्यादा फोकस

उन्नत रेड्डी प्रॉपर्टी का चुनाव करने के लिए गहरी रिसर्च करते हैं। हैदराबाद में बंजारा हिल्स के लक्जरी सुइट रूम और केरल के मुन्नार में हिलटॉप मुन्नार रिसॉर्ट जैसी प्रॉपर्टीज इसी सोच का हिस्सा हैं। इन प्रॉपर्टीज को इसलिए चुना गया है क्योंकि ये शानदार नजारों और सुविधाओं के साथ पर्यटकों को आकर्षित करती हैं। इसके अलावा, गोवा और बाली जैसे सालभर चलने वाले पर्यटन स्थलों में भी उनकी मौजूदगी है। उन्नत किराये की कीमतों को भी बाजार के रुझानों के हिसाब से बदलते रहते हैं ताकि निवेशकों को लगातार रिटर्न मिलता रहे।

आगे 100 करोड़ का टारगेट

उन्नत का टारगेट अब 30 करोड़ रुपये के टर्नओवर को 100 करोड़ रुपये तक ले जाना है। इसके लिए कंपनी अपनी अंतरराष्ट्रीय पहुंच को और बढ़ाने की योजना बना रही है। इसमें बाली, दुबई, थाईलैंड और मालदीव जैसे लोकप्रिय डेस्टिनेशन शामिल हैं। भारत में वह जयपुर, मनाली और ऊटी जैसे टियर-2 शहरों पर फोकस कर रहे हैं। इसके साथ ही, वह अपने पोर्टफोलियो में कमर्शियल प्रॉपर्टीज को भी जोड़ रहे हैं ताकि कारोबार और पर्यटन दोनों से किराये की आय सुनिश्चित हो सके। कंपनी अपने सह-स्वामित्व मॉडल को बढ़ावा देने के लिए एक बड़ा रियल एस्टेट एक्सपो भी आयोजित करने की योजना बना रही है।

अंबानी को पछाड़ अडानी बहुत जल्द बन सकते हैं एशिया के नंबर-1 अरबपति, दौलत में बंपर उछाल

नई दिल्ली, एजेंसी। अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी की दौलत अगर इसी तरह बढ़ती रही तो वह बहुत जल्द मुकेश अंबानी को पीछे छोड़ देंगे। सेबी से क्लीन चिट मिलने के बाद अडानी ग्रुप के शेयरों में लगातार उछाल से अडानी के ऊपर डॉलर की बारिश हो रही है। सोमवार को उनकी दौलत में 8.28 अरब का इजाफा हुआ और वह एशिया के सबसे रईस व्यक्ति बनने की राह पर हैं। सोमवार को दुनिया के टॉप गेनर्स अरबपतियों में अडानी तीसरे स्थान पर रहे। सोमवार की कमाई के मामले में पहले पर लैरी एलिसन, दूसरे पर एलन मस्क रहे। दुनिया के अमीरों की टॉप-20 लिस्ट में अडानी 95.7 अरब डॉलर के साथ 19वें स्थान पर हैं। जबकि, ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स में रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी 98.6 अरब डॉलर के साथ 18वें पोजीशन पर। अभी अडानी ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स में एशिया के दूसरे सबसे रईस व्यक्ति हैं। अंबानी की संपत्ति सोमवार को 1.42 अरब डॉलर घट गई।

मस्क को भी नंबर-1 का ताज खोने का खतरा

दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क पर भी नंबर वन का ताज छिन जाने का खतरा मंडरा रहा है। हालांकि, सोमवार को उनकी संपत्ति में 11.4 अरब डॉलर का इजाफा हुआ। लेकिन, उनके ठीक पीछे चल रहे ओरेकल के फाउंडर लैरी एलिसन की दौलत 20.4 अरब डॉलर बढ़ी। अब एलिसन के पास 388 अरब डॉलर की संपत्ति है और मस्क के पास 452 अरब डॉलर।

नहीं चुकाई ईएमआई तो वसूली के लिए 'एआई एजेंट' करेगा फोन, ग्राहकों को बरतनी होगी सावधानी

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में बैंकों और वित्तीय संस्थानों ने ऋण वसूली के लिए एआई का इस्तेमाल शुरू कर दिया है। अगर कोई ग्राहक समय पर अपनी किस्त यानी ईएमआई नहीं चुकाता है तो 'एआई एजेंट' उसे कॉल करके या मैसेज भेजकर किस्त जमा करने के लिए कहेंगे। इस पहल का मकसद बैंकिंग खर्च कम करना और बकाया ऋण वसूलने की प्रक्रिया को आसान बनाना है।

जानकारी के अनुसार, जो ग्राहक ऋण का भुगतान करने में चूक जाते हैं उन्हें एक एआई-जनित अवतार से वीडियो कॉल आने की संभावना है। ये 'एआई एजेंट' बैंक प्रतिनिधि या वकील अथवा अन्य किसी स्वरूप में हो सकते हैं। इनका एकमात्र उद्देश्य लोन का भुगतान करवाना होगा।

ये एआई अवतार कॉल के दौरान ग्राहकों को भुगतान करने के लिए प्रेरित करते हैं। बताया जा रहा है कि इन्हें विनम्र बने रहने और सीमाओं का उल्लंघन न करने के लिए प्रोग्राम किया गया है। हालांकि, जरूरत पड़ने पर कानूनी भाषा का उपयोग भी कर सकते हैं।

निजी बैंकों में सुविधा शुरू

कई बड़े निजी बैंकों और वित्तीय संस्थाओं ने इस एआई सिस्टम को अपना लिया है। इनके लिए कई आई कंपनियां 'एआई बॉट' उपलब्ध करा रही हैं। इन एजेंटों का फायदा यह है कि ये 24 घंटे बिना थके काम कर सकते हैं और बहुत कम खर्च में बड़ी संख्या में ग्राहकों तक पहुंच सकते हैं। वहीं, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक अभी इस प्रणाली को पूरी तरह अपनाने पर विचार कर रहे हैं।

बैंकों का मकसद

बताया जा रहा है कि एआई एजेंट के जरिए ग्राहकों से समय रहते संपर्क किया जा सकेगा, जिससे बैंकों की बकाया रकम फंसने का खतरा कम होगा। एक रिपोर्ट के अनुसार, एक मानव रिकवरी एजेंट हर महीने में लगभग 250 मामले देखता है। वहीं, एआई एजेंट इसके मुकाबले 20 गुना तक ज्यादा कॉल कर सकता है और 40-60 प्रतिशत सस्ता पड़ता है।

ग्राहकों को बरतनी होगी सावधानी

विशेषज्ञों का कहना है कि ग्राहकों के लिए यह नई व्यवस्था सुविधाजनक हो सकती है, लेकिन उन्हें सावधान रहना होगा। अगर किसी को वीडियो कॉल या मैसेज आता है, तो पहले यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि वह कॉल वास्तव में बैंक की ओर से हो, न कि किसी धोखाधड़ी करने वाले की। खासतौर पर खाता नंबर, पासवर्ड या ओटीपी जैसी गोपनीय जानकारी किसी भी हालत में साझा नहीं करनी चाहिए।

पेटीएम का इस्तेमाल करने वालों के लिए जरूरी खबर, 31 अक्टूबर तक मिला है मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने आम उपभोक्ताओं और व्यापारियों को बड़ी राहत दी है। अब पुराने पेटीएम यूपीआई हैंडल से जुड़े सारे ऑटोपे 31 अक्टूबर 2025 तक चलते रहेंगे। पहले इनको 1 सितंबर से बंद करने का निर्देश था। इस फैसले से करीब 1 लाख ग्राहकों को राहत मिलेगी।

तीसरी बार बढ़ी समयसीमा– निगम ने तीसरी बार इस समयसीमा को बढ़ाया है। निगम ने व्यापारियों से तुरंत पेटीएम के साथ मिलकर सक्रिय ऑटोपे को नए बैंकों में स्थानांतरित करने को कहा है ताकि ग्राहकों को परेशानी न हो।

बताया जा रहा है कि कई ग्राहकों ने अभी तक पेटीएम हैंडल से जुड़े ऑटोपे को रद्द नहीं किया है। बार-बार याद दिलाने के बावजूद, कई ग्राहकों ने यह कदम नहीं उठाया।

इस फैसले से करीब एक लाख ग्राहकों को राहत मिलेगी, जिनकी मोबाइल रिचार्ज, बिजली-पानी के बिल, ओटीटी प्लेटफॉर्म और बीमा प्रीमियम जैसी सेवाओं की ऑटोमैटिक किस्तें पुराने पेटीएम हैंडल से जुड़ी हुई थीं।

क्या है मामला – गौरतलब है कि आरबीआई ने पिछले साल पेमेंट्स बैंक में गड़बड़ियों के चलते पेटीएम हैंडल के इस्तेमाल पर पाबंदी लगाई थी। इसके बाद नेशनल राष्ट्रीय भुगतान निगम ने सभी पेटीएम हैंडल को दूसरे बैंकों में स्थानांतरित करने का आदेश दिया। हालांकि, कई पुराने हैंडल अब भी ऑटोपे से जुड़े हैं, जिससे समय पर भुगतान न होने का खतरा है।

ग्राहकों को क्या करना होगा – ग्राहकों की सहमति के बिना ऑटोपे को तकनीकी तौर पर नहीं बदला जा सकता, इसलिए ग्राहकों को खुद यह बदलाव करना होगा।

200 पर जाएगा टाटा का यह शेयर, अनिश्चितताओं के बीच एक्सपर्ट की न्यूट्रल रेटिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड ने मंगलवार को टाटा स्टील की मौजूदा रणनीति पर टिप्पणी की। कंपनी फिलहाल अपनी घरेलू क्रूड स्टील उत्पादन क्षमता को दोगुना करने और यूरोपीय परिचालनों का पुनर्गठन करने पर काम कर रही है, ताकि प्रतिस्पर्धात्मकता और स्थिरता में सुधार हो सके। स्ल्हस्नस्रु ने कहा कि मौजूदा बाजार परिस्थितियों के आधार पर टाटा स्टील का शेयर पहले से ही सकारात्मक पहलुओं को दर्शाता है। ब्रोकरेज हाउस ने कंपनी को 'न्यूट्रल' रेटिंग दी है। रिपोर्ट के अनुसार, टाटा स्टील वर्तमान स्तरों पर 7.6 गुना इवी/इबीआइटीडीए़ और 4.1 गुना एफवाय27 पी/बी के मूल्यांकन पर ट्रेड कर रही है। यानी निवेशकों के लिए कंपनी की भविष्य की अच्छी संभावनाएं पहले ही कीमतों में शामिल हो चुकी हैं। बता दें कि आज मंगलवार को कंपनी के शेयर 171.65 रुपये के भाव पर हैं।

क्या है टारगेट प्राइस– मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड ने टाटा स्टील पर अपनी ताजा रिपोर्ट में कहा कि कंपनी का शेयर अगले कुछ सालों में सीमित बढ़त दिखा सकता है। ब्रोकरेज ने टाटा स्टील के लिए 200 प्रति शेयर का टारगेट प्राइस एफवाय27 आधार पर तय किया है। रिपोर्ट में कहा गया कि जहां निकट भविष्य में वैश्विक अनिश्चितताएं बनी हुई हैं, वहीं भारतीय कारोबार मजबूत प्रदर्शन करता रहेगा और यूरोपीय परिचालनों में भी सुधार की दिशा में काम हो रहा है। टाटा स्टील भारत में आक्रामक क्षमता विस्तार रणनीति पर काम कर रही है ताकि घरेलू मांग में हो रही तेज़ वृद्धि का लाभ उठाया जा सके। कंपनी का लक्ष्य है कि अपनी मौजूदा 21.6 मिलियन टन प्रति वर्ष क्रूड स्टील क्षमता को बढ़ाकर एफवाय30 तक 40 एमटीपीए तक पहुँचाया जाए।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत 25 लाख महिलाओं को फ्री एलपीजी कनेक्शन का तोहफा

नई दिल्ली, एजेंसी। नवरात्रि पर वस्तु एवं सेवाकर यानी जीएसटी में टौती के साथ जीएसटी बचत उत्सव के साथ सरकार ने नारी शक्ति को ो बड़ा तोहफा दिया है। सरकार ने नवरात्रि के शुभारंभ के साथ 25 लाख धानमंत्री उज्ज्वला गैस कनेक्शन देने का ऐलान किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र ादी ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर एक पोस्ट कर कहा कि नवरात्रि के भ अवसर पर उज्ज्वला परिवार से जुड़ने वाली हमारी सभी माताओं बहनों ो बहुत बहुत बधाई और शुभकामनाएं। उन्होंने कहा कि सरकार के इस दम से ना सिर्फ इस पावन पर्व पर महिलाओं को नई खुशी मिलेगी, बल्कि री शक्तिकरण के हमारे संकल्पों को भी और मजबूती मिलेगी। इससे पहले द्रीय पेट्रोलियम एवं प्रकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सोशल मीडिया ाइट एक्स पर पोस्ट कर कहा कि नवरात्रि के शुभारंभ के साथ निशुल्क 5 लाख नए प्रधानमंत्री उज्ज्वला रसोई गैस कनेक्शन की सौगात इस बात ा प्रमाण है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी महिलाओं को देवी दुर्गा के समान म्मान देते हैं।

हर कनेक्शन पर 2050 रुपए खर्च करेगी सरकार– देश में इस क्त 10 करोड़ 35 लाख सक्रिय उज्ज्वला रसोई गैस कनेक्शन हैं। वरात्रि के पहले दिन घोषित 25 लाख नए प्रधानमंत्री उज्ज्वला रसोई स कनेक्शन के बाद उज्ज्वला गैस कनेक्शन की संख्या बढ़कर 10 रोड़ 60 लाख हो जाएगी। पेट्रोलियम मंत्री ने कहा कि हर नए गैस नेक्शन पर सरकार 2050 रुपए खर्च करेगी। प्रधानमंत्री उज्ज्वला सोई गैस कनेक्शन के तहत लाभार्थी को मुफ्त एलपीजी सिलेंडर के ाथ गैस चूल्हा और रेगुलेटर मुफ्त दिया जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक मई 2016 को उत्तर प्रदेश के बलिया से उज्ज्वला योजना की रुआत की थी।

ओपन हो गए हैं 10 कंपनियों के आईपीओ, 4 दिग्गज नाम भी लिस्ट में

नई दिल्ली, एजेंसी। प्राइमरी मार्केट में आज 10 कंपनियों के आईपीओ खुल रहे हैं। इन 10 कंपनियों में 4 बड़ी कंपनियां है। तो वहीं 6 कंपनियां एसएमई सेगमेंट की है। आइए एक-एक करके जानते हैं इन कंपनियों के प्राइस बैंड और जीएमपी के विषय में ...

आनंद राठी शेयर आईपीओ– कंपनी के आईपीओ का साइज 745 करोड़ रुपये का है। कंपनी 53 लाख फ्रेश शेयर जारी करेगी। वहीं, 1.80 करोड़ शेयर ऑफर फार सेल के तहत जारी किए जाएंगे।आनंद राठी शेयर आईपीओ का प्राइस बैंड 393 रुपये से 414 रुपये प्रति शेयर निर्धारित किया गया है। कंपनी ने 36 शेयरों का एक लॉट बनाया है। जिसकी वजह से निवेशकों को कम से कम 14904 रुपये का दांव लगाना होगा। कंपनी के आईपीओ का जीएमपी आज 31 रुपये प्रति शेयर है।

शेषसाई टेक्नोलॉजीज आईपीओ– इस कंपनी के आईपीओ का साइज 813.07 करोड़ रुपये का है। कंपनी आईपीओ के जरिए 1.13 करोड़ फ्रेश शेयर जारी करेगी। इस आईपीओ का प्राइस बैंड 402 रुपये से 423 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी ने 35 शेयरों का एक लॉट बनाया है। जिसकी वजह से निवेशकों को कम से कम 14805 रुपये का दांव लगाना होगा। आज कंपनी का आईपीओ 88 रुपये के जीएमपी पर ट्रेड कर रहा है।

जारो इंस्टीट्यूट आईपीओ– इस कंपनी के

आईपीओ का साइज 450 करोड़ रुपये का है। इस कंपनी के आईपीओ का प्राइस बैंड 846 रुपये से 890 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी ने 16 शेयरों का एक लॉट बनाया है। जिसकी वजह से मिनिमम इंवेस्टमेंट अमाउंट 14240 रुपये है। बता दें, कंपनी का आईपीओ 122 रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहा है।

सोलरवर्ल्ड एनर्जी सॉल्यूशंस आईपीओ– कंपनी ने आईपीओ के लिए प्राइस बैंड 333 रुपये से 351 रुपये प्रति शेयर तय किया है। कंपनी की तरफ से 42 शेयरों का एक लॉट बनाया गया है। जिसकी वजह से निवेशकों को कम से कम 14742 रुपये का दांव लगाना होगा। सोलरवर्ल्ड आईपीओ का साइज 490 करोड़ रुपये का है। इस आईपीओ का जीएमपी 65 रुपये प्रति शेयर है।

इकोलाइन एक्जिम आईपीओ– इस एसएमई कंपनी के आईपीओ का साइज 76.42 करोड़ रुपये का है। कंपनी ने 134 रुपये से 141 रुपये प्रति शेयर प्राइस बैंड तय किया है। वहीं, लॉट साइज 1000 शेयरों का बनाया गया है। एक रिटेल निवेशक को कम से कम 2 लॉट पर एक साथ दांव लगाना होगा। ग्रे मार्केट में कंपनी का आईपीओ 10 रुपये के प्रीमियम पर है।

एनएसबी बीपीओ सॉल्यूशंस आईपीओ– कंपनी के आईपीओ का साइज 77.91 करोड़ रुपये का है। कंपनी के आईपीओ का प्राइस बैंड 140 रुपये से 147 रुपये प्रति शेयर निर्धारित किया गया है। कंपनी ने 1000 शेयरों का एक लॉट बनाया है। जिसकी वजह से निवेशकों को कम से कम 2,94,000 रुपये का इंवेस्टमेंट करना होगा। इंवेस्टर्स गेन की रिपोर्ट के अनुसार आईपीओ का मौजूदा जीएमपी शून्य है।

मैट्रिक्स जियो सॉल्यूशंस आईपीओ– इस आईपीओ का प्राइस बैंड 98 रुपये से 104 रुपये प्रति शेयर है। कंपनी ने 1200 शेयरों का एक लॉट बनाया है। किसी भी निवेशक को कम से कम 2 लॉट पर एक साथ दांव लगाना होगा। कंपनी के आईपीओ का मौजूदा जीएमपी 13 रुपये है।

टू कलर्स आईपीओ

कंपनी का आईपीओ 23 सितंबर को खुल जाएगा। निवेशकों के पास 25 सितंबर तक दांव लगाने का मौका रहेगा। इस आईपीओ का प्राइस बैंड 181 रुपये से 191 रुपये तय हुआ है। कंपनी ने 600 शेयरों का एक लॉट बनाया है। ग्रे मार्केट में कंपनी का आईपीओ 45 रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहा है।

- एप्टस फार्मा आईपीओ

कंपनी के आईपीओ का साइज 65 रुपये से 70 रुपये प्रति शेयर निर्धारित किया गया है। कंपनी ने 2000 शेयरों का एक लॉट बनाया है। जिसकी वजह से कम से कम 2,80,000 रुपये का इंवेस्टमेंट करना होगा। कंपनी के आईपीओ का जीएमपी 7 रुपये है।

भारतरोहन एयरबोर्न इनोवेशन्स आईपीओ

इस कंपनी के आईपीओ का साइज 45.04 करोड़ रुपये का है। कंपनी का आईपीओ 23 सितंबर से 25 सितंबर तक खुला रहेगा। कंपनी ने आईपीओ के लिए 80 रुपये से 85 रुपये प्राइस बैंड तय किया है। ग्रे मार्केट में कंपनी का आईपीओ जीरो रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहा है।

वेस्टइंडीज के खिलाफ

टेस्ट सीरीज से बाहर हो सकते हैं ऋषभ पंत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत वेस्टइंडीज के खिलाफ दो मैचों की घरेलू टेस्ट सीरीज से बाहर हो सकते हैं। यह टेस्ट सीरीज 2-14 अक्टूबर के बीच खेली जानी है। ऋषभ पंत इंग्लैंड के खिलाफ एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में भारत के उप-कप्तान रहे थे, लेकिन मैनचेस्टर में चौथे टेस्ट के दौरान उनके बाएं पैर में फ्रैक्चर हो गया। वह इस मैच में लंगड़ाते हुए बल्लेबाजी के लिए उतरे, लेकिन ओवल में खेले गए आखिरी टेस्ट में नहीं खेल सके। पंत के स्थान पर सीरीज के अंतिम मैच में एन जगदीशन को टीम में शामिल किया गया था। वह फिलहाल बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, इस समय ऋषभ पंत स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग से गुजर रहे हैं। बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग शुरू करने से पहले बीसीसीआई की मेडिकल टीम की ओर से अपडेट का इंतजार किया जा रहा है। पंत की वापसी के लिए कोई निश्चित समय-सीमा तय नहीं की गई है। पंत की अनुपस्थिति में, ध्रुव जुरेल वेस्टइंडीज के विरुद्ध सीरीज में भारत के विकेटकीपर होंगे, जिन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के अंतिम दो टेस्ट मैच में विकेटकीपिंग की थी। अगर चयनकर्ता वेस्टइंडीज सीरीज के लिए दूसरे विशेषज्ञ विकेटकीपर का चयन करते हैं, तो एन जगदीशन बैकअप विकल्प हो सकते हैं। यह भी माना जा रहा है कि चयनकर्ता टेस्ट सीरीज के लिए नितीश कुमार रेड्डी और देवदत्त पडिक्कल के नाम पर विचार कर सकते हैं। भारत-वेस्टइंडीज के बीच यह सीरीज विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का हिस्सा है। भारत-इंग्लैंड के बीच पांच मुकाबलों की टेस्ट सीरीज 2-2 से ड्रॉ रही थी, जिसके बाद भारत वर्तमान में डब्ल्यूटीसी प्वाइंट्स टेबल में तीसरे पायदान पर मौजूद है। वहीं, दूसरी ओर वेस्टइंडीज तीन मैचों में तीन हार के बाद छठे स्थान पर है। भारत-इंग्लैंड की टीमें 2-6 अक्टूबर के बीच अहमदाबाद में पहला टेस्ट मैच खेलेंगी, जिसके बाद 10-14 अक्टूबर के बीच दिल्ली में सीरीज का दूसरा मुकाबला आयोजित होगा।

उन्हें आईपीएल में भी अंपायरिंग करनी है, फखर जमां को आउट देने पर अफरीदी ने उगला जहर

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने भारत के विरुद्ध सुपर-4 मुकाबले में फखर जमां को आउट दिए जाने पर सवाल उठाया है। उन्होंने एशिया कप 2025 में अंपायरिंग के मानकों पर फिर से बहस छेड़ दी है। फखर जमां इस फैसले से नाखुश दिखे। उनका मानना था कि विकेटकीपर के दस्तानों में जाने से पहले गेंद जमीन को छू चुकी थी। समा टीवी पर शाहिद अफरीदी ने अंपायर पर तंज कसते हुए कहा, उन्हें आईपीएल में भी अंपायरिंग करनी है। पाकिस्तान के दिग्गज बल्लेबाज मोहम्मद यूसुफ ने अफरीदी का समर्थन करते हुए फखर जमां को आउट दिए जाने पर अफसोस जताया है। यूसुफ ने कहा, फखर जमां हमारे प्रमुख खिलाड़ी थे, उन्होंने विश्वस्तरीय गेंदबाजों (जसप्रीत बुमराह) के खिलाफ कुछ चौके लगाकर अच्छी शुरुआत की थी। पाकिस्तानी कप्तान सलमान आगा ने भी थर्ड अपंयार के इस फैसले पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा, मुझे लगा कि गेंद बाउंस हुई है। अंपायर गलतियां कर सकते हैं, और यह समझ में आता है। मुझे तो ऐसा लगा कि गेंद बाउंस हुई है, लेकिन मैं गलत भी हो सकता हूं। अगर फखर जमां खेलते रहते, तो हम 190 के आसपास पहुंच सकते थे।

पीएसजी स्टार डेम्बेले ने बैलन डीओर जीता

महिलाओं में बोनमाटी की हैट्रिक

28 वर्षीय डेम्बेले ने पेरिस में आयोजित समारोह में बार्सिलोना के किशोर प्रतिभाशाली खिलाड़ी लामिन यमाल को पछाड़कर यह खिताब अपने नाम किया। ओस्मान डेम्बेले ने इस सीजन पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) के लिए 53 मुकाबलों में 35 गोल और 16 असिस्ट किए। हालांकि, चोट के चलते वह मार्सिले में पीएसजी के लीग मुकाबलों में नहीं खेल पाए थे।

ओस्मान डेम्बेले ने बैलन डीओर जीतने पर खुशी जताते हुए कहा, सचमुच मेरे पास शब्द नहीं हैं। पीएसजी के साथ यह एक शानदार सीजन रहा। यह एक व्यक्तिगत ट्रॉफी है, लेकिन असल में इसे सामूहिक रूप से जीता गया। मेरे करियर में बैलन डीओर मेरा लक्ष्य नहीं रहा है, लेकिन मैंने टीम को चैंपियंस लीग जिताने के लिए कड़ी मेहनत की। इसके साथ ही ओस्मान डेम्बेले अपनी मां का जिक्र करते हुए भावुक हो गए, जो उस समारोह में मौजूद थीं।

18 वर्षीय लामिन यमाल उपविजेता रहे। स्पेन और बार्सिलोना के इस फॉरवर्ड ने कोपा ट्रॉफी अपने नाम की। लगातार दूसरी बार यह पुरस्कार जीतते हुए, उन्होंने विश्व फुटबॉल के सबसे चमकते युवा सितारों में अपनी पहचान पुख्ता कर दी।

दूसरी ओर, ऐताना बोनमाटी लगातार तीन बार गोल्डन बॉल जीतने वाली पहली महिला खिलाड़ी बन गई हैं। इस उपलब्धि में बोनमाटी ने लियोनेल मेस्सी और मिकेल प्लेटिनी जैसे दिग्गज फुटबॉलर के साथ शामिल हुईं। 27 वर्षीय बोनमाटी ने हमवतन और आर्सेनल स्टार मारियोना काल्डेन्टे को पीछे छोड़ा, जिन्होंने विमेंस चैंपियंस लीग फाइनल में गोल दागकर टीम को खिताब दिलाया था। बोनमाटी को यूरो 2025 में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया था, हालांकि फाइनल में स्पेन इंग्लैंड से पेनाल्टी शूटआउट में हार गया।

बहुत सारी कमजोरियां हैं..., भारत से लगातार दो मैच हारने पर वसीम अकरम ने पाकिस्तान टीम को लताड़ा

दुबई, एजेंसी। अकरम ने पाकिस्तान की बल्लेबाजी को भी निशाना बनाया। उन्होंने कहा कि टीम 10 ओवरों में 91/1 के स्कोर पर अच्छी स्थिति में थी, लेकिन सिर्फ 171 रन ही बना पाई। अकरम ने कहा कि ऐसी स्थिति में टीम को 200 रन तक पहुंचना चाहिए। पाकिस्तान के दिग्गज तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने एशिया कप 2025 सुपर फोर में भारत के खिलाफ हार के बाद पाकिस्तान टीम की कड़ी आलोचना की है। अकरम ने साफ शब्दों में कहा कि पाकिस्तान को टीम इंडिया ने हर विभाग में मात दी। उन्होंने पाकिस्तान की बल्लेबाजी, गेंदबाजी और रणनीति सभी पर सवाल उठाए। अकरम ने कहा, भारत ने पाकिस्तान को हर विभाग में पछाड़ दिया और यह पिछले चार-पांच वर्षों से होता आ रहा है। हम (पाकिस्तान) केवल एक-दो बार ही जीत पाए हैं।

बल्लेबाजी में सुधार की आवश्यकता

अकरम ने ऑफिशियल ब्रॉडकास्टर्स से बात करते हुए पाकिस्तान की बल्लेबाजी को भी निशाना बनाया। उन्होंने कहा कि टीम 10 ओवरों में 91/1 के स्कोर पर अच्छी स्थिति में थी, लेकिन सिर्फ 171 रन ही बना पाई। अकरम ने कहा कि ऐसी स्थिति में टीम को 200 रन तक पहुंचना चाहिए था। उन्होंने खिलाड़ियों से घरेलू क्रिकेट और विशेषकर रेड-बॉल क्रिकेट खेलने पर जोर दिया। अकरम ने कहा, बहुत सारी कमजोरियां हैं। खिलाड़ियों को एक निश्चित मात्रा में रेड-बॉल क्रिकेट खेलनी चाहिए। यही तरीका है जिससे आप स्पिनर्स को समझ पाएंगे और बेहतर प्रदर्शन कर पाएंगे।

श्रेयस अय्यर ने अचानक छोड़ी कप्तानी

• तुरंत ही लौट आए मुंबई, जानिए क्या है पूरा मामला

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडिया ए और ऑस्ट्रेलिया ए के बीच चल रही चार दिवसीय अनऑफिशियल टेस्ट सीरीज में भारत को बड़ा झटका लगा है. सीरीज के दूसरे मुकाबले से ठीक पहले श्रेयस अय्यर, जो इंडिया ए टीम के कप्तान और मध्यक्रम के बल्लेबाज हैं, ने अचानक कप्तानी छोड़ते हुए टीम से अपना नाम वापस ले लिया और मुंबई लौट गए हैं. इस अचानक फैसले ने टीम प्रबंधन और फैंस दोनों को हैरान कर दिया है.

अभी तक अय्यर के अचानक लौटने का आधिकारिक कारण सामने नहीं आया है, लेकिन सूत्रों के मुताबिक उनके इस तरह से लौटने का कारण व्यक्तिगत बताया जा रहा है. उनके जाने के बाद उप-कप्तान ध्रुव जुरेल टीम की कमान संभालेंगे. अय्यर की जगह किसी दूसरे खिलाड़ी को टीम में जगह नही दी गई है. अय्यर ने बीसीसीआई से भी पर्सनल कारण बताते हुए छुट्टी मांगी है. टाइम्स ऑफ इंडिया के एक सूत्र के अनुसार अय्यर ने पहले ही सिलेक्टर्स को दूसरे मैच में अपनी अनुपस्थिति के विषय में जानकारी दे दी थी और टीम चयनकर्ता उनका भविष्य वेस्टइंडीज सीरीज में खेलने के संदर्भ में देख रहे हैं.

श्रेयस अय्यर का हालिया फॉर्म

श्रेयस अय्यर का प्रदर्शन इस सीरीज में उतना शानदार नही रहा. पहले अनऑफिशियल टेस्ट में वो सिर्फ 8 रन ही जोड़ पाए. वहीं, दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइनल में भी उनका प्रदर्शन औसत रहा, और उन्होंने क्रमशः 25 और 12 रन की पारी खेली, लेकिन इसके बाद भी चयनकर्ताओं उनपर नजर बनाए हुए हैं. अय्यर ने इस साल की शुरुआत में भारत की चैंपियंस ट्रॉफी में भी शानदार पारियां खेली थी. उन्होंने टूर्नामेंट में 48.60 की औसत से 243 रन बनाए थे. इसके अलावा आईपीएल में भी पंजाब की टीम को वह फाइनल तक लेकर गए थे.

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इतिहास रचने से चूकी भारतीय महिलाओं को एक और झटका

अब 10% काटी गई मैच फीस

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम (पूर्व में फिरोजशाह कोटला स्टेडियम) में शनिवार 20 सितंबर 2025 को इतिहास रचने से चूकी भारतीय महिला क्रिकेट टीम को एक झटका लगा है। भारतीय महिला क्रिकेट टीम पर मंगलवार 23 सितंबर 2025 को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे वनडे में धीमी ओवर गति के लिए मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया। शनिवार को फिरोजशाह कोटला मैदान पर स्मृति मंधाना की 125 रन की धमाकेदार पारी के बावजूद मेजबान भारत को 43 रन से हार का सामना करना पड़ा। इस तरह ऑस्ट्रेलिया ने 2-1 से सीरीज जीत ली, जबकि भारतीय महिला टीम कंगारुओं के खिलाफ पहली बार वनडे सीरीज अपने नाम करने से चूक गई। आईसीसी के मैच रेफरी के अंतरराष्ट्रीय पैनल की जीएस लक्ष्मी ने यह जुर्माना लगाया, क्योंकि समय सीमा को ध्यान में रखते हुए भारत को निर्धारित समय से दो ओवर कम फेंकने का दोषी पाया गया। आईसीसी की ओर से जारी बयान में कहा गया, खिलाड़ियों और प्लेयर्स सपोर्ट स्टाफ के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के अनुसार, जो न्यूनतम ओवर गति से संबंधित है, खिलाड़ियों पर निर्धारित समय में अपनी टीम द्वारा कम फेंके जाने पर प्रत्येक ओवर के लिए उनकी मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है। विराट कोहली का रिकॉर्ड तोड़ने के बाद भी खुश नहीं स्मृति मंधाना, कहा- विश्व कप से पहले हमें ताकत और कमजोरियां दिखा गई यह

सीरीज बयान में यह भी कहा गया, भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने अपराध स्वीकार कर लिया और प्रस्तावित जुर्माना स्वीकार कर लिया, इसलिए औपचारिक सुनवाई की कोई आवश्यकता नहीं पड़ी। धीमी ओवर गति की रिपोर्ट मैदानी अंपायर लॉरेन एजेनबाग और जननी नारायणन ने की थी। इसमें थर्ड अंपायर गायत्री वेणुगोपालन और फोर्थ अंपायर वृंदा राठी की भी सहमति शामिल थी।

ऑस्ट्रेलिया को भी लगा झटका

इस बीच, ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम के लिए भी एक बुरी खबर आई। ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ग्रेस हैरिस का वनडे विश्व कप में जगह बनाने का इंतजार और बढ़ गया, क्योंकि पिंडली में खिंचाव के कारण वह भारत और श्रीलंका में होने वाले आगामी 50 ओवरों के टूर्नामेंट से बाहर हो गईं। ग्रेस हैरिस को शनिवार 20 सितंबर 2025 को भारत के खिलाफ तीसरे वनडे में चोट लगी थी।

स्वदेश लौटेंगी ग्रेस हैरिस, हीथर ग्राहम खेलेंगी

ग्रेस हैरिस अब 9 नवंबर से शुरू होने वाली महिला बिग बैश लीग से पहले स्वास्थ्य लाभ और पुनर्वास के लिए स्वदेश लौट जाएंगी। ऑस्ट्रेलिया ने हैरिस की जगह हीथर ग्राहम को टीम में शामिल किया है। हीथर ग्राहम महिला राष्ट्रीय क्रिकेट लीग में बुधवार और गुरुवार (24 और 25 सितंबर) को वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के पहले दो मुकाबलों में हिस्सा लेने के बाद भारत में ऑस्ट्रेलियाई टीम से जुड़ेंगी।

राहुल द्रविड़ के बेटे समित पर भारी पड़ा सचिन तेंदुलकर का लाल अर्जुन, सिर्फ नौ रन पर कर दिया आउट

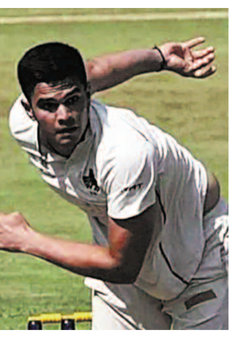

नई दिल्ली, एजेंसी। कर्नाटक के अलूर में सोमवार (22 सितंबर) को दिग्गज क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर और राहुल द्रविड़ के बेटे के. थिमप्पिया मेमोरियल टूर्नामेंट में आमने-सामने हुए। गोवा के लिए अर्जुन तेंदुलकर ने कर्नाटक सेक्रेटरी इलेवन के समित द्रविड़ का विकेट लेकर इस मैच को यादगार बना दिया। समित द्रविड़ ने 26 गेंदों पर 9 रनों की अपनी पारी के दौरान दो चौके लगाए। एक शॉट लॉन्ग ऑफ की ओर गया जबकि दूसरा कवर्स में गया। हालांकि, अर्जुन तेंदुलकर ने उन्हें काशब बाकले के हाथों कैच करा दिया। इस टूर्नामेंट में कर्नाटक के कुछ शीर्ष खिलाड़ी हिस्सा हैं। इनमें हाल ही में इंग्लैंड का दौरा करने वाले खिलाड़ी करुण नायर और प्रसिद्ध कृष्णा भी शामिल हैं। करुण इस मैच में खेल रहे हैं और वह 3 रन बनाकर आउट हुए।

कर्नाटक की बल्लेबाजी - कर्नाटक ने दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक 8 विकेट पर 245 रन बनाए। कृतिक कृष्णा 89 रन बनाकर क्रीज पर हैं। लोचन गौड़ा ने 88 रन बनाए। फैजान खान ने 29 और राजवीर वाधवा ने 14 रन बनाए। समित द्रविड़ 9, माधव बजाज 4 और करुण नायर 3 रन बनाकर आउट हुए। निकिन जोस और ध्रुव पी बगैर खाता खोले आउट हुए। अभिषेक अहलावत बगैर खाता खोले क्रीज पर हैं।

क्यों हो रहीं विनेश फोगाट वाली गलतियां?

WFI ने पेरिस ओलंपिक के मेडलिस्ट को जारी किया कारण बताओ नोटिस, 27 तक देना होगा जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने सोमवार 22 सितंबर 2025 को पेरिस ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता अमन सहरावत को विश्व चैंपियनशिप में स्वीकार्य वजन सीमा पर खरा नहीं उतर पाने को लेकर सोमवार को 'कारण बताओ नोटिस' जारी किया। अमन पुरुषों की फ्रीस्टाइल कुश्ती 57 किलोग्राम स्पर्धा में पदक के प्रबल दावेदारों में से एक थे, लेकिन प्रतियोगिता के दिन उनका वजन स्वीकार्य सीमा से 1.7 किलोग्राम अधिक निकला, जिसके कारण उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया।

4-4 कोचों के बावजूद क्यों हुआ ऐसा - डब्ल्यूएफआई ने इस बात पर भी नाराजगी जताई कि जगरेब में चार कोच मौजूद थे, लेकिन वे वजन प्रबंधन पर नजर नहीं रख पाए और इसके मद्देनजर उन्हें भी 'कारण बताओ नोटिस' जारी किया गया। रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (डब्ल्यूएफआई) के एक पदाधिकारी ने बताया, 'यह स्वीकार्य नहीं है। हमें इसके पीछे के कारणों का पता लगाना होगा। दो महीने से भी कम समय में हमारे दो अच्छे पहलवानों को अयोग्य घोषित कर दिया गया। हमें इसकी जांच करनी होगी, इसलिए हमने अमन को 'कारण बताओ नोटिस' जारी किया है।'

कोचों की भी जिम्मेदारी थी: डब्ल्यूएफआई

डब्ल्यूएफआई के पदाधिकारी ने बताया कि मुख्य कोच जगमंदर सिंह, विनोद, वीरेंद्र और नरेंद्र को भी स्पष्टीकरण देना होगा। उन्होंने बताया कि अमन और चारों कोच से 27 सितंबर तक जवाब देने के लिए कहा गया है। उन्होंने बताया, 'वहां 10 पहलवान और चार कोच थे। उन्हें इस मुद्दे पर ध्यान देना चाहिए था। वे प्रतियोगिता से 15 दिन पहले वहां थे। यह उनकी भी जिम्मेदारी थी, इसलिए उन्हें भी स्पष्टीकरण देना होगा।

क्या कहता है WW का नियम?

साल 2023 में जारी यूडब्ल्यूडब्ल्यू नियमों के अनुसार, विश्व कप, यूडब्ल्यूडब्ल्यू रैंकिंग सीरीज टूर्नामेंट और अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों के लिए दो किग्रा तक अधिक वजन तक की मंजूरी है। हालांकि, विश्व चैंपियनशिप और ओलंपिक जैसे टूर्नामेंटों में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। पेरिस ओलंपिक 2024 में स्वीकार्य वजन सीमा पर खरा नहीं उतर पाने के कारण ही विनेश फोगाट स्वर्ण पदक मुकाबले (महिला 50 किग्रा वर्ग) में हिस्सा नहीं ले पाईं थीं। तब विनेश फोगाट का वजन 50 किलोग्राम से कुछ ग्राम अधिक था।

पहले विनेश फोगाट अब अमन सहरावत

विनेश फोगट के पेरिस ओलंपिक से अयोग्य घोषित होने के बाद, किसी स्टार भारतीय खिलाड़ी (अमन सहरावत) के ज्यादा वजन का यह पहला मामला है। हालांकि, एक महीने से भी कम समय में विश्व चैंपियनशिप में किसी भारतीय के साथ यह अयोग्यता की दूसरी घटना है। अगस्त 2025 में बुल्गारिया के समोकोव में अंडर-20 विश्व चैंपियनशिप से नेहा सांगवान (महिला 59 किग्रा) को स्वीकार्य सीमा से 600 ग्राम अधिक वजन होने के कारण बाहर कर दिया गया था। इसके बाद डब्ल्यूएफआई ने नेहा सांगवान को दो साल के लिए निलंबित कर दिया था।

‘बैड्स ऑफ बॉलीवुड’

अभिनेता रणबीर कपूर के खिलाफ दर्ज होगा केस

● मानवाधिकार आयोग ने की सिफारिश

शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान की वेब सीरीज बैड्स ऑफ बॉलीवुड कानूनी विवाद में फंसती दिखाई दे रही है। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने मुंबई पुलिस से अभिनेता रणबीर कपूर, वेब सीरीज के निर्माताओं और नेटफ्लिक्स के खिलाफ केस दर्ज करने की सिफारिश की है। दरअसल, बैड्स ऑफ बॉलीवुड के एक सीन में रणबीर कपूर ई-सिगरेट पीते दिखाई दे रहे हैं। इस सीन में करण जौहर भी दिखाई दे रहे हैं। इस सीन में किसी तरह की लिखित चेतावनी भी नहीं दिखाई गई है। इस सीन की शिकायत करते हुए एक शख्स विनय जोशी ने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग को एक पत्र लिखा। उन्होंने कहा है कि यह युवा पीढ़ी को गलत तरीके से प्रभावित कर सकती है। याचिकाकर्ता के अनुसार, इस तरह का चित्रण युवा दर्शकों को गुमराह कर सकता है और अप्रत्यक्ष रूप से प्रतिबंधित उत्पादों के सेवन को बढ़ावा दे सकता है, जिससे भारत में तंबाकू नियंत्रण मानदंडों का उल्लंघन होता है। मामले का संज्ञान लेते हुए मानवाधिकार आयोग ने मुंबई पुलिस को इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट निषेध अधिनियम 2019 के उल्लंघन का मामला दर्ज करने की सिफारिश की है। आयोग ने सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव को उचित कार्रवाई करने और ऐसी सामग्री पर तुरंत रोक लगाने का नोटिस जारी किया है जो युवा पीढ़ी को गलत तरीके से प्रभावित कर सकती है। वहीं मुंबई के पुलिस आयुक्त को इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट के निर्माताओं और आयातकों की पहचान की जांच शुरू करने के लिए कहा गया है। आयोग ने मुंबई पुलिस को एफआईआर दर्ज करने के लिए दो सप्ताह का समय दिया है। आर्यन खान ने इस सीरीज को डायरेक्ट किया है। बैड्स ऑफ बॉलीवुड नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है। इस सीरीज में रणबीर कपूर का कैमियो रोल है। इस सीरीज में बॉलीवुड की दुनिया दिखाई गई है। इसमें फिल्म इंडस्ट्री की दुनिया का सच लोगों के सामने लाने की कोशिश की गई है।

उम्र संबंधी सवाल पर भड़कीं लक्ष्मी मांचू

अभिनेत्री लक्ष्मी मांचू ने तेलंगाना फिल्म चैंबर ऑफ कॉमर्स (टीएफसीसी) में औपचारिक रूप से एक शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने आरोप लगाया है कि एक पत्रकार ने हाल ही में एक प्रचार कार्यक्रम के दौरान उनके रूप और उम्र को लेकर अपमानजनक टिप्पणी की। अभिनेत्री ने पत्रकार पर 47 साल की उम्र में उनके पहनावे के बारे में सवाल करने पर अपमान और अनादर का आरोप लगाया है। खबरों के मुताबिक मांचू ने टीएफसीसी को एक लिखित बयान सौंपकर अपने साथ हुए व्यवहार के बारे में बताया। उन्होंने दावा किया कि ये टिप्पणियां न केवल शर्मसार करने वाली थीं, बल्कि अपमानजनक भी थीं। अभिनेत्री ने चैंबर से अनुरोध किया है कि वह इस घटना का संज्ञान ले और पत्रकार को जवाबदेह ठहराए। अपने लिखित बयान में अभिनेत्री ने लिखा भारत एक ऐसा देश है जो महिलाओं को शक्ति के रूप में पूजता है, फिर भी जब हम काम करने के लिए बाहर निकलते हैं, तो हमें अपमान और अनादर का सामना करना पड़ता है। यह जारी नहीं रह सकता।

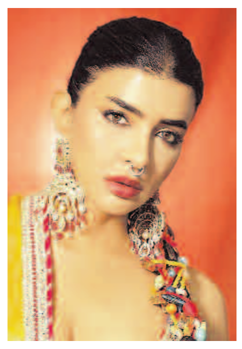

नगमा मिराजकर ने आवेज दरबार संग अपने रिश्ते पर खुलकर की बात

हाल ही में ‘बिग बॉस 19’ के घर से बाहर हुईं अभिनेत्री नगमा मिराजकर ने साथी कंटेस्टेंट आवेज दरबार के साथ अपने रिश्ते को लेकर खूब सुर्खियां बटोरीं थीं। उन्होंने एक विशेष बातचीत में अपने रिश्ते और बिग बॉस हाउस में चल रहे लव एंगल्स पर बात की। अपने और आवेज के रिश्ते पर बात करते हुए नगमा ने कहा, मैं आवेज दरबार को लंबे समय से जानती हूं और उनके बारे में कोई बात मुझसे छुपी नहीं है। मुझे किसी को भी हमारे रिश्ते के बारे में बताने की जरूरत नहीं है। हम एक-दूसरे को जानते हैं और यही मायने रखता है। शादी की प्लानिंग के बारे में बात करते हुए नगमा ने ने कहा, वह और आवेज जल्द ही शादी करने की योजना बना रहे हैं। मैं चाहती हूं कि वह बिग बॉस में अंत तक रहे और जीतकर वापस आए। उसके बाद इंशाअल्लाह, हम शादी के बंधन में बंध जाएंगे। नगमा को कुछ प्रोजेक्ट में इसलिए लिया गया कि वो आवेज दरबार को जानती हैं, इस पर नगमा बोलीं, मुझे लगता है कि ऐसा कहना अनुचित है। हमने एक-दो गानों पर साथ काम किया है, लेकिन यह दावा करना कि हमें कनेक्शन के जरिए काम मिलता है, सही नहीं है। हर किसी को अपनी मेहनत और प्रतिभा से काम मिलता है। हमने यहां तक पहुंचने के लिए कड़ी मेहनत की है और ईश्वर की दया से हम अपनी मेहनत से आगे बढ़ते रहेंगे। बिग बॉस 19 के घर में प्रेम संबंधों पर अपने विचार साझा करते हुए अभिनेत्री ने कहा, अभिषेक और अशनूर बहुत अच्छे दोस्त हैं।

कांतारा:चैप्टर 1 के ट्रेलर में

लोककथा की रानी बनकर छा गई रुक्मिणी वसंत

है और इसकी सबसे बड़ी झलक में चमक रही हैं राजकुमारी कनकवती यानी रुक्मिणी वसंत। फ़िरोज़ी रंग की सुनहरी बॉर्डर वाली ओढ़नी, गहनों से लदा-फदा शाही शृंगार भारी हार, चूड़ियों की कतार, झुमके, बाजूबंद, कमरपट्टा, नथनी और मांगटीका इन सबमें रुक्मिणी का अंदाज़ बिल्कुल अमर शान का एहसास कराता है। हल्का-सा चमकीला शृंगार और नन्हीं बिंदी उनकी गरिमा और दमख़म का परफ़ेक्ट संतुलन दिखाते हैं। परदे पर उनकी मौजूदगी ऐसी लगती है जैसे धरती की खुशबू और राजसी ठाठ-बाट मिलकर एक ही रूप में ढल गए हों देखने वाला बस वाह! कह उठे। कनकवती शाही हैं, हाँ, लेकिन साथ ही इंसानी और संवेदनशील भी। मुझे उनकी गरिमा के साथ-साथ उनका जज़्बा भी अपनाना पड़ा। अब बेसब्री से इंतज़ार है कि लोग उन्हें सिनेमा घरों में देखें। आगे रुक्मिणी वसंत अपने हुनर को और नए रंग-रूप देने वाली हैं। तेज़-तर्रार एनटीआर-प्रशांत नील की जोड़ी के साथ फ़िल्म और साथ ही एक दिलचस्प अंतरराष्ट्रीय परियोजना टॉक्सिक~ अ फेरीटेल फ़ॉर ग्रोन-अप्स भी।

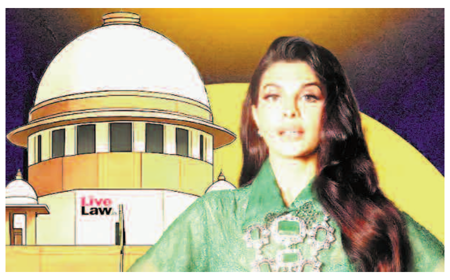

जैकलीन को सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं

मनी लॉन्ड्रिंग केस में ट्रायल रहेगा जारी

बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस को 200 करोड़ रुपये की मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े सुकेश चंद्रशेखर मामले में सुप्रीम कोर्ट से कोई बड़ी राहत नहीं मिली है। अभिनेत्री ने दिल्ली हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी थी, जिसमें उनकी ओर से प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दर्ज की गई एफआईआर को रद्द करने की याचिका खारिज कर दी गई थी। जैकलीन की ओर से दलील दी गई थी कि उनके खिलाफ जो आरोप लगाए गए हैं, वे पूरी तरह झूठे हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें सुकेश चंद्रशेखर के आपराधिक इतिहास की कोई जानकारी नहीं थी और न ही उन्हें पता था कि जो महंगे तोहफे उन्होंने सुकेश से लिए, वे अवैध रूप से कमाई गई रकम से खरीदे गए थे। हालांकि, कोर्ट ने इस वक्त इस मामले में कोई हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया है। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता ने कहा कि यह आरोप है कि आपको 200 करोड़ रुपए के उपहार मिले, लेकिन कानून की प्रकृति ऐसी है कि कई बार यह तय कर पाना मुश्किल हो जाता है कि जब दो लोग आपस में करीबी होते हैं और उनमें से एक व्यक्ति किसी आपराधिक गतिविधि में शामिल होता है, तो दूसरे की भूमिका क्या रही; इसे अलग करना आसान नहीं होता। ऐसे मामलों में ट्रायल कोर्ट ही सही मंच होता है, जहां तथ्यों की गहराई से जांच की जा सकती है। इस पूरे मामले पर जैकलीन फर्नांडिस के वकील प्रशांत पाटिल ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, हमारा जो मामला है, वह ट्रायल कोर्ट में चार्ज तय करने की बहस के स्तर पर है। हमारा सुप्रीम कोर्ट आने का उद्देश्य है कि हम चाहते हैं कि ट्रायल कोर्ट हमारे मामले को निष्पक्ष और स्वतंत्र रूप से सुने। इसी कारण हमने सुप्रीम कोर्ट से अनुरोध किया कि हाईकोर्ट की टिप्पणियों को रिकॉर्ड से हटाया जाए। प्रशांत पाटिल ने आगे कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने हमारे पक्ष में यह आदेश दिया है कि ट्रायल कोर्ट स्वतंत्र रूप से चार्ज पर बहस सुने और हाईकोर्ट की टिप्पणियां उसमें कोई बाधा न बनें।

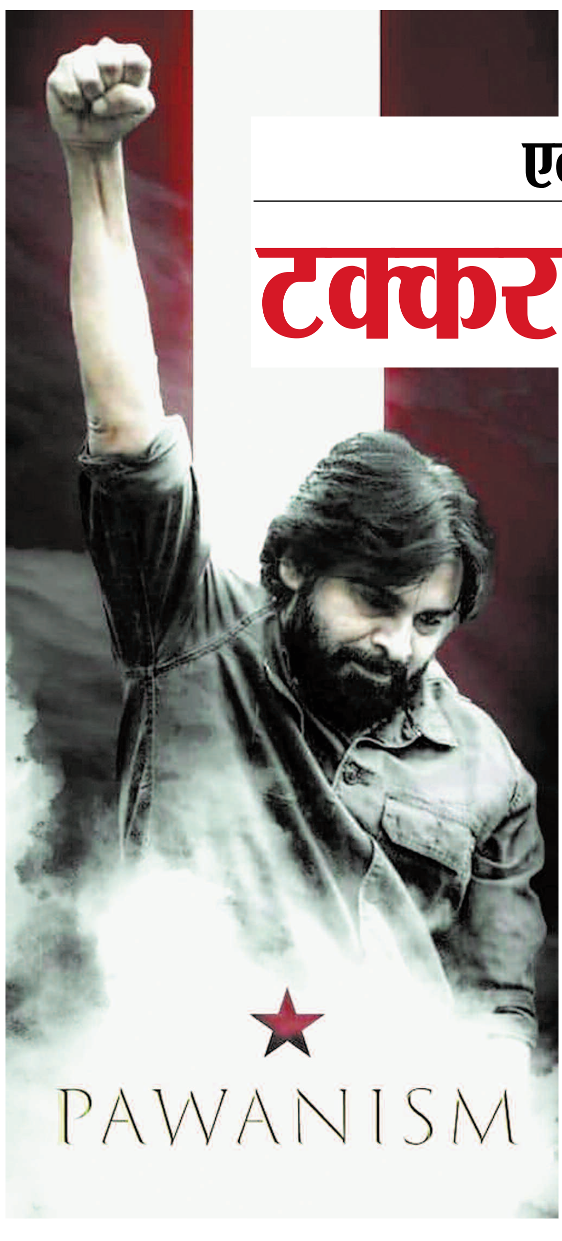

एक्शन के साथ लौटे पवन कल्याण

टक्कर दे रहे इमरान हाशमी

तेलुगु सिनेमा के सुपरस्टार पवन कल्याण की मच अवेटेड पीरियड गैंगस्टर ड्रामा ‘दे कॉल हिम ओजी’ का ऑफिशियल ट्रेलर रिलीज हो चुका है। अभिनेता ट्रेलर में जबरदस्त एक्शन करते नजर आए हैं। तेलुगु सिनेमा के सुपरस्टार पवन कल्याण की मच अवेटेड पीरियड गैंगस्टर ड्रामा ‘दे कॉल हिम ओजी’ का ऑफिशियल ट्रेलर रिलीज हो चुका है। फिल्म की रिलीज से कुछ ही दिन पहले ट्रेलर में सुपरस्टार के दमदार डायलॉग्स और एक्शन देखने को मिल रहे हैं। सोशल मीडिया पर फैंस फिल्म ओजी के हर अपडेट को बारीकी से ट्रैक कर रहे थे और उत्साह अपने चरम पर था।

‘दे कॉल हिम ओजी’ का ट्रेलर हुआ रिलीज

फैंस पवन कल्याण की इस फिल्म के ट्रेलर का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। ट्रेलर में पवन कल्याण का दमदार अंदाज देखने को मिल रहा है। उनके एक्शन ने फैंस का दिल जीत लिया है। ट्रेलर में विलेन बने इमरान हाशमी, पवन कल्याण को जबरदस्त टक्कर दे रहे हैं।

गैंगस्टर ड्रामा में छा गए पवन कल्याण

ट्रेलर में फिल्म की कहानी की झलक भी सामने आ चुकी है। यह एक गैंगस्टर ड्रामा फिल्म है। पवन कल्याण का किरदार बुरे लोगों के खिलाफ लड़ता हुआ नजर आता है। वह अपने परिवार, लोगों का रक्षक बनता है। ट्रेलर में कहीं तलवार से तो कहीं बंदूक के साथ पवन कल्याण का किरदार एक्शन सीन्स करता दिखता है।

वहीं विलेन बने इमरान हाशमी की एंट्री भी शानदार है। वह चंद सेकंड के सीन में दर्शकों को इंप्रेस कर देते हैं। ट्रेलर रिलीज के साथ ही फिल्म के टाइटल का भी खुलासा हो गया। दरअसल, फिल्म में पवन कल्याण के किरदार का नाम ओजस गंभीरा है। इसी का शॉर्ट फॉर्म ह्व फिल्म का टाइटल है।

फिल्म की स्टारकास्ट

फिल्म में पवन कल्याण के साथ प्रियंका अरुलमोहन फीमेल लीड में हैं, जबकि एंटैगनिस्ट की भूमिका में इमरान हाशमी नजर आएंगे। इसके अलावा श्रीया रेड्डी, प्रकाश राज, अर्जुन दास और शाम जैसी प्रमुख भूमिकाओं में कलाकार हैं। संगीत की रचना थमन ने की है, जबकि डीवीवी एंटरटेनमेंट बैनर के तहत डीवीवी दानय्या और कल्याण दास इस प्रोजेक्ट के निर्माता हैं। फिल्म की कहानी को पीरियड गैंगस्टर ड्रामा के रूप में प्रस्तुत किया गया है। इसके किरदार और सेटअप दर्शकों को एक बड़े और ग्रिटी अनुभव की ओर ले जाएंगे।

इंसानियत को कभी नहीं भूलना शाहरुख की सबसे बेहतरीन बात

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान की पहली सीरीज द बैड्स ऑफ बॉलीवुड रिलीज हो चुकी है। इसमें बॉबी देओल एक सुपरस्टार अजय तलवार की भूमिका निभा रहे हैं। बॉबी देओल और शाहरुख खान की दोस्ती बहुत पुरानी है। सीरीज के प्रमोशन के दौरान बॉबी देओल ने आईएएनएस से अपनी 3 दशक पुरानी दोस्ती पर बात की। बॉबी देओल ने कहा, शाहरुख जिस तरह के इंसान हैं, यही वजह है कि आज वे इस मुकाम पर हैं। वह जमीन से जुड़े हुए हैं और परिवार को लेकर बहुत सजग रहते हैं। मुझे यकीन है कि बस एक ही बात उन्हें आगे बढ़ने में मदद करती है, वह यह कि वह अपने परिवार के लिए हमेशा मौजूद रहना चाहते हैं और मुझे लगता है कि हर माता-पिता में यही समानता होती है। हालांकि इन 30 सालों में हम कभी एक-दूसरे के ज्यादा संपर्क में नहीं रहे, लेकिन जब भी हम मिलते हैं तब ऐसा नहीं लगता कि हम लंबे समय बाद मिल रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, हर बार शाहरुख आपको बहुत खास महसूस कराते हैं। वह हमेशा आपको प्यार और स्नेह देते हैं और ये बहुत मायने रखता है। इसका बहुत मतलब है। वह हमेशा अपनी सीमा से हटकर काम करते हैं। वह सबसे अच्छे और दयालु इंसान हैं, भले ही वह इतने बड़े स्टार बन गए हों। बॉबी देओल कहते हैं, उन्होंने वह गुण नहीं खोया। मुझे लगता है कि यह बात शो में मेरे सह-कलाकारों समेत सभी को जो उनसे प्रेरणा लेते हैं, ध्यान में रखनी चाहिए कि अपनी इंसानियत कभी न खोएं।

साहेर बंबा ने की आर्यन की तारीफ

अभिनेत्री साहेर बंबा इन दिनों आर्यन की निर्देशित डेब्यू सीरीज द बैड्स ऑफ बॉलीवुड को लेकर चर्चाओं में हैं। अभिनेत्री ने सोमवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए आर्यन के काम की तारीफ की है। कैप्शन में साहेर ने लिखा, बधाई हो आर्यन खान। तुम्हारे पहले प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद शानदार अनुभव था। अगर दुनिया को पता चल जाए कि तुम वास्तव में कितने अच्छे इंसान हो, तो वो भी तुम्हारे फैन बन जाएंगे। तुम सिर्फ टैलेंटेड नहीं हो, बल्कि एक बहुत अच्छे इंसान भी हो, ये जानकर दिल को खुशी और सुकून मिलता है। ये तो बस शुरुआत है। अभी तो तुम्हें आसमान छूना है। तुम यहां लंबे समय तक रहने और उड़ान भरने आए हो। मैं हमेशा तुम्हारी हौसला अफजाई करूंगी और तालियां बजाऊंगी। आर्यन खान ने सीरीज बैड्स ऑफ बॉलीवुड में बतौर निर्देशक डेब्यू किया है। सीरीज की कहानी बॉलीवुड की दुनिया पर आधारित है, जिसमें एक्शन, कॉमेडी और स्टारडम देखने को मिलेगा। रेड चिलीज एंटरटेनमेंट के बैनर तले इस सीरीज में साहेर बंबा के अलावा, लक्ष्य लालवानी, बॉबी देओल, राघव जुयाल, आन्या सिंह, मोना सिंह, गौतमी कपूर, मनोज पहवा, रजत बेदी, मनीष चौधरी, विजयंत कोहली और रोहित गिल जैसे सितारे हैं।

फातिमा सना शेख ने सोशल मीडिया पर फैंस से हिंदी फिल्मों के बारे में मांगे सुझाव

फातिमा ने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें वह बेहद खूबसूरत नजर आ रही हैं। उन्होंने मेहरून रंग की साड़ी के साथ मल्टी कलर का ब्लाउज पेयर किया है। कानों में बड़े-बड़े झुमके, हाथों में चूड़ी, आंखों में गहरा काजल, माथे पर छोटी-सी लाल बिंदी और हल्का-सा मेकअप उनके लुक को और निखार रहा है। वहीं, बालों को उन्होंने खुला छोड़ रखा है। कैप्शन में फातिमा ने लिखा, बताओ...आजकल क्या देख रहे हो? कुछ हिंदी फिल्मों के बारे में सुझाव दें। फातिमा की इस पोस्ट को प्रशंसक खूब पसंद कर रहे हैं, वे इस पर तरह-तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो उनकी हालिया रिलीज फिल्में आप जैसा कोई और अनुराग बसु की फिल्म मेट्रो... इन दिनों थीं। फिल्म में फातिमा सना शेख के साथ आदित्य रॉय कपूर, सारा अली खान, अली फजल, पंकज त्रिपाठी, कोंकणा सेन शर्मा, अनुपम खेर, और नीना गुप्ता जैसे सितारे अहम भूमिकाओं में थे।

अपकमिंग प्रोजेक्ट्स की बात करें तो वह मशहूर डिजाइनर मनीष मल्होत्रा द्वारा निर्मित फिल्म गुस्ताख इश्क में विजय वर्मा के साथ रोमांस करती नजर आएंगी। मेकर्स ने इसका टीजर रिलीज कर दिया। पुरानी दिल्ली की गलियों और पंजाब की पुरानी कोठियों की पृष्ठभूमि में बनी यह फिल्म एक प्रेम कहानी पर आधारित है, जिसमें जुनून और अनकही चाहत की गहराई है। फातिमा अपनी प्रोफेशनल लाइफ से ज्यादा निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में रह चुकी हैं; उनका नाम कई स्टार्स के साथ जोड़ा जा चुका है। उनका पहले नाम आमिर खान के साथ जोड़ा गया था, फिर अभिनेता आदित्य रॉय कपूर और अब उनकी अपकमिंग फिल्म गुस्ताख दिल के को-स्टार विजय वर्मा के साथ। हालांकि इसकी अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

साभार एजेंसी